जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 1 प्रभात बीकानेर, बुधवार 23 जुलाई, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

भाजपा सरकार उपराष्ट्रपति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी में थी?

इस संभावना से आतंकित जगदीप धनखड़ ने अपना इस्तीफा देने का निर्णय लिया और जब भाजपा हाईकमान त्याग पर कार्यवाही नहीं कर रहा था तो धनखड़ ने इस्तीफे की खबर अपने ट्विटर हैण्डल पर डाली

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जुलाई। क्या मोदी सरकार बिखर रही है? क्या नेताओं का असंतोष मोदी के तीसरे कार्यकाल की पहचान बनता जा रहा है, क्योंकि वे हर घटनाक्रम के कथानक पर नियन्त्रिण करने की कोशिश तथा सिर्फ़ अपनी बात मनवाने और "यस सर" कहने वाली संस्कृति को सुनिश्चत कर रहे हैं?

जगदीप धनखड़ का इस्तीफ़ा और उससे जुड़े तमाम विवादों से यह साफ़ दिखता है कि मोदी सरकार किसी भी असहमति को बर्दाश्त नहीं कर सकती। सरकार का स्पष्ट और सीधा संदेश है – इस सरकार में सिर्फ़ हाँ में हाँ मिलाने वालों के लिए ही जगह है।

चाहे उपराष्ट्रपति से इस्तीफ़ा मांगा गया हो या उन्होंने खुद संकेत समझकर इस्तीफ़ा दिया हो, लेकिन दोनों ही स्थितियों का नतीजा एक ही है – प्रधानमंत्री और उनकी टीम की साख को बड़ा झटका लगा है।

- वैसे भी धनखड़ आरएसएस के नज़दीक माने जाते हैं तथा संघ के दबाव में ही धनखड़ को उपराष्ट्रपति बनाया गया था और उसके पहले पश्चिम बंगाल का राज्यपाल।
- कहीं संघ प्रमुख मोहन भागवत व प्र.मंत्री नरेन्द्र मोदी के तनाव की स्थिति की भी कुछ छाया तो नहीं है, धनखड़ प्रकरण पर।
- इसके अलावा, हाल ही में अपनी कोटा यात्रा के दौरान, धनखड़ ने काफी तीखी आलोचना की थी, कोटा की कोचिंग क्लॉसेज़ की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने इस पर भारी आपत्ति की थी, क्योंकि अधिकतर कोचिंग इन्स्टीट्यूट के संस्थापक व संचालक ओम बिड़ला के नज़दीक के लोग बताये जाते हैं। ओम बिड़ला ने अपनी भावनाओं से गृह मंत्री अमित शाह को अवगत कराया था और एक बार फिर जगदीप धनखड़ की पेशी हुई अमित शाह के सामने।
- कई सवाल अनुत्तरित हैं, इस प्रकरण में, जिनका जवाब आना अभी बाकी है।

खबर है कि सरकार उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति के खिलाफ़ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रही थी।

दोपहर बाद प्रधानमंत्री ने वरिष्ठ मंत्रियों के साथ बैठक की और फैसला किया कि अब कार्रवाई का समय आ गया है। राजनाथ सिंह से भाजपा सांसदों को फोन करके प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करवाने को कहा गया। कुछ मनोनीत सांसदों को भी बुलाया गया और सभी से इस बात को गोपनीय रखने को कहा गया।

धनखड़ ने जस्टिस वर्मा के महाभियोग पर विपक्ष का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया था, जबकि सरकार चाहती थी कि भ्रष्टाचार के इस मुद्दे पर पहल वही करे। बताया गया है कि उन्होंने इस बारे में नेतृत्व को सूचित नहीं किया।

उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर बहस की भी अनुमति दे दी, जिससे विपक्ष को विभिन्न प्रकार के सवाल पूछने का मौका मिलता, जिनका सरकार के पास कोई जवाब नहीं होता।

यह वही मुद्दा था, जिससे मोदी सरकार बचना चाहती थी, क्योंकि पहलगाम हमले के बाद, पाकिस्तान के साथ सीमित बातचीत ही हुई थी।

धनखड़ को लगने लगा था कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मिग-21 की भारतीय वायु सेना से विदाई होगी

नई दिल्ली, 22 जुलाई। भारतीय वायु सेना रूस निर्मित मिग–21 लड़ाकू विमानों को सिंतबर में सेवानिवृत्त कर देगी। करीब 62 साल तक भारतीय वायुसेना को सेवा देने के बाद मिग–21 को चंडीगढ़ एयरबेस पर एक खास समारोह में विदाई दी जाएगी।

मिग–21 को 1963 में वायु सेना में शामिल किया गया था। इस विमान ने 1965, 1971, 1999 और 2019 की सभी बड़ी सैन्य कार्रवाइयों में भाग लिया है। मिग–21 एक हल्का सिंगल पायलट फाइटर जैट है। सोवियत रूस के मिकोयान–गुरेविच डिजाइन ब्यूरो ने इसे

- सूत्रों ने बताया कि 62 साल वायु सेना में सक्रिय रहे इन विमानों को चंडीगढ़ एयर बेस पर एक समारोह में विदाई दी जाएगी।

1959 में बनाना शुरु किया था। यह विमान 18 हजार मीटर तक की ऊंचाई पर उड़ान भर सकता है। ये एअर टू एअर मिसाइलों और बम को अपने साथ ले जाने में सक्षम है।

इसकी स्पीड अधिकतम 2,230 किलोमीटर प्रति घंटा यानी 1,204 नॉट्स (माक 2.05) तक की हो सकती है। 1965 और 1971 में हुए भारत–पाक युद्ध में मिग–21 विमानों का इस्तेमाल हुआ था। 1971 में भारतीय मिग ने चेंगड़ु एफ विमान (ये भी मिग का ही एक और वेरियंट था जिसे चीन ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या जगदीप धनखड़ प्रकरण "मैच फिक्सिंग" का मामला है?

अंततोगत्वा कांग्रेसाध्यक्ष को धनखड़ प्रकरण पर कांग्रेस की स्थिति स्पष्ट करनी पड़ी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जुलाई। जगदीप धनखड़ के इस्तीफ़े ने कांग्रेस पार्टी को भीतर से झकझोर दिया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने साफ़ कहा है कि धनखड़ जाएं या रहें, यह बीजेपी का अंदरूनी मामला है। इस मुद्दे का इस्तेमाल देश से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने कांग्रेस के उन नेताओं के लिए एक स्पष्ट संदेश दिया है जो पूर्व उपराष्ट्रपति की खुलकर तारीफ़ कर रहे हैं और उनका बचाव कर रहे हैं।

इनमें सबसे प्रमुख हैं एआईसीसी मीडिया प्रभारी महासचिव जयराम रमेश, जो बार–बार पार्टी को असहज स्थिति में डाल चुके हैं। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि राहुल गांधी और उनकी मां सोनिया गांधी ने उनके खिलाफ़ कोई कार्रवाई करने से इनकार कर दिया है।

जयराम रमेश ने एक ट्वीट में लिखा:

"धनखड़ जी ने किसानों के हितों के लिए खुलकर आवाज़ उठाई। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में बढ़ते अहंकार की आलोचना की और न्यायपालिका की

- एआईसीसी मीडिया इंचार्ज जयराम रमेश ने, जगदीप धनखड़, जो कि कुछ दिन पूर्व तक कांग्रेस के शत्रु नंबर एक थे, की खुली तारीफ करके बड़ी अटपटी स्थिति पैदा की।
- कई नेताओं व सांसदों ने खड़गे से मिलकर जयराम की इस प्रशंसा के खिलाफ शिकायत की।
- गत दिसम्बर माह में कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों ने जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की योजना बनाई थी, पर, प्रस्ताव पारित नहीं हो सका, क्योंकि, जयराम रमेश पहले अपना ही नाम गलत लिख दिया था तथा अविश्वास प्रस्ताव लाने से पहले 14 दिन का नोटिस देने की अनिवार्य औपचारिकता भी पूरी नहीं की थी, क्या यह "मैच फिक्सिंग" का मामला नहीं था।
- परन्तु, अब स्वयं भाजपा सरकार धनखड़ को कठघरे में खड़ा कर देना चाहती है। अतः कथानक एक बार फिर गहरा रहा है।

जवाबदेही व संयम की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। उन्होंने जहां तक संभव हो सका, विपक्ष को जगह देने की कोशिश की। वह नियमों, प्रक्रियाओं और मर्यादाओं के पक्के थे..."

धनखड़, जिन्हें कुछ समय पहले तक कांग्रेस का दुश्मन नंबर एक माना जा रहा था, उनकी इतनी प्रशंसा से पार्टी में कई लोगों की भौंहें तन गई हैं।

कई नेताओं और सांसदों ने खड़गे से इस पर नाराज़गी जताई, जिसके बाद खड़गे ने सार्वजनिक रूप से पार्टी की स्थिति साफ़ कर दी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या वरिष्ठ जेडीयू नेता हरिवंश सिंह बन सकते हैं नए उपराष्ट्रपति?

वर्तमान में वे राज्यसभा के उपसभापति हैं और सभी दलों से उनका अच्छा तालमेल बताया जाता है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जुलाई। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे ने सत्तारूढ़ भाजपा में हलचल मचा दी है, इसने प्रधानमंत्री के खेमे और आरएसएस के बीच गहरी फूट को उजागर कर दिया है। इस्तीफे का आधिकारिक कारण भले ही स्पष्ट नहीं हो, लेकिन यह स्पष्ट है कि धनखड़ का कार्य करने का तरीका लंबे समय से वरिष्ठ भाजपा नेताओं और आरएसएस के भीतर के लोगों को नाखुश करता आ रहा था।

कई महीनों से सूत्र ये संकेत दे रहे थे कि धनखड़ के राज्यसभा के सभापति के रूप में बढ़ते हुये अड़ियल रवैये और हस्तक्षेपों से न केवल विपक्षी दलों को, बल्कि एनडीए के कुछ सहयोगियों को भी असुविधा हो रही थी।

संघ परिवार के शीर्ष सूत्रों के अनुसार, धनखड़, जो राजस्थान के झुंझुनूं से हैं और एक वकील से राजनेता बने हैं, अब भाजपा के शीर्ष नेताओं या

- समझा जाता है कि सरकार गठबंधन की मजबूती का संकेत देने और सहयोगियों को खुश करने के लिए यह कदम उठा सकती है।
- इसी क्रम में तेलुगू देशम पार्टी के किसी नेता को उपसभापति बनाने की भी चर्चा है, इसे चंद्रबाबू नायडू को राजी करने की कोशिश बताया जा रहा है, जो कुछ समय से कई मसलों पर भाजपा से अलग राय व्यक्त कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री के करीबी हलकों में एक असैट (मूल्यवान व्यक्ति) के रूप में नहीं देखे जा रहे थे।

महत्वपूर्ण बात यह है कि धनखड़ के कार्यकाल में अभी दो साल शेष थे। इसलिये उनका इस्तीफा केवल एक सामान्य राजनीतिक फेरबदल से कहीं अधिक प्रतीत होता है, यह गंभीर आंतरिक पुनः संतुलन का एक संकेत है। एक वरिष्ठ आरएसएस कार्यकर्ता ने स्पष्ट रूप से कहा कि धनखड़ की "अपनी उपयोगिता पूरी हो गई थी" और अब वे मोदी–शाह नेतृत्व की बदलती राजनीतिक रणनीति से मेल नहीं खा रहे थे। लेकिन उन्हें हटाने का निर्णय लेना आसान नहीं था। इसके लिए कई शक्ति केन्द्रों में सहमति की आवश्यकता थी, जैसे भाजपा नेतृत्व, संघ और एनडीए के प्रमुख सहयोगी दल।

इसी बीच, अब यह खबरें आ रही हैं कि एनडीए संसद में एक बड़े पुनर्गठन पर विचार कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, राज्यसभा के वर्तमान उपसभापति और वरिष्ठ जेडी (यू) नेता हरिवंश सिंह को धनखड़ के स्थान पर लाने के विकल्प

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान हाई कोर्ट में 7 नये न्यायाधीशों की अधिसूचना जारी

जयपुर, 22 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट को सात नए न्यायाधीश और मिल गए हैं, जिसके बाद अब हाईकोर्ट में जजों की संख्या बढ़कर 43 हो गई है। सात नए न्यायाधीशों में से छह अधिवक्ता कोटे से और एक न्यायिक अधिकारी कोटे से जज बने हैं। वकील

- आशा की जा रही है कि राजस्थान हाई कोर्ट के काम की रफ्तार में तेजी आयेगी। अभी हाई कोर्ट में करीब 6 लाख साठ हजार मुकदमे लम्बित हैं।

कोटे से जज बनने वाले संदीप तनेजा, बलजिंदर सिंह, बिपिन गुप्ता, संजीत पुरोहित, रवि चिरानिया और अनुरूप सिंघी हैं, जबकि न्यायिक अधिकारी कोटे से संगीता शर्मा को हाईकोर्ट जज नियुक्त किया गया है। विधि एवं न्याय विभाग ने इस संबंध में नियुक्ति की अधिसूचना जारी कर दी है। संदीप तनेजा को हाईकोर्ट का स्थाई जज और शेष छह को अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विधेयकों पर राज्यपाल की मंजूरी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र व राज्य सरकारों को नोटिस भेजा

मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों पर आए "प्रैसिडैंशियल रैफरेंस" पर यह नोटिस भेजा गया है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केन्द्र सरकार और सभी राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस एक प्रैसिडैंशियल रैफरैंस (राष्ट्रपति संदर्भ) पर जारी किया गया है, जिसमें यह स्पष्टीकरण मांगा गया है कि क्या अदालतें राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर कार्यवाही के लिए राष्ट्रपति व राज्यपाल के लिए समयसीमा निर्धारित कर सकती हैं।

नोटिस जारी करते हुए, मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति अतुल एस. चंदुरकर की पांच–न्यायाधीशों वाली संविधान पीठ ने इस मामले की अगली सुनवाई मंगलवार, 29 जुलाई को सूचीबद्ध की है। कोर्ट ने एटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि से मामले में सहायता करने का अनुरोध भी किया है।

8 अप्रैल, 2025 के ऐतिहासिक निर्णय में न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला

- सुप्रीम कोर्ट की, सीजेआई बी.आर. गवई के नेतृत्व वाली 5 सदस्यीय संविधान बैंच ने नोटिस जारी करने के बाद मामले में अगली सुनवाई के लिए 29 जुलाई की तारीख दी है, साथ ही एटॉर्नी जनरल आर. वैंकटरमणी को कोर्ट की सहायता करने का निर्देश दिया है।
- गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट की, जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की बैंच ने 8 अप्रैल 2025 को फैसला दिया था कि राज्यपाल अनिश्चितकाल के लिए विधेयक को दबाकर रख नहीं सकते, हालांकि, आर्टिकल 200 में विधेयक पर मंजूरी के लिए कोई समय सीमा नहीं बताई गई है। उन्होंने यह निर्देश भी दिया, कि जब राज्यपाल कोई बिल विचारार्थ राष्ट्रपति को भेजता है तो राष्ट्रपति को उस पर तीन माह में निर्णय लेना होगा और कोई देरी हो तो संबंधित राज्य को बताना होगा, इस निर्णय के अनुसार, राज्यपाल को विधेयक पर "पॉकेट वीटो" या "पूर्ण वीटो" का हक नहीं है।
- इस आदेश पर 15 मई को राष्ट्रपति मुर्मू ने "प्रैसिडैंशियल रैफरेंस" भेजा, जिसमें 14 संवैधानिक सवाल उठाए, जिनमें प्रमुख था कि क्या कोर्ट राष्ट्रपति व राज्यपाल को विधेयक की मंजूरी हेतु "समय सीमा" के लिए बाध्य कर सकता हे। रैफरेंस कहता है कि संविधान में न्यायपालिका को ऐसा कोई अधिकार नहीं दिया गया है।

और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने कहा था कि राज्यपाल अनुच्छेद 200 में एक निर्दिष्ट समयसीमा की अनुपस्थिति के बावजूद विधेयकों पर सहमति देने में अनिश्चितकालीन देरी नहीं कर सकते। अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति को राज्यपाल द्वारा भेजे गए विधेयकों पर तीन महीने के भीतर निर्णय लेना होगा। यदि इसमें कोई और देरी हो, तो उसका स्पष्ट कारण संबंधित राज्य को बताया जाना चाहिए।

इस निर्णय की अन्य मुख्य बातें थीं कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत पॉकेट वीटो (राज्यपाल द्वारा बिना निर्णय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ब्रिटिश नौसेना का लड़ाकू विमान मरम्मत के बाद वापस गया

तिरुवनंतपुरम (केरल), 22 जुलाई। ब्रिटिश नौसेना का लड़ाकू विमान एफ–35 आखिरकार ब्रिटेन के लिए रवाना हो गया है। लगभग एक महीने से भारत में खड़े रहे इस विमान ने आज तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे से उड़ान भरी है।

- एफ-35 फाइटर जेट का हाइड्रॉलिक सिस्टम खराब हो गया था तथा उसे तिरुवनंतपुरम में आपात लैंडिंग करने पड़ी थी। ब्रिटिश इंजीनियरों को इसे ठीक करने में 38 दिन लगे।

ब्रिटिश नेवी का यह एअरक्राफ्ट एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स का हिस्सा है। इसने 14 जून को केरल के तिरुवनंतपुरम में इमरजेंसी लैंडिंग की थी। विमान में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप प्रशासन अपने कार्यकाल के मध्य में है, पर अभी भी अमेरिकी नागरिक विभाजित हैं, ट्रंप के प्रशासन के बारे में

-अंजन रॉय-
-अमेरिका में राष्ट्रदूत के प्रतिनिधि-

वॉशिंगटन, 22 जुलाई। अगले साल होने वाले मध्यावधि चुनावों से कुछ ही महीने पहले, अमेरिका में मतदाता ट्रंप के दूसरे कार्यकाल को लेकर पहले की तरह ही विभाजित नजर आ रहे हैं, चाहे वह निष्ठा हो, या उनके कार्यकाल का मूल्यांकन।

डॉनल्ड ट्रंप के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए दो मुद्दे विशेष रूप से महत्वपूर्ण बनकर उभरे हैं। पहला है महंगाई और जीवन यापन की बढ़ती लागत का मुद्दा, जहाँ ट्रंप के वफादार समर्थक भी बढ़ती कीमतों की मार महसूस कर रहे हैं।

लोगों को, चाहे उनका राजनीतिक रुझान कुछ भी हो, लगता है कि कीमतें लगातार ऊँची बनी हुई हैं और इससे आम अमेरिकी का जीवन प्रभावित हो रहा है। पिछले राष्ट्रपति चुनावों में ट्रंप ने महंगाई के मुद्दे को बड़े प्रभावी ढंग से उठाया था।

यहाँ संदर्भ समझना जरूरी है। बाइडन प्रशासन के शुरुआती दिनों में बहुत अधिक महंगाई देखी गई थी, जिसे बाद में काबू में लाया गया। लेकिन बदनामी तो हो चुकी थी। ट्रंप ने बार–बार इसे बाइडन की विफलता के रूप में दर्शाया और वादा किया कि वे कीमतों और जीवन–यापन को बेहतर बनाएंगे।

लेकिन बढ़े हुए दामों ने परिवारों के बजट को लगातार प्रभावित किया और अभी भी यह एक बड़ी चिंता बनी हुई है। तथापि, कुछ मतदाता मानते हैं कि नौकरी की संभावनाएँ और समग्र स्थिरता अब बेहतर हो रही है, भले ही जीवन की लागत अधिक हो।

दूसरा मुद्दा है, एक सैक्स रैकेट स्कैंडल, जो मृत उच्च–प्रोफ़ाइल सामाजिक हस्ती एपस्टीन से जुड़ा है। एपस्टीन के साथ नजदीकियों ने अमेरिका और इंग्लैंड के कई शीर्ष लोगों को संकट में डाल दिया, जिनमें किंग चार्ल्स के छोटे भाई भी शामिल हैं।

- सब मानते हैं, महँगाई बढ़ी है, पर, ट्रंप के वफादार फिर भी यह मानते हैं कि बढ़ी हुई महँगाई के बावजूद देश में शांति व "स्टेबिलिटी" (स्थिरता) है।
- दूसरा प्रमुख मुद्दा, ट्रंप प्रशासन के मूल्यांकन के बारे में है, उनकी (ट्रंप की) बाल यौनाचार के आरोपी "एपस्टीन" से नज़दीकी के बारे में। ट्रंप के पुराने वफादार व समर्थक अभी भी ट्रंप को निर्दोष मानते हैं, पर, कुछ कट्टर समर्थक भी अब यह मानने लगे हैं कि ट्रंप को खुलकर अपना पक्ष जनता के सामने रखना चाहिए, क्योंकि, अब वह मोड़ आ गया है, जबकि जनता "सत्य व पूर्ण सत्य को जाने बगैर संतुष्ट नहीं होगी।"

एपस्टीन पर सबसे गंभीर आरोप ये हैं कि उसने मशहूर हस्तियों के लिए "चाइल्ड सैक्स" का आयोजन किया। उदाहरण के लिए, प्रिंस एंड्रयू पर ऐसे ही आचरण का आरोप लगा था, जिसकी वजह से उन्हें शाही जिम्मेदारियों से कुछ समय के लिए दूर रखा गया।

डॉनल्ड ट्रंप पर एपस्टीन के करीबी होने के आरोप लगे हैं और अब यह आरोप भी लग रहा है कि वे उसके नजदीकी सर्कल का हिस्सा थे। ट्रंप ने स्वाभाविक रूप से सभी आरोपों का खंडन किया है, लेकिन उनकी सफाइयाँ अक्सर अस्पष्ट और भ्रमित करने वाली बताई जा रही हैं। अपने संबंधों से इन्कार करते समय वो कुछ हिचकिचाए हैं।

हालाँकि, अब मतदाता यह चाहते हैं कि राष्ट्रपति पूरी सच्चाई सामने रखें। यहाँ तक कि उनके वफादार समर्थक और रिपब्लिकन भी मांग कर रहे हैं कि सभी दस्तावेज़ जनता के सामने पेश किए जाएँ, ताकि सच्चाई सामने आ सके, क्योंकि "सिर्फ सच्चाई ही संतुष्टि दे सकती है।"

प्रमुख समाचार एजेंसी सी.एन.एन. ने ट्रंप के दूसरे कार्यकाल का मूल्यांकन किया। एजेंसी ने अपने उस डेटा बेस का इस्तेमाल किया, जिसमें वो लोग शामिल थे, जिन्हें एजेंसी कई वर्षों से फॉलो कर रही थी। न्यूज़ चैनल ने उन लोगों को ट्रैक किया, जिन्होंने पिछले राष्ट्रपति चुनाव से पहले उसके सर्वेक्षण में हिस्सा लिया था और अब एक बार फिर उनसे संपर्क करके उनसे उनका मूल्यांकन लिया गया है। हालाँकि कई समर्पित ट्रंप समर्थकों ने अपना समर्थन कायम रखा है, लेकिन कुछ कट्टर समर्थकों ने भी अब यह मांग की है कि राष्ट्रपति और प्रशासन को ट्रंप की नैतिकता से जुड़ी बातों को लेकर पारदर्शिता दिखानी चाहिए।

कुछ वफादार तो यह विश्वास भी नहीं कर रहे हैं कि राष्ट्रपति सच्चाई बता रहे हैं, या उनके जवाब उनकी जिज्ञासा को संतुष्ट कर पा रहे हैं कि असली मुद्दा क्या था।

मुम्बई ट्रेन धमाकों पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

नयी दिल्ली, 22 जुलाई। महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई के 2006 के ट्रेन विस्फोट मामले में सभी 12 दोषियों को

- महाराष्ट्र सरकार ने मुम्बई ट्रेन धमाकों में बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। बाम्बे हाईकोर्ट ने इस आतंकी घटना के सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया है। इस घटना में 189 लोग मरे थे व 820 गंभीर घायल हुए थे।

बरी करने के बॉम्बे उच्च न्यायालय फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

नियम के बिना और अभिमान के साथ किया गया तप व्यर्थ ही होता है। –वेदव्यास

जांच और अभियोजन की खामियां दर्शाता अदालती फैसला

मुंबई में 11 जुलाई, 2006 को विभिन्न स्थानों पर लोकल ट्रेनों में सात विस्फोट हुए, जिनमें 180 से ज़्यादा लोग मारे गए और कई अन्य घायल हुए थे। इसके उन्नीस साल बाद, बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को उनके सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष मामले को साबित करने में पूरी तरह विफल रहा और "यह विश्वास करना मुश्किल है कि उन्होंने अपराध किया है"। यह फैसला अपराध की जांच करने वाली एजेंसी और अभियोजन पक्ष के लिए एक बड़ी शर्मिंदगी लेकर आया है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। हाल के वर्षों में अनेकों ऐसे फैसले आए हैं जिनमें बरसों से जेलों में बंद लोग बरी किए गये हैं। हालांकि ऐसे फैसले भारतीय न्यायपालिका की स्वतंत्रता एवं विश्वसनीयता को स्थापित करते हैं किन्तु वे न्याय प्रक्रिया में देरी की ओर भी ध्यान खींचते हैं। साथ ही वे जांच एजेंसियों और अभियोजन पक्ष की खामियों व कमजोरियों को भी उजागर करते हैं। वर्षों तक मुकदमा चलने के बाद अभियुक्तों की रिहाई भारतीय न्यायिक तंत्र की गंभीर और बहुआयामी समस्या के साथ सामाजिक, आर्थिक और मानवीय पीड़ा को भी दर्शाती है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक नागरिक को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। लेकिन जब एक व्यक्ति बरसों तक अदालतों में घसीटा जाता है और अंततः उच्च न्यायालय उसे बरी कर देता है, तब यह प्रश्न स्वाभाविक ही उठता है कि क्या वह केवल एक न्यायिक निर्णय है या वर्षों की पीड़ा और अन्याय की स्वीकृति है। अधिकतर मामलों में ट्रायल कोर्ट में दोष सिद्ध हो जाते हैं, परंतु ऊपर के न्यायालयों में अपीलों के दौरान यह स्पष्ट होता है कि सबूत अपर्याप्त थे या गवाहों की गवाही टिकने वाली नहीं थी। इससे ट्रायल अदालतों के निर्णयों पर भी प्रश्न चिन्ह लगे हैं। इस बार भी हुआ है जिसमें न्यायमूर्ति अनिल किलोर और न्यायमूर्ति श्याम चांडक की विशेष पीठ ने मुंबई हादसों के बारे में कहा कि अभियोजन पक्ष अपराध में इस्तेमाल किए गए बमों के प्रकार को भी रिकॉर्ड में दर्ज करने में विफल रहा है और जिन सबूतों पर उसने भरोसा किया है, वे आरोपियों को दोषी ठहराने के लिए निर्णायक नहीं हैं। हाईकोर्ट ने 12 लोगों की दोषसिद्धि को रद्द करते हुए कहा कि गवाहों के बयान और आरोपियों से की गई कथित बरामदगी का कोई साक्ष्य मूल्य नहीं है। इन 12 लोगों में से पांच को एक विशेष अदालत ने मौत की सज़ा और सात को आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई थी। उच्च न्यायालय ने कहा, "अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ मामला साबित करने में पूरी तरह विफल रहा है। यह मानना मुश्किल है कि आरोपियों ने अपराध किया है। इसलिए उनकी दोषसिद्धि रद्द की जाती है।" इस फैसले में अभियोजन पक्ष की कमजोरियों पर भी टिप्पणी है कि वह मामले के महत्वपूर्ण गवाहों से पूछताछ करने में विफल रहा तथा बरामद वस्तुओं का खराब और अनुचित रखरखाव करके प्रतिकूल निष्कर्ष निकाला। पीठ ने कहा, "अभियोजन पक्ष कथित अपराध में इस्तेमाल किए गए बमों के प्रकार को भी रिकॉर्ड में दर्ज करने में विफल रहा है।" उच्च न्यायालय ने मामले के कुछ आरोपियों के कथित इकबालिया बयानों को भी यह कहते हुए खारिज कर दिया कि ऐसा लगता है कि ये बयान उन्हें यातना देकर लिए गए थे। पीठ ने कहा, "इकबालिया बयान अधूरे और असत्य पाए गए हैं क्योंकि कुछ हिस्से एक-दूसरे की नकल हैं। आरोपियों ने यह साबित कर दिया है कि उस समय उन्हें यातनाएं दी गई थी।" अदालत ने आरोपियों की पहचान परेड को भी खारिज कर दिया और कहा कि संबंधित पुलिस को ऐसा करने का कोई अधिकार ही नहीं था। उच्च न्यायालय ने गवाहों द्वारा दिए गए साक्ष्यों को भी स्वीकार करने से यह कह कर इनकार कर दियाकि "गवाहों के बयान विश्वसनीय या भरोसेमंद नहीं हैं और आरोपियों को दोषी ठहराने के लिए निर्णायक नहीं हैं। गवाहों ने घटना के चार महीने बाद पुलिस के सामने शिनाख्त परेड के दौरान और फिर चार साल बाद अदालत में आरोपियों की पहचान की।" इन गवाहों को घटना वाले दिन आरोपियों को देखने का पर्याप्त अवसर नहीं मिला था ताकि वे बाद में उनकी सही पहचान कर सकें। न्यायधीशों ने कहा कि हमें ऐसा कोई कारण नहीं मिला जिससे उनकी स्मृति जागृत हो और चेहरे याद आ सकें।"

अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन जैसे देशों में निर्दोष साबित होने पर सरकार द्वारा मुआवजा, पुनर्वास सहायता, मानसिक स्वास्थ्य सहयोग तथा रोजगार पुनर्स्थापन जैसी सुविधाएं दी जाती हैं। भारत में तो इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। बरसों तक मुकदमे झेलने के बाद उच्च न्यायालय द्वारा दी गई रिहाई भले ही कानूनी दृष्टि से न्याय का प्रतीक हो, परंतु मानवीय दृष्टिकोण से यह एक त्रासदी ही कही जाएगी।

भारत में मुकदमों का लंबा खिंचना और घटिया जांच व कमजोर अभियोजन बड़ी समस्या है। अदालतों में मुकदमों के अंबार लगे हैं। देश की विभिन्न अदालतों में लगभग 5 करोड़ से अधिक मामले लंबित बताए जाते हैं, जिनमें बड़ी संख्या आपराधिक मामलों की है। उच्च न्यायालयों में आने तक एक मुकदमे को 10 से 20 वर्ष तक भी लग जाते हैं। इस प्रक्रिया में अनेक आरोपियों को निर्दोष होने के बावजूद वर्षों जेल में बंद रहने की पीड़ा भोगनी पड़ती है। बिहार के एक व्यक्ति को 28 साल जेल में काटने के बाद रिहा किया गया, क्योंकि कोर्ट ने माना कि उसके खिलाफ पर्याप्त सबूत नहीं थे। इस मुद्दे पर कभी कोई विमर्श नहीं होता कि बरी हुए ऐसे अभियुक्तों पर कैसा सामाजिक व मानसिक दुष्प्रभाव पड़ता है। इससे कोई इनकार नहीं कर सकता कि जिन लोगों ने वर्षों जेल में बिताए, वे मानसिक रूप से टूट जाते हैं। उनकी पहचान समाज में 'अपराधी' के रूप में स्थापित हो जाती है, चाहे उन्हें बाद में निर्दोष घोषित कर दिया जाए। समाज में उन्हें संदेह की दृष्टि से देखा जाता है। रोजगार, शादी, और सामाजिक प्रतिष्ठा जैसी चीजें उनसे छिन जाती हैं। एक लंबी न्यायिक प्रक्रिया मंद न केवल व्यक्ति की आय प्रभावित होती है, बल्कि उसके परिवार पर भी भारी आर्थिक बोझ पड़ता है – वकीलों की फीस, कोर्ट की तारीखों पर जाना, नौकरी छूट जाना आदि। हालांकि कहा यह जाता है कि बेल इज़ द रूल, जेल इज़ एक्सेप्शन मगर भारत में जमानत के सिद्धांत को आमतौर पर पूरी तरह नज़रअंदाज किया जाता है। परिणामस्वरूप, आरोपी बिना दोष सिद्ध हुए सालों तक जेल में बंद रहता है। इसीलिए ऐसे में केवल दोषमुक्ति ही नहीं, पुनर्वास और क्षतिपूर्ति को भी उतना ही अनिवार्य बनाए जाने की मांग होती है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि यदि देश में सच्चे अर्थों में संवैधानिक और मानवीय न्याय की व्यवस्था करनी है, तो न्यायिक प्रक्रिया को समयबद्ध, पारदर्शी और उत्तरदायी बनाना होगा। सच तो यह है कि भारतीय न्याय व्यवस्था दुनिया की सबसे बड़ी न्यायिक प्रणालियों में से एक है, परंतु यह समान रूप से धीमी और जटिल भी है। हमारे यहां ट्रायल कोर्ट की त्रुटियों पर भी यदा-कदा ऊपरी अदालतें नाराजगी जताते हुए टिप्पणियां करती हैं। बहुत बार निचली अदालतें साक्ष्यों की ठीक से व्याख्या नहीं कर पातीं या अभियुक्तों के पक्ष को पर्याप्त सुनवाई का अवसर नहीं देतीं, जिससे उच्च न्यायालय में पुनरीक्षण के बाद अभियुक्त बरी कर दिए जाते हैं।

हालांकि मुकदमे लंबे खिंचते है, परंतु उच्च न्यायालय कई बार न्याय की अंतिम आशा बनकर सामने आते हैं। वे तथ्यों और साक्ष्यों की विस्तृत समीक्षा करते हैं और जांच तथा ट्रायल में हुई खामियों को उजागर करते हैं जैसा मुंबई की ट्रेनों में विस्फोटों के मुकदमे में हुआ है। उच्च न्यायालयों द्वारा दी गई रिहाई कई बार न्यायिक दखल और विवेक की मिसाल बनती है, लेकिन यह भी सत्य है कि उस निर्णय तक पहुंचने में जितनी देर हुई, वह आरोपी के जीवन की अपूरणीय क्षति बन जाती है। यहां यह महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है – क्या वर्षों बाद अदालत से बरी हो जाना न्याय है? लंबे समय तक जेल में रहना, कोर्ट की तारीखों का बोझ, अपनों से बिछड़ना – यह सब किसी को भी मानसिक रूप से तोड़ सकता है। कई मामलों में रिहा हुए लोगों को मानसिक रोगों से जूझते हुए भी पाया गया है। रिहाई के बाद जीवन को फिर से सामान्य पटरी पर लाना अत्यंत कठिन होता है। न तो समाज उसे सहज स्वीकार करता है, न ही उसका आत्मबल उसे फिर से जीवन में स्थापित होने देता है। इसलिए समाजशास्त्री व मनोवैज्ञानिक ऐसे मामलों में क्षतिपूर्ति की आवश्यकता प्रतिपादित करते हैं, ताकि बरी हुए लोगों का पुनर्वास हो सके और उन्हें समाज में पुनः स्थापित होने में सहयोग दिया जा सके। अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन जैसे देशों में निर्दोष साबित होने पर सरकार द्वारा मुआवजा, पुनर्वास सहायता, मानसिक स्वास्थ्य सहयोग तथा रोजगार पुनर्स्थापन जैसी सुविधाएं दी जाती हैं। भारत में तो इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। बरसों तक मुकदमे झेलने के बाद उच्च न्यायालय द्वारा दी गई रिहाई भले ही कानूनी दृष्टि से न्याय का प्रतीक हो, परंतु मानवीय दृष्टिकोण से यह एक त्रासदी ही कही जाएगी। यह स्थिति न केवल हमारी न्याय प्रणाली की कमज़ोरियों को उजागर करती है, बल्कि बल्कि करुणा और उत्तरदायित्व की भावना से नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा को सुनिश्चित किये जाने की आवश्यकता को भी रेखांकित करती है। यदि हमें सच्चे अर्थों में अदालतों को न्याय के मंदिर बनाना है, तो हमें ऐसी व्यवस्था बनाने की तरफ बढ़ना होगा जिसमें किसी निर्दोष को वर्षों जेल में नहीं रहना पड़े क्योंकि किसी को लंबे समय तक बंदी बनाए रखने के बाद रिहा कर देना, न्याय नहीं – न्यायतंत्र की गम्भीर विफलता है। इस दर्द को समझा जाना चाहिए और न्याय प्रक्रिया को संवेदनशील बनाया जाना चाहिए जिससे हर वह व्यक्ति न्याय पा सके जो वर्षों से केवल एक तारीख की उम्मीद में जी रहा है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

स्वच्छता में राजस्थान का परचम: नवाचार, निष्ठा और कुशल नेतृत्व की मिसाल बना

कुणाल वशिष्ठ

स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत राजस्थान ने स्वच्छता और शहरी प्रबंधन के क्षेत्र में देशभर में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राजस्थान सरकार द्वारा 233 नगरीय निकायों में 3 हजार 799 करोड़ की योजनाओं की क्रियान्विति की जा रही है, जिसमें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, शौचालय निर्माण, प्रयुक्त जल प्रबंधन, क्षमता संवर्धन और जन-जागरूकता जैसे विविध घटकों को शामिल किया गया है। राज्य में 219 करोड़ की लागत से अब तक 29961 व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों और 8068 सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण किया जा रहा है, जिससे राजस्थान के लाखों नागरिकों को स्वच्छ वातावरण के साथ-साथ सुविधाएँ प्राप्त हो रही हैं।

प्रयुक्त जल प्रबंधन के अंतर्गत एक लाख से कम जनसंख्या वाले 208 नगरीय निकायों में 1 हजार 785 करोड़ की लागत से कार्य प्रस्तावित हैं, जिनमें से 41 शहरों में कार्य आवंटित कर दिए गए हैं। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के अंतर्गत राज्य में 1372 करोड़ की लागत से 233 ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र, 7 निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र तथा 152 लाख घन मीटर लेगेसी वेस्ट के निस्तारण का कार्य किया जा रहा है। इनमें से 153 ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र, 5 निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र तथा 76 लाख घन मीटर लेगेसी वेस्ट का कार्य प्रगतिरत है, जबकि 2 निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र तथा 76 लाख घन मीटर से अधिक लिगेसी वेस्ट निस्तारण का कार्य सफलतापूर्वक किया जा चुका है। इसके साथ ही राज्य में 301 स्थाई मुख्यमंत्री सद्भावना केंद्र स्थापित कर नागरिक संवाद और जनसहभागिता को और अधिक मजबूत किया गया है।

कचरे से समृद्धि की ओर बढ़ता राजस्थान :- राज्य सरकार द्वारा राजस्थान के बहुमुखी विकास के लिए नवाचार को भी विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा के निर्देशन में सीकर नगर परिषद ने "शून्य अपशिष्ट, शून्य लागत" मॉडल के तहत प्रतिदिन 125 टन कचरे का निस्तारण कर स्थानीय किसानों को 2 प्रति किलोग्राम दर से उच्च गुणवत्ता की खाद उपलब्ध करवाई है। जोबनेर और बस्सी नगर निकायों में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को ऑन-साइट प्रशिक्षण देकर ठोस कचरा प्रबंधन में जोड़ा गया है, जिससे महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा मिला है। जयपुर के लांगडियावास स्थित वेस्ट टू एनर्जी प्लांट में प्रतिदिन 1000 टन कचरे का निस्तारण कर उससे 12 मेगा वाट विद्युत ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है, जो राज्य के सतत ऊर्जा प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में राजस्थान की चमकदार उपलब्धि : स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में राजस्थान ने राष्ट्रीय स्तर पर भी उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। डूंगरपुर शहर को सुपर स्वच्छता लीग पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जबकि जयपुर नगर निगम ग्रेटर को प्रोमिसिंग स्वच्छ शहर के रूप में पहचान मिली। राज्य के 12 शहर देश के प्रथम 100 स्वच्छ शहरों में शामिल हुए हैं और पहली बार तीन शहरों को वाटर प्लस श्रेणी में स्थान प्राप्त हुआ है। सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि राज्य के सभी 240 शहरों की रैंकिंग में पिछले वर्ष की तुलना में अप्रत्याशित सुधार दर्ज हुआ है।

स्थायी परिवर्तन की ओर : स्वच्छ ऊर्जा और हरित नवाचार की नई राह, राज्य सरकार ने स्वच्छ ऊर्जा को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम उठाया है। अब एक लाख परिवारों को निःशुल्क इंडक्शन कुकटॉप मिलेंगे, जिससे न सिर्फ धुएँ से मुक्ति मिलेगी, बल्कि रसोई में ऊर्जा की नयी क्रांति भी आएगी। ग्रामीण इलाकों में प्लास्टिक मुक्त भविष्य की ओर बढ़ते हुए ग्राम पंचायतों में 'बर्तन बैंक' की अनूठी पहल शुरू की जा रही है, जिससे सामाजिक आयोजनों में प्लास्टिक के स्थान पर पुनः उपयोग योग्य बर्तनों का प्रयोग हो सके। उल्लेखनीय है कि अब तक जयपुर सहित कुल 41 जिलों की 1000 ग्राम पंचायतों में इसकी शुरुआत हो चुकी है। इसी के साथ ही, वेस्ट टू वेल्थ पार्क और क्लीन एंड ठीन टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट सेंटर जैसे नवाचारों से राज्य में पर्यावरण संरक्षण को तकनीकी आयाम मिल रहा है, यह सिर्फ एक पहल नहीं, बल्कि हरित विकास की ओर निर्णायक यात्रा है। ये अभूतपूर्व निर्णय और उपलब्धियाँ इस बात का प्रमाण हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार ने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में न केवल बुनियादी सुविधाएँ सुदृढ़ की हैं, बल्कि नवाचार, सहभागिता और समावेशी विकास के माध्यम से एक स्थायी और स्वच्छ भविष्य की नींव रखी है। राजस्थान की यह यात्रा न केवल राज्य के लिए गौरव का विषय है, बल्कि पूरे देश के लिए एक प्रेरणास्पद उदाहरण भी प्रस्तुत करती है।

कुणाल वशिष्ठ,
जनसंपर्क अधिकारी,
स्वायत्त शासन विभाग।

राजस्थान में उच्च शिक्षा पर संकट : संविदा शिक्षकों की नई नीति और उसके गंभीर परिणाम

अशोक कुमार

राजस्थान सरकार द्वारा हाल ही में घोषित की गई नई नीति, जिसके अंतर्गत राज्य के 335 राजकीय महाविद्यालयों में सहायक आचार्यों की नियुक्ति पांच वर्षों के अनुबंध पर की जाएगी, न केवल शिक्षा व्यवस्था को प्रभावित करने वाली नीति है, बल्कि यह उच्च शिक्षा की मूल आत्मा और के मूल उद्देश्यों के भी प्रतिकूल है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने देशभर में उच्च शिक्षकों के लिए जो वेतनमान निर्धारित किए हैं, वे सामान्य सेवाओं से कहीं अधिक हैं और इसके पीछे एक स्पष्ट सोच रही है – देश के श्रेष्ठतम मस्तिष्कों को शिक्षा और अनुसंधान की दिशा में प्रेरित करना। क्योंकि जब शिक्षक सामाजिक, आर्थिक और कार्यस्थल की दृष्टि से सुरक्षित और सम्मानित महसूस करते हैं, तभी वे शिक्षण, शोध और नवाचार में अपनी ऊर्जा और समर्पण दे सकते हैं।

राजस्थान की नई नीति में शिक्षकों को केवल 28,000 रुपये मासिक वेतन पर नियुक्त किया जाएगा, जो कि द्वारा निर्धारित 57,700 रुपये न्यूनतम वेतन के लगभग आधे से भी कम है। यह स्थिति न केवल शिक्षकों की गरिमा के विरुद्ध है, बल्कि इससे युवाओं में उच्च शिक्षा को करियर विकल्प के रूप में चुनने की इच्छा भी क्षीण होगी। एक तरफ हम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर हम शिक्षकों को अस्थायी संविदा पर अल्प वेतन में कार्य करने के लिए बाध्य करते हैं, जो स्पष्ट रूप से दोहरी मानसिकता को दर्शाता है।

शिक्षा केवल नौकरी नहीं होती, वह समाज निर्माण का कार्य है। एक सहायक आचार्य जब कॉलेज में प्रवेश करता है, तो वह विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाता, बल्कि उन्हें जीवन के उच्च मूल्यों, शोध की संस्कृति और नवाचार की दिशा में भी मार्गदर्शन देता है। यदि उसका स्वयं का भविष्य अनिश्चित हो, तो वह अपने छात्रों को स्थायित्व और लक्ष्य की प्रेरणा कैसे दे पाएगा?

विद्या संबल योजना को समाप्त करने और गुजरात मॉडल के आधार पर संविदा शिक्षक नियुक्त करने का निर्णय यह दर्शाता है कि सरकार तात्कालिक वित्तीय प्रबंधन को दीर्घकालिक शिक्षा नीति पर वरीयता दे रही है। क्या शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में ऐसे प्रयोग किए जा सकते हैं जिनमें शिक्षकों की योग्यता, सुरक्षा और प्रेरणा के साथ समझौता हो?

राजकीय महाविद्यालय पहले ही शिक्षकों की भारी कमी से जूझ रहे हैं। शोध, नवाचार और शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार तभी संभव है जब योग्य शिक्षक स्थायित्व और सम्मान के साथ कार्य कर सकें। तीन वर्षों के अंतराल पर प्राचार्यों का कार्यकाल बढ़ाने की योजना भी केवल पद की निरंतरता को सुनिश्चित करती है, न कि संस्था की गुणवत्ता को। आवश्यक है कि पदस्थापन और सेवा विस्तार की कोई भी योजना केवल अनुभव नहीं बल्कि निष्पक्ष मूल्यांकन के आधार पर हो।

यह नीति केवल एक शॉर्टकट समाधान है, जो दीर्घकालिक समस्याओं को जन्म दे सकती है। उच्च शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और स्थायी बनाना होगा। शिक्षकों को राष्ट्रीय वेतनमान, सेवा सुरक्षा और शोध के लिए सुविधाएं प्रदान करनी होंगी। तभी हम एक ऐसा शिक्षण तंत्र विकसित कर सकते हैं जो भारत को वैश्विक ज्ञान-शक्ति बनाने की दिशा में अग्रसर हो सके। शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए शिक्षक की भूमिका केंद्रीय है। यदि हम शिक्षा को भविष्य का निवेश मानते हैं, तो हमें शिक्षकों को केवल संविदा कर्मी नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माता के रूप में देखना होगा।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय जयपुर

आलसर बास में पानी की टंकी की हालत खस्ता, ग्रामीण गंदा पानी पीने को मजबूर

राजलदेसर, (निसं)। राजलदेसर तहसील के निकटवर्ती गांव आलसर बास में करीब 400 से अधिक घरों में लोग निवास करते हैं। इसके अलावा सीनियर सेकंडरी विद्यालय भी है, जहां पर विद्यार्थी अध्ययन करते हैं। इनके लिये एकमात्र पीने के पानी की टंकी है।

- **टंकी ऊपर से पूरी तरह से टूट चुकी है, जिससे इस टंकी में कीड़े-मकोड़े, जीव-जंतु आदि देखने को मिल रहे हैं**
- **33 वर्ष पूर्व टंकी का निर्माण करवाया था, लेकिन गांव के अंदर एकमात्र टंकी होने के कारण उसकी भी हालत इतनी खराब है कि पूरी जर्जर हो चुकी है**

ग्रामवासियों ने बताया रतनगढ़ के पूर्व विधायक स्व. जयदेव प्रसाद इंदौरिया ने 33 वर्ष पूर्व टंकी का निर्माण करवाया था, लेकिन गांव के अंदर एकमात्र टंकी होने के कारण उसकी भी हालत इतनी खराब है कि पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है एवं ऊपर से पूरी तरह से टूट चुकी है, जिससे इस टंकी में कीड़े-मकोड़े, जीव-जंतु आदि देखने को मिल रहे हैं। इस एकमात्र पीने की पानी की टंकी से ग्रामवासियों को मजबूरन यह पानी पीना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि स्कूली बच्चों को भी इसी टंकी का पानी पिलाया जाता था।

गांव के लोगों ने बताया इससे पूर्व कांग्रेस व बीजेपी के जनप्रतिनिधियों को इस समस्या को लेकर कई बार अवगत करवा चुके हैं, लेकिन किसी ने इस समस्या की ओर ध्यान नहीं दिया। वर्तमान में बारिश का समय चल रहा है। यह टंकी विद्यालय के पास स्थित है। यहीं से बच्चे पढ़ने के लिए आते हैं, उनके लिए भी खतरा बना हुआ है। गांव के प्रमुख लोगों ने बताया कि अगर समय रहते हुए सरकार इस महत्वपूर्ण समस्या की ओर ध्यान नहीं देगी तो मजबूरन हमें आंदोलन करना पड़ेगा, क्योंकि सरकार बिजली-पानी पर फोकस देती है, लेकिन पीने के पानी की यह हालत है जो किसी से छुपी हुई नहीं है। इसके अलावा गांव के प्रमुख लोगों ने बताया कि चुनाव के समय राजनेता बड़े-बड़े वादे करके यहां से चले जाते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद यहां तक नहीं आते। गांव की दूसरी प्रमुख मांग है जो है आलसर बास से आलसर तक करीब पांच किलोमीटर सड़क है। उसकी हालत इतनी खराब है कि पैदल आदमी नहीं चल सकता। वाहनों की हालत तो इतनी खराब हो जाती है कि कभी-कभी बड़ा हादसा होते हुए बाल-बाल बच चुके हैं, क्योंकि इस मार्ग पर अधिकांश कृषि की जमीन है, जिससे किसान इस मार्ग से गुजरते रहते हैं, लेकिन बार-बार राजनेताओं को सड़क को लेकर अवगत कराने के बावजूद किसी तरह का ध्यान नहीं दिया जा रहा है। गांव के लोगों ने बताया कि अगर समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर राम मेघवाल, रामचन्द्र , हरिराम, अनूप सिंह, मोहनराम, जीवणराम, शंकर सुथार, दिनेश, रामदयाल, रामचंद्र स्वामी, शंकर नाथ सहित दर्जनों ग्रामवासी मौजूद रहे।

राजलदेसर तहसील के निकटवर्ती गांव आलसर बास में करीब 33 वर्ष पूर्व बनी पानी की टंकी जर्जर हो चुकी है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 23 जुलाई, 2025

सावन मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, आर्द्रा नक्षत्र सायं 5:54 तक, व्याघात योग दिन 12:34 तक, विष्टि करण दिन 3:34 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज भद्रा दिन 3:34 तक रहेगी। बुध अस्त पश्चिम में रात्रि 2:55 पर होगा। आज मास शिवरात्रि है। आज से राष्ट्रिय सावन मास आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:13 तक, शुभ 10:52 से 12:33 तक, चर 3:54 से 5:35 तक, लाभ 5:35 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:50, सूर्यास्त 7:16

मेष

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों भाई-बंधुओं के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

वृष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

मिथुन

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। वाणी पर संयम रखें।

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

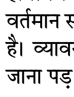

तुला

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

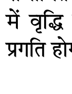

वृश्चिक

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा शुभ नहीं है।

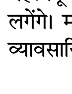

धनु

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

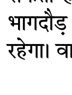

मकर

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

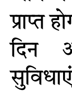

कुंभ

व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। कारोबारी अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

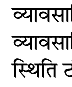

मीन

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

भाजपा सरकार के खिलाफ कांग्रेस का विरोध-प्रदर्शन व पैदल मार्च

बीकानेर देहात जिला अध्यक्ष बिशनाराम सियाग, शहर जिला अध्यक्ष यशपाल गहलोत के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

■ बीकानेर में कानून व्यवस्था बेपटरी होने तथा पेयजल बिजली और सड़क समस्याओं व स्मार्ट मीटर का विरोध

बीकानेर,(कासं)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार बीकानेर शहर देहात जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा राज्य की भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए पैदल मार्च कर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

संगठन महासचिव नितिन वत्सस ने बताया कि राज्य की भाजपा सरकार द्वारा अलोकतांत्रिक तरीके से निकाय चुनावों को टालने, जबरदस्ती स्मार्ट मीटर के नाम से आमजन के जेबों पर डाका डालने और पूरे राजस्थान में खासतौर से बीकानेर में जिस तरह कानून व्यवस्था लचर हुई है। अपराधी बेखौफ घूम रहे हैं। उसके खिलाफ आज विरोध प्रदर्शन किया गया और भाजपा सरकार को चेतावनी दी गई।

संगठन महासचिव प्रहलाद सिंह मार्शल ने बताया कि देहात जिला अध्यक्ष बिशनाराम सियाग, शहर जिला अध्यक्ष यशपाल गहलोत के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शन में बीकानेर और प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन में हिस्सा लिया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष यशपाल गहलोत ने इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार जिस तरीके से अलोकतांत्रिक व्यवहार कर रही है। संविधान की धज्जियां उड़ा रही है। उसके खिलाफ किसी भी तरह के विरोध प्रदर्शन से पीछे नहीं हटेगी कांग्रेस। पुरजोर तरीके से जनता के हितों की रक्षा करना कांग्रेस का कर्तव्य है उसको निभायेगी।

देहात जिला अध्यक्ष बिशनाराम सियाग ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जिस तरीके से आमजन के खिलाफ तानाशाही तरीके से जबरदस्ती स्मार्ट मीटर के नाम से लूट करना चाहती है। उसको बर्दाश्त नहीं किया जायेगा और जरूरत पड़ी तो सरकार के खिलाफ कड़ा विरोध प्रदर्शन किया जायेगा। राजस्थान प्रदेश उपाध्यक्ष अनूपगढ़ विधायक जिला कांग्रेस प्रभारी शिमला नायक ने कहा कि जब से भाजपा सरकार आई है तब से कानून व्यवस्था बेपटरी हो गई है। अपराधी खुलेआम बहन बेटियों को छेड़ रहे हैं, लूटपाट कर रहे है लेकिन भाजपा सरकार कुंभकर्ण की नींद सोई है। जैसे इनका अपराधियों के साथ कोई याराना हो।

वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री डॉ बी. डी. कल्ला ने कहा कि भाजपा सरकार युवाओं, महिलाओं और किसान विरोधी सरकार है। इनका सिर्फ एक ही ध्येय है किस तरीके से गरीबों को लुटा जाए और इसके लिए हर वो योजनाएं लागू कर रही है। जिससे गरीबों, मध्यमवर्गीय परिवारों के बचत को अपने खाते में डाला जाए। लेकिन कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी। पूर्व मंत्री गोविन्दराम मेघवाल ने कहा कि खनन माफियायों और भूमाफियाओं से घिरी ये सरकार सोचती है कि राजस्थान में वो जैसा चाबुक चलायेगी चल जायेगा। ये इसकी भूल है। जब कांग्रेस के सामने गौरे नहीं टिके तो चोरों की औकात ही क्या है।

जिला प्रमुख मोडाराम मेघवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी स्थानीय पंचायत राज संस्थाओं को भी कमजोर करने का कार्य कर रही है। जिसको बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। पूर्व मंत्री भंवर सिंह भाटी ने कहा कि पेयजल बिजली और सड़क आमजन का मौलिक अधिकार है लेकिन भाजपा राज में ये तीनों वस्तुएं जैसे आमजन के लिए है ही नहीं। बदहाल सड़कें और बेमियादी बिजली कटौती आमजन का जीवन दूभर कर दिया है। प्रदेश उपाध्यक्ष मंगलाराम गोदारा ने कहा कि भाजपा राज में गांव गरीब किसान की हालात बड़ी दयनीय हो गई है। उसमें भी बिजली का झटका इनकी कमर तोड़ रहा है जिसको बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। पूर्व मंत्री लक्ष्मण कड़वासरा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी भूल कर रही है कि वो जैसा चाहेगी वैसा राजस्थान में कर लेगी। गरीबों दलितों को कुचलकर उनका शोषण करेगी तो ये मुगालता छोड़ दें। लूणकरनसर प्रत्याशी डॉ. राजेंद्र मुंड ने कहा कि आने वाले समय में अगर जनविरोधी निर्णयों को वापस नहीं लिया गया तो भाजपा सरकार के खिलाफ गांव- गांव, ढाणी ढाणी विरोध प्रदेश किया जायेगा।

प्रवक्ता पूनमचंद भादू ने बताया कि इस विरोध प्रदर्शन सभा को प्रदेश महासचिव जिया उर रहमान आरिफ, गजेंद्र सिंह सांखला, मूलाराम भादू, सचिव साजिद सुलेमानी, डूंगरगढ़ नेता प्रतिपक्ष अंजू पारख, पीसीसी सदस्य मकसूद अहमद, हरिराम बाना, विक्रम स्वामी, भूमि विकास बैंक चेयरमैन रामनिवास गोदारा, पूर्व जिला प्रमुख सुशीला सिंवर आदि मौजूद थे।

आवारा सांडों की भिड़ंत में युवक घायल

श्रीगंगानगर,(कासं)। श्रीविजयनगर में दो सांडों की आपसी भिड़ंत के दौरान एक राहगीर युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा नगर के आरसीपी कॉलोनी गेट के पास प्रीत ब्यूटी पार्लर के नजदीक हुआ।

घायल युवक की पहचान शंकर के रूप में हुई है, जिसे अस्पताल ले जाया गया। जहां उसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। हादसे की पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जिसमें स्पष्ट तौर पर देखा जा सकता है कि किस तरह दो सांड आपस में भिड़ते हुए सड़क पर दौड़ रहे थे और उनकी चपेट में आने से युवक घायल हो गया।

माकपा नेता गुरसेवक ने बताया कि शहर में आवारा गोवंश की संख्या लगातार बढ़ रही है। कई स्थानों पर सांडों के झुंड खुलेआम सड़कों पर घूमते नजर आते हैं, जिससे आमजन को रोजमर्रा की आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर सुबह और शाम के समय स्कूल जाने वाले बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन को कई बार ज्ञापन सौंपकर और मौखिक रूप से शिकायतें दर्ज करवा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। नगर पालिका और स्थानीय प्रशासन की लापरवाही के चलते शहर में ऐसे हादसे आम हो गए हैं। लोगों में यह आक्रोश है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। क्षेत्रवासियों की मांग है कि निराश्रित गौवंश को पकड़कर सुरक्षित गौशालाओं में भेजा जाए।

सार-समाचार

उदयरामसर चारागाह में पौधारोपण

बीकानेर कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने उदयरामसर चारागाह में पौधारोपण किया।

बीकानेर, (कासं)। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने मंगलवार को उदयरामसर चारागाह में पौधारोपण किया। उन्होंने बड़ का पौधा लगाया और बताया कि इस चारागाह क्षेत्र में इस वर्ष दो हजार पौधे लगाये जायेंगे। इनमें से 1300 पौधे लगाए जा चुके हैं तथा सात सौ पौधे लगाए जा रहे हैं। जिला कलेक्टर ने बताया कि जिले मे हरियालो राजस्थान अभियान के तहत इस वर्ष 50 लाख पौधे लगाये जाने का लक्ष्य है। इसमें ग्रामीण विकास, पंचायती राज और मनरेगा के माध्यम से 7 लाख 28 हजार पौधे लगाये जायेंगे। उन्होंने कहा कि चरागाह में लगाये गए सभी पौधों की नियमित देखभाल की जाए। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी सोहन लाल ने शीशम का पौधा लगाया। उन्होंने बताया कि इस चारागाह क्षेत्र में पौधे लगाने का अभियान गत वर्ष शुरू हुआ। यहां पांच हजार पौधे लगाये जायेंगे। उन्होंने बताया कि यहां के प्रत्येक पौधे को बूंद-बूंद सिंचाई पद्धति से जोड़ा गया है। पानी के लिए ट्यूबवैल और तलाई बनाई गई है। वहीं एलोवेरा के दस हजार पौधों का रोपण यहां किया गया है। इस दौरान सहायक अभियंता मुकेश आहुजा, जेटीए रामनिवास और हेमंत यादव सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी और ग्रामीण मौजूद थे।

21 फीट की अष्टधातु गदा का पूजन

21 फीट की अष्टधातु निर्मित पवित्र गदा का बीकानेर वासियों ने दर्शन कर परिक्रमा की।

बीकानेर, (कासं)। कंचन सेवा संस्थान उदयपुर के तत्वावधान में हनुमानजी की 11 मुखी, 84 फीट की प्रतिमा हनुमंत धाम में निर्माणाधीन है। श्री हनुमान के हाथ में स्थापित होने वाली 21 फीट की अष्टधातु से निर्मित पवित्र गदा का सम्पूर्ण भारत में भ्रमण चल रहा है। रथ के सारथी राकेश वैष्णव व शंकर लाल धनगर ने बताया कि हनुमंत धाम के नाम से उदयपुर से आरम्भ हुई इस यात्रा ने अभी तक आधे राजस्थान की यात्रा पूर्ण करते हुए बीकानेर जिले में 9 तारीख को प्रवेश किया हैं तथा 25 जुलाई तक बीकानेर जिले में रहेगी। यात्रा का मूल उद्देश्य सभी सनातन बन्धुओं को पवित्र गदा के पूजा, दर्शन और परिक्रमा करवाना है। बीकानेर भम्रण के दौरान आज यह यात्रा श्रीसर्वसिद्धेश्वर महादेव मन्दिर, जयनारायण व्यास कॉलोनी तथा श्रीलालेश्वर महादेव मन्दिर के सम्मुख उपस्थित रही। नलिन सारवाल ने बताया कि व्यास कॉलोनी शिव मन्दिर में प्रन्यास से जुड़े साधकों तथा कॉलोवासियों ने गदा के दर्शन किये तथा पूजा की। विवेक मित्तल, मंजुलता शर्मा तथा अन्य भक्तों की शिवबाड़ी में मंत्रोचार के साथ गदा पूजा कर परिक्रमा लगाई तथा श्रीहनुमान चालीसा और श्रीहनुमानष्टक का पाठ कर जगत कल्याण की कामना की।

छात्रसंघ चुनाव की मांग

बीकानेर,(कासं)। कॉलेजों में नया सत्र शुरू हो गया है। छात्रसंघ चुनाव को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। छात्रसंघ चुनाव बहाली को लेकर विद्यार्थी आंदोलन की राह पर हैं। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने संभाग के सबसे बड़े डूंगर कॉलेज के आगे विरोध प्रदर्शन कर छात्रसंघ चुनाव की मांग को राज्य सरकार तक पहुंचाने का प्रयास किया। आक्रोशित छात्रों ने नेशनल हाईवे पर जाम लगा दिया। इस दौरान विद्यार्थियों ने न केवल सीएम की प्रतीकात्मक शव यात्रा निकाली। बल्कि एक छात्र ने मुंडन करवाकर अपना विरोध दर्ज करवाया। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने जयपुर रोड पर जाम लगा दिया। सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। सूचना पर जेएनवी पुलिस मौके पर पहुंची।

शंकर तेली ने 8 से 10 फोर व्हीलर चुराने की वारदातें कबूली

■ आस मोहम्मद के अलावा गिरोह में दिल्ली निवासी धर्मेन्द्र और उत्तराखंड निवासी इरफान की भी तलाश है

बीकानेर, (कासं)। पुलिस को इंटरस्टेट वाहन चोर गैंग के अभियुक्त शंकर तेली से करीब 10 फोर व्हीलर चुराने की वारदातों का पता चला है। मुख्य सरगना आस मोहम्मद के गिरफ्त में आने पर यह संख्या बढ़ेगी। मुख्य सरगना को बीकानेर और जयपुर दोनों जिलों की पुलिस तलाश रही है। जयपुर पुलिस शंकर को बीकानेर जेल से प्रॉडक्शन वारंट पर लेने बीकानेर आई है।

जयपुर निवासी शंकर तेली बीकानेर की बाहरी कॉलोनी में रहने वाली अपनी गर्लफ्रेंड से मिलने बीकानेर आया था। उसके साथ दो गाड़ियों में सवार होकर आये इंटर स्टेट शातिर चोर भी थे। गर्लफ्रेंड से मुलाकात के बाद वापस जाते समय इन चोरों ने 27 जून को शार्दुलगंज में पूर्व पार्षद मनोज बिश्नोई के घर के बाहर खड़ी उसके भतीजे राकेश बिश्नोई की थार गाड़ी उठा ली और फरार हो गए। सदर थाना पुलिस ने लगातार चोरी गई थार गाड़ी का पीछा किया और जयपुर से शंकर को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो इंटर स्टेट गिरोह सामने आ गया। शंकर को 5 दिन रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई और उसके बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

उसने बीकानेर, जयपुर, दिल्ली और उसके आसपास के क्षेत्रों से करीब 10 फोर व्हीलर चोरी करने की जानकारी दी। इंटर स्टेट गैंग ने जयपुर के प्रताप नगर पुलिस थाना क्षेत्र से भी फोर व्हीलर की चोरी की थी। वहां की पुलिस बीकानेर आई और शंकर को जेल से प्रॉडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई है। इंटर स्टेट गैंग का सरगना मेरठ निवासी आस मोहम्मद है।

अब बीकानेर और जयपुर दोनों जिलों की पुलिस उसे तलाश रही है। उसके गिरफ्त में आने के बाद फोर व्हीलर चोरी की अन्य वारदातें भी खुलेंगी। आस मोहम्मद के अलावा गिरोह में दिल्ली निवासी धर्मेन्द्र और उत्तराखंड निवासी इरफान की भी तलाश है। गौरतलब है कि आस मोहम्मद बीकानेर से चोरी थार गाड़ी नोएडा में छोड़कर फरार हो गया था। सदर थाना पुलिस गाड़ी बरामद कर बीकानेर ले आई है।

पिस्तौल की नोंक पर लूटपाट

श्रीगंगानगर, (कासं)। शहर की पूजा कॉलोनी में मंगलवार को उस समय हड़कम्प मच गया जब दो नकाबपोश हथियारबंद युवक एक घर में घुसकर महिलाओं से लूटपाट कर फरार हो गए। आरोपियों ने पिस्तौल की नोंक पर एक बुजुर्ग महिला के गले से सोने की चैन छीन ली और भागते समय गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बाइक सवार दो युवक चेहरे पर नकाब लगाये हुए कॉलोनी में एक घर में उस समय घुसे, जब घर में केवल महिलाएं मौजूद थी। अंदर जाते ही उन्होंने हथियार दिखाकर महिलाओं को डराया और लूट को अंजाम दिया। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस थानाधिकारी टीम सहित मौके पर पहुंचे। थानाधिकारी सुभाष कुमार ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और पीड़ित महिलाओं के बयान दर्ज किए। उन्होंने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए शहर में नाकाबंदी कर दी।

स्पा सेंटर पर छापा, 8 युवक -युवती हिरासत में

■ पकड़ी गई महिलाओं में एक चूरू, एक दिल्ली, दो गंगानगर की है

बीकानेर,(कासं)। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में संचालित स्पा सेंटर पर पुलिस ने छापेमारी की। यह छापेमारी जोशीवाड़ा के श्री मद् मार्केट स्थित एंजल टच स्पा पर की गई। जहां से पुलिस ने 4 युवतियों सहित 4 युवकों को हिरासत में लिया है।

सूत्रों के अनुसार लम्बे समय से इस स्पा सेंटर की गतिविधियों पर संदेह जताया जा रहा था। मिली शिकायतों के आधार पर सीओ सिटी श्रवणदास संत सहित कोतवाली थाना पुलिस ने यहां दबिश दी। छापेमारी के दौरान पुलिस को कई संदिग्ध गतिविधियों के प्रमाण भी मिले हैं। हिरासत में लिए गए युवकों और युवतियों से थाने में पूछताछ की जा रही है। वहीं स्पा संचालक के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस ने स्पा से कुछ आपत्तिजनक सामग्री भी जब्त की है। हालांकि अधिकारियों की ओर से अभी तक आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही मामले में आगे की कार्रवाई तय की जायेगी।

सीओ सिटी श्रवण दास संत ने बताया कि पकड़े गये युवक बीकानेर के है। जबकि पकड़ी गई महिलाओं में एक चूरू, दिल्ली, दो गंगानगर की है। जो यहां भुट्टों के बास में किराये के मकान में रहती है। महिलाओं के मोबाइल में भी हजार रूपये के ट्रांजेक्शन की बात सामने आई है। इतना ही नहीं महिलाओं को रूपये लेकर बाहर भेजने की जानकारी भी सामने आई है। सीओ सिटी श्रवण दास संत ने बताया कि पकड़े गये युवक विजय कुमार के मोबाइल से कई राज खुले है।

घग्घर नदी का पानी जैतसर के गांवों में पहुंचा

■ पानी के 11 जोईयावाली पहुंचने पर नदी में पूजा की गई

श्रीगंगानगर, (कासं)। जैतसर में घग्घर नदी का पानी 5 जीबी चेतक पुल को पार कर 11 जोईयावाली तक पहुंच गया है। नदी में पानी की गति धीमी है। इसके श्रीविजयनगर तक पहुंचने की आज संभावना कम है।

मंगलवार को पानी 22 जीबी पुल तक पहुंचा। हरियाणा की तरफ से घग्गर नदी में हनुमानगढ़ क्षेत्र में बीते रोज 3 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। पीछे से पानी कम होने के कारण प्रवाह धीमा हो गया। उसके बाद से पानी का उतार चढ़ाव लगातार जारी है। पानी जैतसर क्षेत्र में पहुंचने से किसानों के चेहरे पर खुशी की लहर है। पानी के 11 जोईयावाली पहुंचने पर समाजसेवी बुधराम गोदारा ने परंपरा के अनुसार नदी में खड़े होकर पूजा की। उन्होंने किसानों की समृद्धि के लिए प्रार्थना की। स्थानीय किसान मानते हैं कि घग्घर का पानी जीबी क्षेत्र के लिए लाभदायक होगा। धान की फसल को इससे फायदा मिलेगा। नाली बैड में मंगलवार को 260 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। घग्घर नियंत्रण कक्ष के अधिकारी सतर्क हैं। शनिवार और रविवार को अनूपगढ़ तहसीलदार श्रीवर्धन शर्मा और अन्य अधिकारियों ने रामसिंहपुर से बिंजोर तक नदी के बंधों का निरीक्षण किया।

खेत में खेजड़ी से लटका मिला शव

बीकानेर, (कासं)। जिले के कोलायत थाना क्षेत्र के खेत में एक बुजुर्ग ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया।

बुजुर्ग करीब एक सप्ताह से लापता था। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। बेटे की रिपोर्ट पर पुलिस ने मर्ग दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। श्रीगंगानगर के अनूपगढ़ निवासी छगनलाल ने पुलिस को रिपोर्ट दी है कि उसके पिता बालूराम कोलायत में खेती करते थे। एक खेत काश्त के लिए लिया था। 16 जुलाई को उसके पिता कहीं चले गए थे। कई दिनों से उनकी तलाश कर रहे थे। अब सूचना मिली है कि खेत के खेजड़ी के पेड़ से उनका शव लटका मिला है। पुलिस ने बताया कि संभवत घर से निकलने के बाद ही बालूराम ने पेड़ से लटककर सुसाइड कर लिया था।

सिल्ट हटाने खुदाई शुरू, सीवरेज ओवरफ्लो भी झेलेगा शहर

■ जब अप्रैल-मई और जून में जमीन की नमी तक सूख गई थी तब डिसिल्टंग का काम शुरू नहीं किया

बीकानेर, (कासं)। सीवरेज के नाम पर पूरे शहर को खोदकर छोड़ दिया। पैचवर्क के नाम पर लीपापोती। अगर किसी अधिकारी को लीपापोती का नमूना देखना हो तो बिश्नोई धर्मशाला के सामने खोदे गए गड्ढे का पैचवर्क देखे।

अम्बेडकर सर्किल से रानीबाजार पुलिया पर तो अब बात ही बंद हो गई। परेशानी सिर्फ इतनी ही नहीं है। नई परेशानी डिसिल्टिंग के नाम पर अब सीवरेज के चैम्बर के ऊपर सड़कें खोदी जानी शुरू हो गई हैं। वो भी भीतर से सीवरेज बंद करके। आवागमन संबंधी समस्या तो होगी, शहर में सीवरेज ओवरफ्लो भी इसी बरसात में झेलना होगा।

दरअसल जिस टक्नोक्राफ्ट कंपनी के पास सीवरेज का काम है। उसी के पास डिसिल्टंग का भी काम है। जब अप्रैल-मई और जून में जमीन की नमी तक सूख गई थी तब डिसिल्टंग का काम शुरू नहीं किया। अब जब मानसून की बारिश रोज हो रही है। इस मौसम में सीवरेज को नीचे से बंद करके आगे की सफाई का काम शुरू किया गया है। नतीजा जहां सीवरेज को ब्लॉक करते हैं उसके पीछे सीवरेज ओवरफ्लो होकर सड़कों पर पानी बहने लगता है। शुरूआत एमएन हॉस्पिटल से कीर्ति स्तंभ चौराहे के बीच की गई है। सिर्फ 150 मीटर सड़क के बीचों बीच 3 जगह सड़क खोद दी है। निकलने के लिए रास्ता नहीं बचा।

एक रात में एक से दूसरे चैम्बर के बीच ही डिसिल्टिंग हो पा रही है। बड़ी हैरानी की बात कि ये काम पूरे मानसून चलेगा। लोगों का सवाल ये है कि कंपनी को तो काम करना है। उसे इस शहर की चिंता नहीं होगी मगर अधिकारियों ने मानसून के बीच इसकी अनुमति कैसे दे दी।

एमडी सहित गिरफ्तार : जिले के नापासर थाना पुलिस की टीम ने एक जने को 11.25 ग्राम एमडी के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया युवक 27 वर्षीय शेरेरा निवासी रामपाल जाट है। शेरेरा गांव की ढाणी में मुखबिर की सूचना पर यह कार्रवाई की गई है।

आम सूचना

समस्त लोगो को सूचित किया जाता है कि रिखचंद पुत्र श्री मंगतूराम का स्वर्गवास दिनांक 22.12.2023 को हो चुका है, जिनके जायज वारीसान बालकिशन, श्रवण कुमार हाटीला, रामी देवी है। उपरोक्तवारिसान के अलावा अन्य कोई जायज वारीसान पाया जाता है तो सात दिनों के भीतर इस सूचना के प्रकाशन के दिन से लिखित में अधोहस्ताक्षरी से सम्पर्क करें। इसके उपरांत किसी भी प्रकार का कोई दावा मान्य नही होगा। मुबारक अली एडवोकेट राजस्थान हाईकोर्ट, जोधपुर, मो. 6375114321

पशुपालक सीखेंगे वैज्ञानिक विधियों से पशुपालन एवं उद्यमिता के गुर

वैज्ञानिक तरीकों से भेड़ एवं बकरी पालन के माध्यम से उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम को कुलगुरू डॉ अरूण कुमार ने संबोधित किया।

■ वैज्ञानिक तरीकों से भेड़ एवं बकरी पालन के माध्यम से उद्यमिता विकास प्रशिक्षण प्रारंभ

बीकानेर, (कासं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में वैज्ञानिक भेड़ बकरी पालन के माध्यम से उद्यमिता विकास पर सात दिवसीय प्रशिक्षण मंगलवार को डीएचआरडी सभागार में प्रारम्भ हुआ।

इस प्रशिक्षण में उत्तरप्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, कर्नाटक, गुजरात, दिल्ली और राजस्थान सहित सात राज्यों से 75 प्रगतिशील किसान हिस्सा ले रहे हैं। प्रशिक्षण में भेड़ बकरी पालन के वैज्ञानिक तरीके, पशु प्रबंधन और पोषण की विभिन्न विधियों के साथ-साथ उद्यमिता विकास से संबंधित विभिन्न जानकारी दी जायेगी। प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कुलगुरू डॉ अरूण कुमार ने कहा कि खेती के साथ पशुपालन कृषि को लाभकारी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

किसानों को वैज्ञानिक तरीकों से पशुओं के पोषण, प्रबंधन के साथ-साथ राज्य सरकार की योजनाओं, बैंकिंग सेक्टर के माध्यम से ऋण प्रकिया इत्यादि की विस्तार से जानकारी दी जाए। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में कार्य करने वाले प्रगतिशील पशुपालकों और किसानों के साथ विस्तृत संवाद आयोजित हो। किसानों और पशुपालकों की शंकाओं का हरसंभव समाधान किया जाए। उन्होंने किसानों को प्रशिक्षण से मिली जानकारी के नोट्स तैयार करने का आव्हान करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय खेती और पशुपालन के माध्यम से स्वरोजगार विकसित करने की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहा है। उन्होंने प्रोजेक्ट फार्मेशन, दवा रोग उपचार, पोषण, प्रबंधन सहित उद्यमिता के सम्पूर्ण आयामों से परिचित करवाने की बात कही। वित्त नियंत्रक पवन कस्वां ने कहा कि खेती और पशुपालन में वैज्ञानिक तरीकों का प्रयोग लाभप्रद साबित हो रहा है।

18 बसें जब्त, 43 के चालान काटे

बीकानेर, (कासं)। लोक परिवहन बसें नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए बिना टैक्स और परमिट के सड़कों पर दौड़ने पर प्रादेशिक परिवहन विभाग ने ऐसे बस संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 18 बसों को जब्त कर लिया है और 43 के चालान काटे। यह कार्रवाई आमजन की सुरक्षा और परिवहन अनुशासन बनाए रखने के मद्देनजर की गई है। परिवहन नियमों की लगातार अनदेखी के चलते विभाग ने जांच के बाद अब तक 18 बसों को जब्त कर लिया है, जिनमें से 17 बसें बिना टैक्स अदा किए दौड़ रही थीं। विभाग की ओर से बताया गया कि इनमे से 2 बसें बिना परमिट, 7 बसें परमिट शर्तों का उल्लंघन और 3 अन्य वाहन विभिन्न अनियमितताओं में शामिल पाये गए। फ्लाइंग स्क्वायड ने विशेष जांच अभियान चलाकर 15 लोक परिवहन वाहनों की जांच की। इस पूरी प्रक्रिया में 43 बसों के चालान भी काटे गए हैं। प्रादेशिक परिवहन अधिकारी अनिल पंड्या ने बताया कि लोक परिवहन बसों को लेकर विभाग द्वारा पिछले कई समय से निगरानी की जा रही थी।

कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक :- नियमन/ 2025/ 4246 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 21/7/2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि **श्री संजीव दीक्षित पुत्र श्री धनश्याम दास दीक्षित निवासी 50, गांधी नगर, गली नम्बर 02, श्रीगंगानगर** के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित भूखण्ड का न्यास रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में न्यास रिकॉर्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है :-

न्यास रिकॉर्ड के अनुसार भूखण्ड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखण्ड के नामान्तरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण
भूमि का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 3 एमएल मुरब्बा नं. 14 के किला नं. 16 में माप 25 इन्टू 45 फीट, भूखण्ड संख्या एफ-22, रिद्धि सिद्धि 2, श्रीगंगानगर	उक्त भूखण्ड का आवासीय पट्टा संख्या 9698 दिनांक 18.06.2019 को श्री नरेश शर्मा पुत्र श्री ओमप्रकाश के नाम से जारी किया हुआ है। वर्तमान में उक्त भूखण्ड इन्हीं के नाम से दर्ज है।	श्री संजीव दीक्षित पुत्र श्री धनश्याम दास दीक्षित द्वारा उक्त भूखण्ड को पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 08.12.2023 के द्वारा प्राप्त कर उक्त भूखण्ड के नामान्तरण बाबत न्यास में आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस सम्बन्ध में **श्री संजीव दीक्षित पुत्र श्री धनश्याम दास दीक्षित निवासी 50, गांधी नगर, गली नम्बर 02, श्रीगंगानगर** द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज के संबंध में कोई आपत्ति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति/ उजर/ दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास/ हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढ़ने के लिये कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जावेगा एवं कोई आपत्ति/ उजर स्वीकार नहीं होगा। आवेदन संख्या:- SGNR/FY25-26/MUT/466 - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक :- नियमन/ 2025/ 4253 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 22/7/2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि **श्री मीतांश पुत्र श्री हरी राम निवासी वार्ड नम्बर 01, गांव व पोस्ट ऑफिस 7 एलसी, तहसील विजयनगर, जिला श्रीगंगानगर** के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित भूखण्ड का न्यास रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में न्यास रिकॉर्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है :-

न्यास रिकॉर्ड के अनुसार भूखण्ड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखण्ड के नामान्तरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण
भूमि का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 6 जैड ए मुरब्बा नं. 33 के किला नं. 8 में उपविभाजित माप 40 इन्टू 35 फीट, भूखण्ड संख्या एन-13 पार्ट बी श्रीगंगानगर	उक्त भूखण्ड का आवासीय पट्टा संख्या 4163 दिनांक 25.11.2006 को श्री महेन्द्र सिंह पुत्र श्री गुरबक्श सिंह के नाम से जारी किया हुआ है। वर्तमान में उक्त भूखण्ड इन्हीं के नाम से दर्ज है।	श्री मीतांश पुत्र श्री हरी राम द्वारा उक्त भूखण्ड को पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 28.02.2025 के द्वारा प्राप्त कर उक्त भूखण्ड के नामान्तरण बाबत न्यास में आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस सम्बन्ध में **श्री मीतांश पुत्र श्री हरी राम निवासी वार्ड नम्बर 01, गांव व पोस्ट ऑफिस 7 एलसी, तहसील विजयनगर, जिला श्रीगंगानगर** द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज के संबंध में कोई आपत्ति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति/ उजर/ दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास/ हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढ़ने के लिये कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जावेगा एवं कोई आपत्ति/ उजर स्वीकार नहीं होगा। आवेदन संख्या:- SGNR/FY25-26/MUT/350 - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

कार्यालय ग्राम पंचायत, सोवा, पंचायत समिति नोखा

क्रमांक:-ई-निविदा/2025-2026/20-24 दिनांक:-18/7/2025

(ई-निविदासूचना01/2025-26)

ग्राम पंचायत सोवा के अन्तर्गत ग्राम पंचायत सोवा के लिए वित्तिय वर्ष 2025-2026 (निविदा प्रभावी होने की दिनांक से 31.03.2026 तक मनरेगा एवं ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग की समस्त योजनाओं में प्रयुक्त होने वाली समस्त निर्माण सामग्री की आवश्यकता सम्भावित हैं। विभिन्न सामग्री का विस्तृत विवरण विभागिय वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in & https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। उक्त सामग्री की आपूर्ति हेतु वाणिज्य कर विभाग से राजस्थान जीएसटी अधिनियम 2017 के अन्तर्गत 2017 के अन्तर्गत पंजीकृतफर्मों/संवेदकों से दर अनुबन्ध करने हेतु UBN NO. के अनुसार ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

UBN NO. 1.PCP2526GLDBOO112
2. PCP2526GLOBOO113

ग्राम पंचायत सोवा पं.सं.नोखा (बीकानेर) — ग्राम विकास अधिकारी पंचायत समिति नोखा(बीकानेर)

लूणी नदी में पानी की आवक शुरू होने से किसानों के चेहरों पर खुशी

किसान लोगों ने ढोल बजाकर लूणी नदी में पानी की आवक का स्वागत किया

गुड़ामालानी, (निसं)। गुड़ामालानी क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान साबित होने वाली मरू गंगा के नाम से विख्यात लूणी नदी में पानी की आवक शुरू होने पर किसानों के चेहरों पर खुशी देखी गई। किसान लोगों ने ढोल बजाकर लूणी नदी में पानी के आवक का स्वागत किया।

बालोतरा, सिणधरी, गुडामालानी सिवाना सहित क्षेत्र के किसान लोगों के लिए मरूं गंगा के नाम से लूणी नदी विख्यात है, क्योंकि लूणी नदी में पानी की आवक होने से किसानों को पानी के साथ हजारों रुपयों की बचत एवं साथ में फसल की पैदावार भी अच्छी होती है। ऐसे में क्षेत्र के हजारों किसान मरू गंगा का मान-सम्मान के साथ स्वागत करते हैं। लूणी नदी का पानी रतनपुरा नदी में पहुंचा और शाम तक गाधव तक पहुंच सकता है। नदी के पानी का तेज बहाव होने से नदी में दो तीन फीट पानी बह रहा है। किसानों ने बताया कि लगातार तीन बार लूणी नदी आई, जिससे जमीन में जलस्तर बढ़ना किसानों के लिए अच्छा है। जलस्तर बढ़ने से किसानों को अपनी फसलों के लिए यह लूणी का पानी उपयोग में लेते हैं। लूणी नदी में पानी पहुंचने की खबर ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को मिलने पर लोगों का जमावड़ा शुरू हो गया। रतनपुरा से लेकर गांधव तक ढाणियों में, खेतों में लोग मौजूद रहे। ऐसे में तेज बहाव एवं पानी की आवक को देखते हुए उपखंड अधिकारी केशव कुमार मीणा के द्वारा रतनपुरा पुल, अजा का फांटा पुल सहित बहावी क्षेत्र का निरीक्षण कर व्यवस्था देखने के साथ नदी के अंदर तथा खेतों में रहने वाले किसानों सहित आमजन को पानी के बहाव क्षेत्र से दूर रहने की हिदायत दी।

गुड़ामालानी क्षेत्र में ''मरू गंगा'' के नाम से विख्यात लूणी नदी में पानी की आवक शुरू हुई।

- गुड़ामालानी, सिवाना, बालोतरा, सिणधरी सहित क्षेत्र के किसान लोगों के लिए ''मरूं गंगा'' के नाम से लूणी नदी विख्यात है
- लूणी नदी में पानी की आवक होने से किसानों को पानी के साथ हजारों रुपयों की बचत एवं फसल की पैदावार भी अच्छी होती है

डीएलएड प्रथम वर्ष की परीक्षा 18 अगस्त से

बीकानेर, (निसं)। पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षाएं राजस्थान बीकानेर ने डीएलएड प्रथम वर्ष -2025 की मुख्य परीक्षा का टाइम टेबल घोषित कर दिया है। राज्य के 376 डीएलएड कॉलेजों में पढ़ने वाले 24500 अभ्यर्थियों की परीक्षाएं 18 अगस्त से शुरू होंगी। यह परीक्षाएं 29 अगस्त तक आयोजित की जाएंगी। पंजीयक नरेंद्र कुमार सोनी ने बताया कि अभ्यर्थी के अध्यनरत जिले में ही परीक्षा का केंद्र आवंटित किया जाएगा।

कार के कांच तोड़ लैपटॉप चुराये

उदयपुर, (निसं)। शहर के भूपालपुरा थाना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ कार के कांच तोड़कर दो लैपटॉप चुरा ले जाने का प्रकरण दर्ज किया है। पीड़ित कविश श्रीमाली पुत्र राकेश श्रीमाली ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि मैं व मेरा भाई हार्दिक दोनों 18 जुलाई रात में एवन स्कूल के सामने होटल वेस्टलेण्ड के पास कार खड़ी कर पिज्जा खाने गए। कुछ ही समय बाद लौटे तो पीछे का कांच टूटा हुआ एवं कार में रखे दो लैपटॉप मय बैग गायब थे। इसको देख इधर-उधर तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा।

जेवरात चोरी

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर के बाघपुरा थाना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ जेवर व सामान चुरा ले जाने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार हीरालाल पुत्र देवीलाल मासिंगपुरा वाघपुरा ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि अज्ञात चोर 21 जुलाई रात में मकान से सोने-चांदी के जेवर व घी तेल चुरा ले गए। इसका पता चलने पर पुलिस को जेवरात की सूची बाद में देने की सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया।

कार्यालय उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक (द्वितीय)
रणथम्भौर टाईगर रिजर्व करौली
Mail ID-dcfb.kroli.forest@rajasthan.gov.in Phone No. 07464-297007
क्रमांक-एफ( )स्टोर/उवसं (द्वितीय)/2025-26/ दिनांक-
Notice Inviting Bid
Bids for Construction of Naka/Choki Khoda Ka Nala Range Wildlife Mandrayal are invited from interested bidders upto 6.00 PM Date 25.07.2025. Other Particulars of the bid may be visited on the procument portal (https://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in) of the state website. The approximate value of the procurements is 18.47/-Lacs.
NIB CODE. FOR2526A0737, UBN CODE. FOR2526WSOB00932
(Hari Singh Hada)
Deputy Conservator of forest & Dy Field Director II
Ranthambhore Tiger Reserve Karauli
DIPR/C/10088/2025

नगर निगम जोधपुर-उत्तर
क्रमांकः- न.नि.जो.-उत्तर/2558 दिनांकः- 21.07.2025
:: ई-निविदा सूचना ::
(UB NO. DLB2526WSOB11967)
नगर निगम जोधपुर-उत्तर की ओर से Repairing and New Development work in Nagar Nigam Building Near Polytechnic college का कार्य हेतु ऑनलाईन ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित कार्यो की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्ते आदि http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.urban.rajasthan.gov.in/mcjn पर देखी जा सकती है।
आयुक्त
नगर निगम जोधपुर-उत्तर
राज.संवाद/सी/25/6605

कार्यालय अधीक्षण एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक
वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर, सलुम्बर
क्रमांक- एफ()/निविदा/PMKSY 2.0 /2025-26/374 दिनांक-15.07.2025
ई निविदा सूचना 12-13/2025-26
पीएमकेएसवाये 2.0 (एनआरएम) परियोजना क्षेत्र के अन्तर्गत झल्लारा, सलुम्बर (कुल 2 पैकेज) में जलग्रहण विकास कार्यो के लिए बीड, अनुमानित मूल्य 219.32 लाख रूपये दिनांक 25.07.2025 को सायं 5.00 बजे तक इच्छुक बोलीदाताओं से आमंत्रित की जाती है। बोलियों से सम्बन्धित विस्तृत विवरण राज्य सरकार के पोर्टल (https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in/) पर देखे जा सकते हैं।
यूबीएन संख्या- WSC2526WSOB00797, WSC2526WSOB00798
अतिरिक्त अभियंता एवं पदेनपरियोजना प्रबन्धक
वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर, सलुम्बर
DIPR/C/10099/2025

घर में घुसकर धारदार हथियार से युवक की हत्या

आरोपी ने खुद थाने पहुंचकर सरेंडर किया, पुरानी रंजिश को लेकर वारदात की

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के केसरीसिंहपुर में एक व्यक्ति की हत्या का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान सुखविंदर सिंह उर्फ मौर (40) के रूप में हुई है। घटना रात की है।

पुलिस को दी शिकायत में मृतक के भाई परमजीत सिंह ने बताया कि सुखविंदर सिंह पुलिस थाना केसरीसिंहपुर के पास रहता था। उन्होंने करीब 11 साल पहले उषा नाम की महिला से शादी की थी। उषा 10 साल तक उनके साथ रही और एक साल पहले किसी और के साथ चली गई। 22 जुलाई की सुबह करीब पांच बजे परमजीत सिंह को थाने से फोन आया कि उनके भाई की हत्या हो गई है। मौके पर पहुंचकर पता चला कि गांव के ही गोविंद सिंह पुत्र कुलवंत सिंह ने रात में घर में घुसकर धारदार हथियार से हमला कर दिया। मृतक के शरीर पर कई चोट के निशान मिले हैं। आंगन में खून के निशान भी मिले हैं। थाना प्रभारी बलवंत राम के नेतृत्व में पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस का मानना है कि हत्या किसी रंजिश के चलते की गई है। गांव के ही आरोपी गोविंद सिंह ने वारदात के बाद खुद थाने में जाकर सरेंडर कर दिया। पुलिस ने बताया कि दोनों के बीच एक महीने पहले किसी बात को लेकर झगड़ा होना सामने आया है। जिसमें मृतक ने आरोपी के साथ मारपीट की थी। इसी रंजिश में गोविंद ने यह वारदात की। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं।

- मृतक के शरीर पर कई चोटों के निशान व आंगन में खून के निशान मिले

स्वरूपसागर छलका, आयड़ नदी का बहाव तेज हुआ

मदार छोटा तालाब पर भी हल्की चादर चलना शुरू हुई

उदयपुर, (निसं)। स्वरूपसागर के चारों गेट चार-चार इंच खुले होने के बावजूद सीसारमा नदी से आवक बनी रहने से मंगलवार सुबह से स्वरूपसागर की पाल छलक गई और दरवाजों के दोनों छोर से चादर चलने लगी है।

सीसारमा नदी में मंगलवार को जलस्तर 4 फीट रहा। मदार छोटा तालाब पर हल्की चादर शुरू हो चुकी है और मदार बड़ा तालाब का गेज 24 फीट के मुकाबले 21 फीट हो चुका है। स्वरूपसागर के गेट खुले होने और चादर भी चलने से आयड़ नदी में पानी का बहाव तेज होकर उदयसागर में आवक बढ़ी है। उदयसागर का जलस्तर 24 फीट के मुकाबले 20 फीट हुआ है। इसके भी जल संसाधन विभाग कभी भी गेट खोल सकता है। आकोदडा बांध, मानसी वाकल बांध सहित कुछ जलाशयों में पानी की आवक बनी हुई है। मदार के दोनों तालाब से पानी की आवक तेज होने पर फतहसागर का झरना चल सकेगा। फतहसागर का जलस्तर 13 फीट के मुकाबले 10 फीट 4 इंच है। फिलहाल स्वरूपसागर लिंक नहर से फतहसागर में पानी की आवक बंद होने से फतहसागर का जलस्तर स्थिर हो चुका है। अब मदार के दोनों तालाब से या फिर बड़ी तालाब से पानी की आवक होने पर फतहसागर के जलस्तर में बढ़ोतरी हो सकेगी। मदार छोटा तालाब पर हल्की चादर शुरू हो चुकी है और मदार बड़ा तालाब तीन फीट खाली है।

जल संसाधन विभाग के अनुसार इस सीजन में उदयपुर शहर में अब तक कुल उदयपुर शहर में 219 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है। अलसीगढ़ में 363, गोगुंदा 501, झाडोल 424, कोटडा 382, मदार 193, नाई 259, उदयसागर में 334 और वल्लभनगर में 398 मिलीमीटर बारिश हुई है।

कार्यालय प्रमुख चिकित्सा अधिकारी एवं पदेन सचिव राजस्थान मेडीकेयर रिलीफ सोसायटी राजकीय जिला चिकित्सालय दौसा (राज.)
क्रमांक-स्टोर/ई-निविदा/2025/4065 दिनांक-13.07.2025
ई-बोली आमंत्रण सूचना 03/2025
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से राजकीय जिला चिकित्सालय दौसा द्वारा वित्तीय वर्ष 2025 के लिये निम्नलिखित सामग्री/सेवाओं के उपापन हेतु ईच्छुक निविदादाताओं, पंजीकृत आपूर्तिकर्ताओं एवं सेवाप्रदाता एजेन्सियों से ई-निविदाऐं आमंत्रित की जाती हैं-

क्र. सं.	उपापन की विषय वस्तु	राशि (लाखों में)	UBN NO.
1	मैन पावर : (हैल्पर, इलेक्ट्रिशियन, पलम्बर, ड्राईवर लिफ्टमैन, फायरमैन, धोबी, कुक, सहायक रेडियोग्राफर, ट्रोलीमैन, नैत्र सहायक इत्यादि)	98.00	MHS2526SLRC02691
2	कम्प्यूटर ऑपरेटर मय मशीन व बिना मशीन फार्मासिस्ट	95.00	MHS2526SLRC02690

विस्तृत जानकारी निविदा प्रपत्र एवं शर्ते निर्धारित तिथि व समय तक http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर प्राप्त किये जा सकती है।
प्रमुख चिकित्सा अधिकारी एवं पदेन सचिव
आर.एम.आर.एस. जिला चिकित्सालय दौसा (राज.)
DIPR/C/10028/2025

कार्यालय नगरपालिका पोकरण जिला जैसलमेर राजस्थान (345021)
क्रमांक/नपापो/25/2382 दिनांक :- 16.07.2025
-:: ई-निविदा सूचना ::-
नगरपालिका पोकरण की ओर से नगरपालिका पोकरण सक्षम श्रेणी एवं अन्य विभागों के संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्य हेतु ऑनलाईन द्वि-पक्रमी बोली अनुसार निविदाएं आमन्त्रित की जाती है जो निम्नलिखित दिनांक अनुसार डाउनलोड तथा खोली जायेगी। कार्य के लिए धरोहर राशि कार्य की अनुमानित लागत पर नगरपालिका पोकरण में सक्षम संवेदकों द्वारा 2 प्रतिशत का बैंक ड्राफ्ट/ बैकर चैक अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका पोकरण एवं टेण्डर प्रोसेसिंग शुल्क नियमानुसार/- रू0 M.D. RISL JAIPUR के नाम से देना होगा। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.in व http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
NIB NO- DLB2526A3658
UBN NO- DLB2526WSOB11653
अध्यक्ष नगरपालिका पोकरण
अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका पोकरण
राज.संवाद/सी/25/6597

लूट की वारदात करने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। जिले के बैकरिया थाना पुलिस ने मारपीट कर पीड़ित से बाइक लूट की वारदात करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पीड़ित विरमाराम निवासी देवरानमण सायरा ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। उसने बताया कि मैं बाइक पर लौहारचया से मेरे घर देवरानमण जा रहा था। जहां बीच रास्ते रोड़ पर तीन व्यक्ति खड़े थे। जिन्होंने बाइक को रोककर मेरे साथ मारपीट कर बाइक छीनकर फरार हो गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक राजेन्द्रसिंह के सुपरविजन में बैकरिया थाना अधिकारी उत्तमसिंह मय टीम ने मामले का खुलासा करते हुए आरोपी राकेश उर्फ काकसी पुत्र दुदाराम, नेताराम पुत्र रामाराम तथा पिन्टाराम पुत्र थावरा राम निवासी मालवा का चौरा बैकरिया को गिरफ्तार इनके कब्जे से छिनी गई बाइक बरामद की।

कुरकुरे दिलाने के बहाने दो साल की बच्ची से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

ब्यावर, (निसं)। दो साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जघन्य अपराध के फरार आरोपी नाथूराम (45) पुत्र छोगाराम गुर्जर दस्तयाब करने हेतु बनाई चार टीमों द्वारा किये गये प्रयास से आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी फरारी के दौरान खेतों, मन्दिरों, पहाड़ियों व अलग-अलग गांवों में छुपता रहा था।

जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला व वृताधिकारी वृत्त जैतारण के निकट सुपरविजन में थानाधिकारी पुलिस थाना रास धोलाराम उनि मय गठित पुलिस टीमों द्वारा दो साल की बालिका के साथ दुष्कर्म के फरार आरोपी को गिरफ्तार किया। अपराध की गम्भीरता को देखते हुए उच्चाधिकारियों द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण किया गया। आरोपी की गिरफ्तारी हेतु अलग-अलग चार पुलिस टीमों का गठन किया जाकर तलाश के दौरान परिवार व गामीणों से पूछताछ से ज्ञात हुआ कि आरोपी नाथूराम शातिर प्रवृति का है और घर पर अकेला ही रहता है। घटना के बाद आरोपी ने अपना मोबाइल बन्द कर दिया, ताकि पुलिस की पकड़ में नहीं आ पाये। सघन तलाशी अभियान चलाया गया, आम लोगों से हुलिये के आधार पर पूछताछ की गई तथा मुखबीरों से सूचनायें संकलित की गई। तलाशी अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने आरोपी को पुलिस थाना मसूदा के एक गांव से दस्तयाब किया जिससे पूछताछ जारी है।

जानकारी के अनुसार 16 जुलाई को पुलिस थाना रास पर एक रिपोर्ट प्राप्त हुई कि 13 जुलाई को नाथूराम ने एक दो साल की बच्ची को कुरकुरे दिलाने के बहाने साथ ले जाकर दुष्कर्म किया, जिस पर प्रकरण दर्ज किया जाकर अनुसंधान व आरोपी की तलाश शुरू की गई और आरोपी को गिरफ्तार किया।

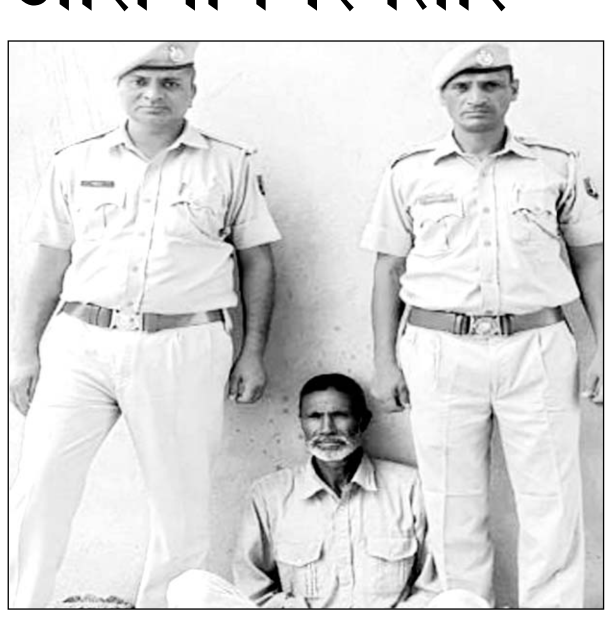
पुलिस ने आरोपी को मसूदा के एक गांव से दस्तयाब किया।

पहाड़ियों पर एक साथ तीन लेपर्ड दिखाई दिए

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के चमनपुरा मोहल्ले के पीछे की तरफ पहाड़ियों पर एक साथ तीन लेपर्ड दिखाई दिए। लेपर्ड दिखने के बाद से लोगों में दहशत का माहौल है, वहीं लोगों ने लेपर्ड के रेस्क्यू की मांग की है।

जानकारी के अनुसार शहर के चमनपुरा मोहल्ले के पीछे की तरफ पहाड़ियों में जंगल का इलाका है। लोगों का कहना है कि पहाड़ियों पर आए दिन लेपर्ड दिखते हैं, लेकिन सोमवार देर शाम के समय एक साथ तीन लेपर्ड दिखाई दिए। पहाड़ी की चोटी पर एक साथ तीनों लेपर्ड का मूवमेंट दिखा। लोगों ने अपने मोबाइल में भी इसे कैद किया। हालांकि ये लेपर्ड पहाड़ी से नीचे की तरफ नहीं आए। लोगों ने कहा कि लेपर्ड ने अब तक कभी किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाया है, लेकिन हमेशा किसी घटना का डर रहता है। खासकर बच्चे कई बार पहाड़ी की तरफ चले जाते हैं। कॉलोनी के लोगों ने लेपर्ड का रेस्क्यू कर राहत पहुंचाने की मांग की है। पिछले दिनों भी शहर के बांसडवाड़ा कॉलोनी के पीछे की तरफ पहाड़ियों पर एक लेपर्ड दिखाई दिया था।

- लोगों में दहशत का माहौल, लोगों ने लेपर्ड के रेस्क्यू की मांग की
- लेपर्ड के मूवमेंट को लोगों ने मोबाइल में कैद किया

Office of The BDO cum Program Officer (EGS)
Panchayat Samiti Sayla (Jalore)
No. 882 Date- 16.07.2025
Notice of Inviting Bid
Bid for Rate Contract of Construction Material Supply under MGNAREGA, Work tenders/Cleaning Work of various work as below are invited from interested bidders under various Gram Panchayats of Panchayat Samiti sayla. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://proc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.ni.in) of the state; and notice board of this office.

Name of Gram Panchayat	UBIN	Estimate Bid cost
हड्डी नीलामी ठेका पं.स. सायला	ZJR2526GSRC00646	03.50 Laks
Khetlawas (Work Tender)	ZJR2526GSRC00647	10.00 Laks
	ZJR2526GSRC00648	10.00 Laks
	ZJR2526GSRC00649	18.00 Laks
Khetlawas (Narega RC)	ZJR2526GSRC00650	60.00 Laks
Tikhi (Narega RC)	ZJR2526GSRC00651	50.00 Laks
Tikhi (Cleaning WorkRC)	ZJR2526GSRC00652	5.28 Laks
Elana (Re-Nrega RC)	ZJR2526GSRC00653	80.00 Laks
Jeewana (Narega RC)	ZJR2526GSRC00654	50.00 Laks
Taliyana (Narega RC)	ZJR2526GSRC00656	50.00 Laks

BDO Cum Program Officer (EGS)
Panchayat Samiti Sayla (Jalore)
DIPR/C/10156/2025

कार्यालय नगरपरिषद, राजसमन्द
जिला परिषद रोड़, राजनगर
टेलिफोन नं. 02952-220034, फेक्स नं. 02952-221233, ई-मेल rajsamandnagarpalika@gmail.com
क्रमांक : एफ( )नपरा/इंजी/ई निविदा/12/2025-26/3408 दिनांक :- 21.07.2025
ई-निविदा सूचना संख्या 12/2025-26
नगर परिषद राजसमन्द द्वारा विकास कार्यो हेतु समस्त विभागों में पंजीकृत संवेदकों, कम्पनी, संगठनों/संस्थानों से ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन तकनीकी व वित्तिय निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड़ की जा सकती है।

निविदा क्रार्यक्रम	तिथि व समय
कार्य की संख्या	4
कार्यो की अनुमानित लागत	151.95 लाख
निविदा अपलोड की तिथि	22.07.2025 06:00 PM
निविदा डाउनलोड प्रारम्भ तिथि	23.07.2025 09:00 AM
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	04.08.2025 06:00 PM
भौतिक रूप से दस्तावेज जमा करने की तिथि	05.08.2025 01:00 PM
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि	05.08.2025 04:00 PM
ऑनलाईन निविदा हेतु वेबसाईट	http://eproc.rajasthan.gov.in
दोष निवारण अवधी	नियमानुसार
UBN NO-	DLB2526WSOB11912, 11915, 11917 & 11919

राज.संवाद/सी/25/6590 सभापति आयुक्त

दवा खरीद के लिए जारी 9.50 करोड़ रुपए के टेंडर को लेकर सवाल खड़े हुये

पीबीएम अस्पताल में राज्य सरकार की योजनाओं के तहत 19 तरह की दवाएं खरीदने के लिए टेंडर जारी हुये हैं

बीकानेर, (निसं)। पीबीएम अस्पताल में राज्य सरकार की योजनाओं के तहत 19 तरह की दवाएं खरीदने के लिए जारी 9.50 करोड़ रुपए के टेंडर को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। इन दवाओं में दस तरह की दवाएं केवल कैंसर से संबंधित हैं, जबकि क्रय समिति में कैंसर का डॉक्टर ही शामिल नहीं है।

मुख्यमंत्री निरोगी राजस्थान, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य स्वास्थ्य बीमा योजना, आरजीएसएच के तहत विभिन्न विभागों में भर्ती होने वाले मरीजों के लिए 9.50 करोड़ की दवाएं खरीदने के लिए टेंडर किए गए हैं। ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से टेंडर 18 जुलाई को अपलोड किए गए थे। मेडिकल कॉलेज की साइट पर नजर आए तो पीबीएम के डॉक्टरों में खलबली मच गई। कुल 19 तरह की दवाओं के टेंडर एक साल के लिए किए गए हैं। इनमें दस महंगी दवाएं केवल कैंसर की हैं। इनमें से पांच ऐसी हैं, जिनका कभी कैंसर अस्पताल में उपयोग हुआ ही नहीं। यानी सरकारी आपूर्ति में भी यह दवाएं कभी नहीं मंगवाई गई। कैंसर विशेषज्ञों ने भी कभी उनकी मांग नहीं की।

विशेषज्ञों का कहना है कि जयपुर के स्टेट कैंसर सेंटर पर भी इन दवाओं का उपयोग नहीं हुआ है। इसके अलावा पांच ऐसी दवाओं को भी टेंडर में शामिल किया गया है, जिनकी सरकारी आपूर्ति है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इन दवाओं की खरीद के लिए कैंसर विभाग की ओर से कोई मांग जारी नहीं हुई। सेंट्रल ड्रग वेयर हाउस से एनएसी तक नहीं मांगी गई। बिड दस्तावेज पर अधीक्षक डॉ. सुरेंद्र कुमार के अलावा डॉ. सुभाष गौड़, डॉ. मनोज माली और वरिष्ठ लेखाधिकारी अभिषेक गोयल के हस्ताक्षर हैं। कैंसर के किसी विशेषज्ञ को इसमें शामिल करना जरूरी नहीं समझा गया। ऐसे में अचानक यह टेंडर जारी करने के कारणों को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। आशंका है कि किसी फर्म विशेष को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से यह टेंडर किए गए हैं।

पीबीएम में करीब 1400 तरह की दवाओं की खरीद के लिए पिछले साल 50 करोड़ के रेट कॉन्ट्रैक्ट कुछ कंपनियों से किए गए थे। यह अभी खत्म नहीं हुए हैं। इस टेंडर के चलते कुछ कंपनियों को 50 लाख रुपए से अधिक की दवाएं उपयोग में नहीं आने के कारण लौटाई जा चुकी हैं। नियमानुसार अवधि पार होने से छह महीने के भीतर यदि दवाओं का उपयोग नहीं किया जाता तो वापस फर्म को लौटानी पड़ती हैं। ऐसे में 9.50 करोड़ के टेंडर करना कितना जायज है, समझा जा सकता है।

हैरत की बात यह है कि यह टेंडर भी ऐसे समय किए हैं जब राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी पर 100 करोड़ की देनदारियां हैं। बाजार से दवाओं की खरीद नहीं हो पा रही। सरकारी आपूर्ति भी कम है। आए दिन आरएमएससीएल को पत्र लिखे जा रहे हैं।

डॉ. सुरेंद्र बेनीवाल, एचओडी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी ने बताया कि पीबीएम स्तर पर कैंसर की दवाएं खरीदने के टेंडर होते हैं, लेकिन तीन साल से हमारे विभाग से किसी भी डॉक्टर को समिति में शामिल नहीं किया जाता। यह सही है कि नए टेंडर में कुछ दवाएं ऐसी हैं जो उपयोग में नहीं आतीं। हमसे कोई मांग भी नहीं मांगी गई है।

डॉ. सुरेंद्र कुमार, अधीक्षक, पीबीएम अस्पताल बीकानेर का कहना है कि पिछले साल वाली रेट कान्ट्रैक्ट पूरी होने का समय आ गया है। दवाओं की जरूरत कभी भी पड़ सकती है, इसलिए आरसी की गई है। कैंसर विशेषज्ञ को शामिल क्यों नहीं किया, इसका पता लगाया जाएगा।

- दवाओं में दस तरह की दवाएं केवल कैंसर से संबंधित हैं, जबकि क्रय समिति में कैंसर का डॉक्टर ही शामिल नहीं है

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका)
जिला परियोजना प्रबंधन ईकाई एवं रिसोर्स सैल, चौपाल भवन, बडौदिया बस्ती, रेल्वे जंक्शन के पास, जयपुर, फोन नं.-0141-2209370
क्रमांक :- डीपीएमयू/लेखा/स्टोर/2025/240 दिनांक :- 18/07/2025
ई-निविदा प्रपत्र
डीपीएयमू राजीविका एवं रिसोर्स सैल, जयपुर के अन्तर्गत भोजन एवं केटरिग सेवाओं हेतु दर अनुबंध बाबत् पात्र निविदादाताओं से ऑनलाईन तकनीकी और वित्तीय निविदाऐं आमंत्रित करने हेतु आवश्यक विवरण निम्नानुसार है :-

Sr. No.	Scope of Work/Services	Estimated Value	Bid Security	Bid form Fee	e-Processing Fee	Last Date & Time for bid submission date	Date & Time for Opening of Technical Bids	Date & Time for Physical DD Deposit in DPMU Office	Validity of bids
1.	Food & Catering Services	60.00 Lacs	120000/-	1000/-	1000/-	06.08.25 12.00 noon	06.08.25 02.00 pm	06.08.2025 1.00 PM	90days from the date of submission of bids

ई-निविदा की निविदा प्रपत्र शुल्क 1000/- रूपये तथा बिड़ प्रतिभूति राशि 120000/-रूपये की डी.डी./बैकर्स चैक Rajasthan Ajivika Vikas parishad के पक्ष में तथा ई-प्रोसेसिंग शुल्क 1000/-रूपये का डी.डी. Managing Director, RISL के पक्ष में तैयार कर, संस्थान में मूल ही जमा करवाकर रसीद तथा डी.डी./चैक की Scanned Copies भी भरे हुए निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न किया जाना अनिवार्य है अन्यथा बिड़ स्वीकार्य नहीं होगी। ऑनलाईन ई-निविदा e-proc portal अपलोड़ किया जाएगा। निविदादाताओं द्वारा अपने ई-निविदा प्रपत्र के साथ समस्त दस्तावेजों को सील के साथ आत्म सत्यापन कर अपलोड़ किया जाएगा, साथ ही निविदा प्रपत्र मे विस्तृत विवरण www.eproc.rajasthan.gov.in अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in पर जाकर भी डाउनलोड़ की जा सकती है। UBN No. - RGA2526SLRC00114
जिला परियोजना प्रबंधक, राजीविका, जयपुर
राज.संवाद/सी/25/6630

'अधिकारी पेंडिंग फाइलों का जल्द निस्तारण कर आमजन को दे राहत'

आयुक्त ने निगम अधिकारियों को सड़कस्ट्रीट लाइट मरम्मत कार्य के लिए ठोस प्लान बनाने के निर्देश दिए

जयपुर। नगर निगम हेरिटेज आयुक्त डॉ निधि पटेल ने मंगलवार को निगम अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान आयुक्त निधि पटेल ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आमजन की समस्याओं का जल्द निस्तारण करें। इस दौरान निगम आयुक्त ने ऑनलाइन पोर्टल राजकाज पर पेंडिंग शिकायतों को लेकर प्रत्येक निगम अधिकारी से वन टू वन संवाद किया। उन्होंने सभी अधिकारियों को स्पष्ट कहा कि ऑनलाइन पेंडेंसी को बग्राया नहीं जाएं, अपितु नियत समय में ही समस्याओं का ठोस निस्तारण कर राहत प्रदान की जाएं।

जोन उपायुक्त अपनी टीम के साथ करें समीक्षा बैठक:-

इस दौरान निगम आयुक्त डॉ निधि पटेल ने कहा कि संपर्क पोर्टल या अन्य ऑनलाइन पोर्टल पर अधिकांश समस्याएं सीवर, सफाई व्यवस्था को लेकर ही आ रही है। ऐसे में हेरिटेज निगम के सभी जोन उपायुक्त अपने अधीनस्थ अधिकारी और कर्मचारियों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक करें और इन समस्याओं का निस्तारण भी कराएं। जिससे कि आमजन को परेशान नहीं होना पड़े। उन्होंने ये भी निर्देश दिए कि जिन जगहों पर सीवर या सफाई संबंधी समस्या ज्यादा आती हो, वहां पर निगम अधिकारी खुद मौके पर जाएं और आमजन से संवाद कर समस्या का निदान कराएं।

हेरिटेज निगम आयुक्त डॉ निधि (बीच में) ने समीक्षा बैठक ली।

- **उन्होंने ये भी निर्देश दिए कि जिन जगहों पर सीवर या सफाई संबंधी समस्या ज्यादा आती हो, वहां पर निगम अधिकारी खुद मौके पर जाएं और आमजन से संवाद कर समस्या का निदान कराएं**

सड़क, सीवर और अन्य निर्माण कार्य का करें ऑडिट, गुणवत्ता पूर्ण किया जाएं कार्य:-

वहीं परकोटे में हो रहे नए निर्माण कार्यों को लेकर हेरिटेज निगम आयुक्त डॉ निधि पटेल ने सभी अभियंताओं को निर्देश दिए कि वे अपने अपने जोन में सड़क, सीवर और स्ट्रीट लाइट जैसी समस्याओं के निस्तारण के लिए ठोस प्लान बनाएं और इन कार्यों की ऑडिट भी कराएं। जिससे निर्माण कार्य समय पर कम बजट में गुणवत्ता पूर्ण पूरा हों सकें। इस दौरान समीक्षा बैठक में सभी जोन उपायुक्त, शाखा प्रभारी और इंजीनियरिंग विंग के अधिकारी मौजूद रहे।

कैलाश मानसरोवर यात्रा कर जयपुर लौटे श्रद्धालु

जयपुर। पांच वर्षों के अंतराल के बाद गत 4 जुलाई को लिपुलेख मार्ग से प्रारंभ हुई कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए राजस्थान के श्रद्धालु 22 दिन बाद मंगलवार को सकुशल वापस जयपुर लौट आए। तीर्थयात्रियों का दल सोमवार रात दिल्ली पहुंचा, जहां गाजियाबाद स्थित कैलाश मानसरोवर सेंटर पर उनका स्वागत किया गया। इसके बाद सभी श्रद्धालु अपने-अपने गंतव्यों के लिए रवाना हो गए। राजस्थान से यात्रा में सम्मिलित हुए वरिष्ठ राजेश नागपाल, नरेंद्र बैद और वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी एस सेंगथिर भी इस दल का हिस्सा थे। मंगलवार शाम को चांदी की टकसाल स्थित काले हनुमान जी मंदिर में दर्शन किए। इसके बाद आराध्य देव गोविंद देव जी मंदिर में दर्शन किए। इस दौरान तीनों यात्रियों ने अपनी यात्रा का अनुभव साझा किया। जयपुर में परिजनों, श्रद्धालुओं एवं शुभचिंतकों ने सभी का माल्यार्पण कर आत्मीय स्वागत किया।

- **काले हनुमान-गोविंद देवजी के किए दर्शन**

यात्रियों ने बताया कि 21000 फीट से अधिक ऊंचाई पर स्थित कैलाश मानसरोवर की यह यात्रा शारीरिक एवं मानसिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण रही। यात्रा का सबसे कठिन हिस्सा डेरापुक से आरंभ हुआ, जहां 15000 फीट से चढक़र 19500 फीट तक जाना पड़ा।

संकरे और सीधी चढ़ाई वाले मार्ग में ऑक्सीजन की कमी का अनुभव हुआ। कई यात्रियों को ऑक्सीजन सपोर्ट भी देना पड़ा। मेडिकल टीम ने सभी यात्रियों की निरंतर देखभाल की। ऊंचे-ऊंचे हिमालयी पर्वतों के मध्य बहती नदियों के साथ तीर्थयात्रियों ने ओम नमः शिवाय का जप करते हुए कठिन मार्ग पार किया।

यात्रियों ने साझा किया कि यात्रा के दौरान अधिकांश समय मौसम बिल्कुल अनुकूल रहा। केवल एक दिन बारिश और तेज हवाएं चलीं। शेष पूरी यात्रा में मौसम साफ रहा। इसे उन्होंने भोलेनाथ की विशेष कृपा बताया। अंतिम पड़ाव में टकलाकोट पहुंचकर दल ने चीन सीमा से भारत में प्रवेश किया और उत्तराखंड के रास्ते दिल्ली पहुंचा। यात्रा के प्रत्येक पड़ाव पर श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन के साथ आनंदपूर्वक यात्रा की।

निजी सहायक संवर्ग महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष बने गिरीश जैन

जयपुर। रमन पारीक, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष द्वारा अपने स्वास्थ्य कारणों से महासंघ का प्रदेश अध्यक्ष का पद छोडने के पश्चात कैडर के संरक्षक विपिन गोयल द्वारा कैडर के सदस्यों/ कार्यकरिणी सदस्यों से प्राप्त राय उपरांत महासंघ के संविधान में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए गिरीश जैन ने राजस्थान निजी सहायक संवर्ग महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण किया। वर्तमान में जैन सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में वरिष्ठ निजी सचिव के पद पर कार्यरत हैं । इस अवसर पर महासंघ के पदाधिकारी एंव सदस्यों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष गिरीश जैन ने बताया महासंघ द्वारा 21 सितंबर को होने वाले आगामी आयोजन ''संगम-2025'' को विशाल स्वरूप में आयोजित करने एवं कैडर की लंबित मांगा को पूर्ण करवाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

महिला की चेन तोड भागे बाइक सवार बदमाश

जयपुर। मानसरोवर थाना इलाके में दिनदहाड़े एक बाइक सवार बदमाश ने स्कूटी से जाती महिला के गले से सोने की चेन और पैंडल तोड़ लिया। घटना थाने से महज कुछ दूरी पर हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच मे जुटी है।

मानसरोवर थाना पुलिस के अनुसार कि चेन स्नेचिंग की वारदात प्रेरणा जैन (35) निवासी मानसरोवर के साथ हुई है। जो सोमवार दोपहर अपनी छह वर्षीय बेटी को सेक्टर 5 स्थित प्राइवेट स्कूल से स्कूटी पर लेकर घर लौट रही थी। इस दौरान मानसरोवर के महिला थाना (साउथ) से पचास मीटर दूर पर पीछे से आए बाइक सवार एक बदमाश ने बाइक को स्कूटी के पास धीमा करते हुए उसके गले पर झपट्टा मारकर सोने की चेन तोड़ ली। इससे पहले महिला कुछ समझ बदमाश कुछ सेकेंड में ही आंखों से ओझल हो गया।

पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच मे जुटी है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाश की तलाश की जा रही है।

'मोदी सरकार के नेतृत्व में ऊर्जा क्षेत्र में राजस्थान में तेजी से हो रहा विकास'

जयपुर । ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान, गुजरात और पूर्वोत्तर क्षेत्रों में अपार संभावनाओं को देखते हुए केंद्र सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय सतत रूप से कार्य कर रहा है। मंत्रालय की ओर से चलाए जा रहे प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, पीएम कुसुम योजना, सूर्य मित्र योजना, वरुण मित्र योजना और जल ऊर्जा मित्र योजना के तहत ऊर्जा का उत्पादन बढ़ाने पर फोकस किया जा रहा है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत राजस्थान में जून 2025 तक 59979 लाभान्वित परिवारों से 252 मेगावाट, गुजरात में 526694 लाभान्वित परिवारों से 1443 मेगावाट और पूर्वोत्तर क्षेत्र में 26312 लाभान्वित परिवारों से 85 मेगावाट संयंत्र स्थापित किए जाने का समझौता हस्ताक्षिरत किया गया। राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री श्रीपाद येसो नाइक ने यह जानकारी सदन में दी। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से ऊर्जा संयंत्रों को स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता भी मुहैया करवाई जाती है। मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के मुताबिक राजस्थान, गुजरात और पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए पीएम सूर्य घर योजना के लिए 1032 करोड़ तथा पीएम कुसुम योजना के तहत 293 करोड़ की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। इसमें राजस्थान को दोनों योजना के तहत 257 करोड़ रूपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। केंद्र सरकार के प्रयास से 30 जून तक राजस्थान में 37818 मेगावाट क्षमता, गुजरात में 37494 मेगावाट और पूर्वोत्तर क्षेत्र में 5048 मेगावाट के नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए है। इसी तरह इन क्षेत्रों में 80361 मेगावाट क्षमता के संयंत्र स्थापित किए गए है।

- **पीएम सूर्य घर योजना में राजस्थान, गुजरात और पूर्वोत्तर क्षेत्र में 6 लाख 13 हजार लाभान्वित परिवारों से 1781 मेगावट क्षमता के हुए समझौते : मदन राठौड़**

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से ऊर्जा क्षेत्र में संचालित विभिन्न योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षण तक दिया जा रहा है। सूर्य मित्र योजना के तहत इन क्षेत्रों के 63713 व्यक्तियों को, वरुण मित्र योजना में 1276 और ऊर्जा मित्र कार्यक्रम में 601 व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया है।

कार्यशाला प्रतिभागियों की संयुक्त ध्रुवपद प्रस्तुति आज

जयपुर। जवाहर कला केन्द्र की ओर से आयोजित ध्रुवपद गायन प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन समारोह बुधवार 23 को आयोजित किया जाएगा। सायं 5 बजे सभी प्रतिभागी संयुक्त ध्रुवपद गायन की प्रस्तुति देंगे। 7 से जारी कार्यशाला में घरानेदारी के साथ कार्यशाला की विशेषज्ञ गुरू विदुषी प्रोफेसर डॉ मधु भट्ट तैलंग एवं उनके गुरू पद्म पंडित लक्ष्मण भट्ट तैलंग द्वारा सृजित रचनाओं के नवाचार ख़ास होंगे।

भूले-बिसरे नगमों की महफिल में सजी सुरों की शाम

जयपुर। पांचजन्य संगीत फाउंडेशन समिति के तत्वावधान में मानसरोवर के होटल रुद्र विलास के सभागार में कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर सालासर धाम से पधारें जय पुजारी ने किया कार्यक्रम में सूफी संगीत, गजल और पुराने नगमों की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। देश के सुप्रसिद्ध दिवंगत गायक रवीन्द्र जैन के शिष्य सुशील बावेजा (धनबाद)ने तुलसी अपने राम को रीझ भजो या खीज जैसे ही सुनाया माहौल राम मय हो गया और इंडियन आइडियल फेम अतुल राव ने जैसे ही मेहंदी हसन साहब की बहुत प्रसिद ग़ज़ल रंजिश ही सही दिल को दुखाने के लिए आ,पत्ता पत्ता बूटा बूटा हाल हमारा जाने है ऐसी कई ग़ज़लें सुनायी सुन कर सभी संगीत प्रेमी मंत्र मुग्ध हो गये (जयपुर) ने अपने मधुर स्वरों से श्रोताओं को पुराने दौर की संगीत यात्रा पर ले चलने का कार्य किया। सावन की भीगी भीगी रात में पुराने नगमों की स्वर लहरियों ने श्रोताओं को मंत्र मुग्ध करने के साथ ही संगीत के अनगिनत प्रेमियों से मिलवा दिया।

कार्यक्रम का संचालन सुप्रसिद्ध भजन गायक निशा शर्मा किया ! कार्यक्रम को और अधिक जीवंत बनाने के लिए वायलिन पर महावीर रावल, की-बोर्ड पर आकाश, गिटार पर रवि कुमार और तबले पर विनय राव ने संगत की।

गोविंद देव जी मंदिर में पार्थिव शिवलिंग पूजन के पोस्टर का विमोचन

जयपुर। हरियाली अमावस्या 24 जुलाई कनक घाटी स्थित गोविंद देव जी ठिकाने के काला महादेव मंदिर में पार्थिव शिवलिंग पूजन का आयोजन किया जाएगा।

- **कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रशांत शर्मा के आचार्यत्व में 21 वैदिक विद्वानों की टोली द्वारा किया जाएगा**

मंगलवार को गोविंद देव जी मंदिर में महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने आयोजन के पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर महंत रामरज दास त्यागी, डॉ. प्रशांत शर्मा, घाट के बालाजी सुदर्शनाचार्य, आचार्य आशुतोष महाराज, धर्मरक्षा समिति अध्यक्ष प्रमोद शर्मा, गढ़ गणेश मंदिर से गौरव मेहता,धर्म प्रचारक विजय शंकर पांडेय सहित अनेक विशिष्ट जन उपस्थित थे। आयोजन में 200 से अधिक जोड़ों ने पंजीकरण कराया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रशांत शर्मा के आचार्यत्व में 21 वैदिक विद्वानों की टोली द्वारा किया जाएगा। आयोजन की व्यवस्थाओं में 20 स्वयंसेवकों की टीम तैनात रहेगी। कार्यक्रम सुबह 8 बजे से प्रारंभ होकर दोपहर 12:30 बजे तक चलेगा। विभिन्न तीर्थों के जल और दुग्ध मिश्रित जल से महाभिषेक किया जाएगा। इस दौरान रुद्री पाठ होंगे। फूलों से मनोरम श्रृंगार कर सामूहिक आरती की जाएगी। काला महादेव को रामेश्वरम रूप में सजाया जाएगा।

महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने आयोजन के पोस्टर का विमोचन किया।

उल्लेखनीय है कि श्रावण मास की हरियाली अमावस्या पर पार्थिव शिवलिंग पूजन करने से पितृ दोष, कालसर्प दोष, व्यापार में वृद्धि, सुख-समृद्धि तथा मनोकामना पूर्ति जैसे अनेक लाभ प्राप्त होते हैं। आयोजन में पुरुषों को सफेद धोती-कुर्ता या कुर्ता-पायजामा तथा महिलाओं को लाल या पीली साड़ी पहन कर आनी होगी।

शराब की दुकान के विरोध में व्यापारियों ने धरना दिया

जयपुर। चांदपोल बाजार व्यापार मंडल के तत्वावधान में शराब की दुकान खोलने को लेकर स्थानीय लोगों ने एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन जाहिर किया। इस विरोध प्रदर्शन में सैकड़ों की संख्या में लोग एकत्रित हुए।

चांदपोल व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुभाष गोयल ने बताया की इस दुकान के आसपास सात मंदिर स्थित हैं, जिनमें तीन बालाजी के मंदिर, तीन शिव जी के मंदिर, एक सनी मंदिर है। जहां पर स्थानीय लोग दूर-दूर से भगवान की पूजा करने व शनि महाराज को तेल चढ़ाने आते है। उनका कहना है कि इस दुकान के खुलने से क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक भावनाओं को ठेस पहुंचेगी। उन्होंने सरकार से मांग की है कि इस दुकान को खोलने की अनुमति न दी जाए। सुभाष गोयल ने सरकार से अनुरोध किया है कि वह इस दुकान को खोलने की अनुमति न दे और क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक भावनाओं का सम्मान करे।महामंत्री घनश्याम भूतड़ा ने बताया कि इससे पूर्व भी इसी क्षेत्र में शराब की दुकान थी। जिसे बड़ी मुश्किलों से बंद कराया था। चांदपोल व्यापार मंडल गत 2 वर्ष से आबकारी विभाग ,कलेक्टर, और पुलिस प्रशासन को पत्र लिख चुका है की मंदिर के आसपास शराब की दुकानों का आवंटन नही करें। व्यापारी और स्थानीय निवासी अभी भी दुकान नंबर 145 के बाहर धरने पर बैठे हुए हैं और सरकार से मांग कर रहे हैं कि इस दुकान को खोलने की अनुमति न दी जाए।

- **चांदपोल बाजार में शराब की दुकान खोलने को लेकर स्थानीय लोगों ने एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन जाहिर किया**

विरोध प्रदर्शन में व्यापार मंडल के ये पदधिकारी हुए शामिल:-

इस विरोध प्रदर्शन में सुभाष गोयल, अध्यक्ष चांदपोल बाजार व्यापार मंडल एवं जयपुर व्यापार महासंघ ,सुरेश सैनी महामंत्री ,(जयपुर व्यापार महासंघ), अचल जैन, उपाध्यक्ष, कृष्ण अवतार अग्रवाल, उपाध्यक्ष घनश्याम भूतड़ा, महामंत्री राम किशन टेकरीवाल, कोषाध्यक्ष,चांदपोल बाजार व्यापार मंडल- समस्त कार्यकारिणी के सदस्यों सहित सैकड़ों स्थानीय लोग शामिल हुए।

मंदिर की दहलीज को प्रणाम कर दान पात्र चोरी कर ले गया बदमाश

जयपुर। हरमाडा थाना इलाके में एक मंदिर से दानपात्र चोरी का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि रात के अंधेरे में बदमाश मंदिर का गेट खोलकर अंदर घुसा। और फिर मंदिर की दहलीज को प्रणाम कर दान पात्र उठा चोरी कर ले गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

जांच अधिकारी एएसआई प्रमोद कुमार ने बताया कि थाना इलाके के गोविन्दपुरा निवासी गोविंद शरण जांगिड़ ने मामला दर्ज करवाया है कि गोविन्दपुरा में खाखीजी महाराज का मंदिर है। जहां चोरों ने चोरी की नीयत से मंदिर को निशाना बनाते हुए मंदिर का गेट खोलकर बदमाश अंदर घुसे। मंदिर में रखे दानपात्र को चोरी कर ले गए। मंदिर पूजा करने आने पर दान पत्र गायब मिला। वहीं मंदिर में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालने पर चोर की करतूत कैद मिली। जहां मंदिर में एक बदमाश अंदर आया। गेट खोलकर अंदर घुसे बदमाश मंदिर में रखा दानपात्र उठाकर चोरी कर ले गया। मंदिर में चोरी की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। चोरी गए दानपात्र में हजारों रुपए थे। पुलिस फुटेज में कैद हुए चोर की तलाश कर रही है।

विवाहिता ने फांसी का फंदा लगाकर की आत्महत्या

जयपुर। वैशाली नगर थाना में एक विवाहिता ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि विवाहिता तीन साल पहले उसने लव-मैरिज की थी। मृतका के परिवार की ओर से थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

सहायक पुलिस आयुक्त वैशाली नगर आलोक गौतम ने बताया कि बहरोड़ के कोटपूतली की रहने वाली भारती कंवर (25) ने फांसी का फंदा लगा कर आत्महत्या की है। तीन साल पहले भारती ने गांव के ही रहने वाले आकाश सिंह के साथ भागकर लव-मैरिज की थी। शादी के बाद से वैशाली नगर स्थित कोस्मो कॉलोनी में वह अपने पति आकाश के साथ रह रही थी। आकाश और भारती दोनों एक प्राइवेट बैंक में नौकरी करने लगे। गत दिनों पहले पति के सोने के बाद कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। आकाश ने जागने पर भारती को ढूंढा तो दूसरा कमरा अंदर से बंद मिला। काफी गेट खटखटाने के बाद भी कोई जबाव नहीं मिला। पड़ोसियों की मदद से धक्का देकर गेट खोलने पर कमरे में भारती फंदे से लटकी मिली।

- **विवाहिता तीन साल पहले उसने लव-मैरिज की थी,मृतका के परिवार की ओर से थाने में मामला दर्ज करवाया है**

आत्महत्या की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सबूत जुटाने के बाद फंदे से शव को नीचे उतारा। पुलिस ने शव को कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनां को सौंप दिया। इधर मृतक भारती की मां राजबाला ने दामाद आकाश सिंह के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज करवाते हुए आरोप लगाया है कि आकाश सिंह नशे का आदी था। आए दिन वह भारती से मारपीट भी करता था। नशे में घर आकर आकाश के मारपीट और रुपये की मांग के बारे में भारती ने कई बार फोन कर बताया था। मृतका आत्महत्या ने से पहले भारती ने इमोशन स्टोरी इंस्टाग्राम पर लगाई थी।अगले दिन सुबह भारती की मौत की सूचना मिली थी। पुलिस ने दहेज हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हैरिटेज सिटी कॉन्ट्रेक्टर्स सोसायटी ने ग्रेटर निगम कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन

- कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर जयपुर की उद्यान शाखा में हाल ही में हुए ''वन टाइम प्लांटेशन'' से संबंधित टेंडरों में अनियमितताओं की शिकायत मंगलवार को ग्रेटर निगम कमिश्नर डॉ. गौरव सैनी के पास पहुंची।

हैरिटेज सिटी कॉन्ट्रेक्टर्स सोसायटी ने आयुक्त को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि, ग्रेटर निगम में 30 लाख रुपए से कम के टेंडरों में राजस्थान पारदर्शिता और सार्वजनिक खरीद अधिनियम (आरटीपीपी एक्ट) के नियमों के विपरीत मनमानी शर्तें जोड़ी गईं, जिनका उद्देश्य किसी विशेष व्यक्ति या फर्म को अनुचित लाभ पहुँचाना प्रतीत होता है।

यूनियन अध्यक्ष रघुवीर शर्मा ने बताया कि, आरटीपीपी एक्ट में ''डी'' श्रेणी के ठेकेदारों के लिए कोई अनुभव की शर्त नहीं लगाई जा सकती। परंतु 30 लाख रुपए से कम राशि के ''वन टाइम प्लांटेशन'' और ट्री गार्ड खरीद के टैंडर में उद्यान शाखा ने अनुभव की शर्त जोड़ दी। इस कारण डी श्रेणी के ठेकेदार इन टेंडर्स से बाहर होते दिख रहे है।

यूनियन अध्यक्ष रघुवीर शर्मा ने आयुक्त गौरव सैनी को ज्ञापन सौंपा ।

उन्होंने बताया कि हाल ही में हेरिटेज नगर निगम ने भी टेंडर जारी किए हैं, परंतु वहां 30 लाख रुपए तक कोई शर्त नहीं लगाई गई। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने भी पूरी पारदर्शिता रखी। इससे ग्रेटर निगम की छवि पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है।

रघुवीर शर्मा ने कहा कि पूर्व में भी 16 जुलाई को इस संदर्भ में ज्ञापन दिया गया था, परंतु आज दिनांक तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

हैरिटेज सिटी कॉन्ट्रेक्टर्स सोसायटी की ओर से कहा गया कि, ग्रेटर निगम के सभी जोन में एक तरफ तो 5 से 11 प्रतिशत तक कम दर पर कार्यादेश दिए जा रहे है, परंतु अगर किसी टेंडर में 10 से 11 प्रतिशत कम दर प्राप्त हो रही है तो अधीक्षण अभियंता और वित्तीय सलाहकार द्वारा ''री - टैंडर'' अथवा ''नेगोसिएशन'' की टिप्पणी करके फाइलें लौटाई जा रहा है। ऐसे में यहां अधिकारी अपनी मनमानी कर रहे है।

- **यूनियन अध्यक्ष रघुवीर शर्मा ने आयुक्त को शिकायत में बताया कि, उद्यान शाखा ने आरटीपीपी एक्ट के विपरीत मनमानी शर्तें जोड़ी, इससे फर्म विशेष को फायदा पहुंचाने की संभावना**
- **30 लाख से कम के टैंडर में जेडीए और हैरिटेज निगम में शर्तें नहीं, फिर ग्रेटर निगम में क्यों?**

तमाम शिकायतें सुनने के बाद आयुक्त गौरव सैनी ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए इसकी जांच करवाने का आश्वासन दिया है।

शादी का झांसा देकर तीन साल तक एक युवती से देह शोषण

जयपुर। रामगंज थाना इलाके में शादी का झांसा देकर युवक ने तीन साल तक एक युवती से देह शोषण करने का मामला सामने आया है।

इस संबंध में पीडिता ने आरोपित युवक के खिलाफ थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

पुलिस ने बताया कि राजा पार्क की रहने वाली युवती ने मामला दर्ज करवाया है कि कुछ साल पहले उसकी मुलाकात आरोपित से हुई थी। बातचीत के दौरान आरोपित ने उससे दोस्ती कर ली। मिलने-जुलने के दौरान आरोपित ने उसके सामने शादी करने का झांसा दिया। पीड़िता का आरोप है कि जुलाई-2022 में मिलने के बहाने उसे अपने यहां बुलाया। मिलने जाने पर आरोपी ने उसके साथ जबरदस्ती की। विरोध करने पर शादी करने का वादा किया। शादी करने का झांसा देकर उसका देह शोषण करने लगा। पिछले करीब तीन साल तक आरोपी ने उसके साथ शादी का झांसा देकर देह शोषण किया। जून-2025 में शादी करने का दबाव बनाने पर आरोपित ने मना कर दिया। इसके बाद पीड़िता थाने पहुंची।

अति पिछड़ा वर्ग एवं गुर्जर समाज की विभिन्न मांगों पर चर्चा की

जयपुर । शासन सचिवालय में मंगलवार को अति पिछड़ा वर्ग एवं गुर्जर समाज की विभिन्न मांगों पर चर्चा के लिए मंत्रीगण समिति की द्वितीय बैठक आयोजित की गयी। बैठक में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत तथा गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने भाग लिया।

- **बैठक में देवनारायण योजना की प्रगति, भर्तियों में आरक्षण, आन्दोलन प्रभावितों को अनुकम्पा नियुक्ति, 5 प्रतिशत अति पिछड़ा आरक्षण को नवीं अनुसूची में शामिल कराने सहित समस्त बिन्दुओं की समीक्षा की**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों पर बनी समिति की बैठक में देवनारायण योजना की प्रगति, रोस्टर एवं विभिन्न भर्तियों में आरक्षण, आन्दोलन प्रभावितों को अनुकम्पा नियुक्ति, 5 प्रतिशत अति पिछड़ा आरक्षण को नवीं अनुसूची में शामिल कराने सहित समस्त बिन्दुओं की समीक्षा की गयी। समिति ने कार्मिक विभाग को सकारात्मक रूप से विभिन्न प्रकरणों का निस्तारण करने के पर विचार किया गया। साथ ही गुर्जर आरक्षण समिति द्वारा पिछली बैठक में सुझाएं सातों बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। आगामी बैठक में सभी बिंदुओं के फैक्चुअल रिपोर्ट मंगवाने और उन पर चर्चा करने निर्देश दिए।

बैठक में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत तथा गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने भाग लिया।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग अपर्णा अरोरा, अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह विभाग भास्कर ए. सावंत, प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा गायत्री ए. राठौड, शासन सचिव, कार्मिक विभाग डॉ. कृष्णा कान्त पाठक, शासन सचिव, स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल, निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग आशीष मोदी सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

गोखरी गांव की जर्जर सड़क ग्रामवासियों के लिये जानलेवा बनी

सड़क के किनारे अत्यधिक मिट्टी कटाव के कारण बड़े-बड़े गड्ढे बने, जिससे कई हादसे हो चुके हैं

मलसीसर, (निसं)। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बनी गोखरी गांव की सड़क इन दिनों ग्रामवासियों के लिए जानलेवा बन चुकी है। सड़क के किनारे अत्यधिक मिट्टी कटाव के कारण बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिससे अब तक कई हादसे हो चुके हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्होंने कई बार संबंधित विभाग को इसकी जानकारी दी और शिकायतें भी दर्ज करवाई, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकाला गया है।

कुछ समय पूर्व विभाग द्वारा एक छोटे हिस्से में सेफ्टी दीवार बनाई गई थी, जो हाल ही में हुई बारिश में बह गई। ग्रामवासियों ने मांग की है कि इस सड़क का निर्माण कार्य फिर से करवाया जाए और मिट्टी के टिल्लें को समतल करते हुए स्थायी सुरक्षा व्यवस्था की जाए, जिससे किसी भी प्रकार की दुर्घटना न हो। ग्रामवासीयों का कहना है कि इस सड़क से प्रतिदिन

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बनी गोखरी गांव की सड़क पर कई जगह गड्ढे हो चुके हैं।

दर्जनों मोटरगाड़ियां और दोपहिया वाहन गुजरते हैं और गड्ढों की वजह से गाड़ियों के गिरने का लगातार खतरा बना रहता है। अब ग्रामवासियों की एकमात्र उम्मीद शासन-प्रशासन से है कि वे इस गंभीर समस्या पर संज्ञान लें

- कई बार संबंधित विभाग को जानकारी दी और शिकायतें भी दर्ज करवाई, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकाला
- हाल ही में हुई बारिश में छोटे हिस्से में बनाई गई सेफ्टी दीवार भी बह गई

और त्वरित समाधान की दिशा में कदम उठाएं। ग्रामवासीयों का कहना है कि अगर प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठाता है तो इसके लिए विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

जोधपुर से हैदराबाद तक शुरू की गई नई ट्रेन का स्वागत

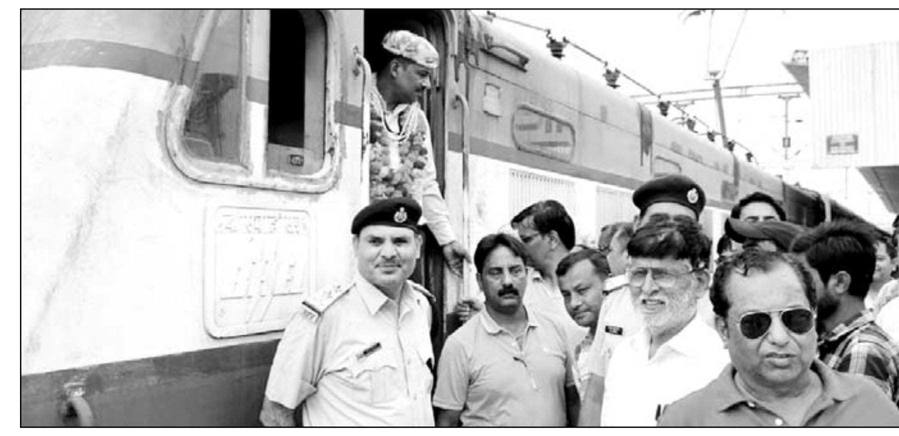

ब्यावर में लोको पायलट, सहायक पायलट व गार्ड और अन्य कर्मचारियों का अभिनंदन किया।

ब्यावर, (निसं)। जोधपुर से हैदराबाद तक शुरू की गई रेलवे प्रशासन द्वारा नई ट्रेन का ब्यावर जिला व्यापार संघ द्वारा भव्य स्वागत और अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर लोको पायलट, सहायक पायलट व गार्ड और अन्य कर्मचारियों का माला, साफा एवं शॉल पहनाकर और मिठाई खिलाकर अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर ब्यावर जिला व्यापार संघ के पदाधिकारी द्वारा ज्ञापित किया गया कि प्रशासन ब्यावर की महत्ता को देखते हुए अब नई ट्रेनों का ठहराव शुरू कर रहा है। व्यापार संघ द्वारा इस शुरू की गई ट्रेन से न सिर्फ दक्षिण में जाने वाले यात्रियों को इसका फायदा मिलेगा, वरन धार्मिक नगरी उज्जैन व सीहोर जाने वाले यात्रियों को भी इसका लाभ मिलेगा। यह पहली ट्रेन होगी जो यहां ब्यावर से सीधी उज्जैन तक जाएगी। इस अवसर पर ब्यावर जिला व्यापार संघ के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जिला अध्यक्ष संजय घीया, उपाध्यक्ष नवल सोमानी, दिनेश सावलानी, प्रदीप बोहरा, राजेश गिदवानी, महासचिव विजय कुमार लौंगानी, कपिल भारती, सह कोषाध्यक्ष शैलेंद्र कुमावत, अनुशासन सचिव शंकर प्रजापत, सचिव विनोद फुलवारी, प्रकाश कुंदनानी, मीडिया प्रभारी गौरव सक्सेना, सह सचिव राजेश भूतड़ा ,वासुदेव खत्री ,कपिल तेजवानी, किशोर साहू, श्रेयांश बोहरा, सदस्य मुकेश बोहरा, सहीराम मीणा, तेजपाल सिंह, नरेंद्र काठात सहित बड़ी संख्या में नागरिक व अन्य व्यापारी मौजूद रहे।

कार से 266 किलो डोडा-चूरा बरामद, तस्कर फरार

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा जिले की मांडलगढ़ थाना पुलिस ने लाडपुरा गांव के पास नेशनल हाइवे सड़क पर दिन के उजाले में बेख़ौफ़ ले जाई जा रही में अफ़ीम डोडा-चूरा की बड़ी खेप

- इको कार को पुलिस ने जब्त कर मामला दर्ज किया

को पकड़ा है।

मांडलगढ़ थानाधिकारी ने बताया कि चित्तौड़गढ़ से बिजौलियां की ओर जा रही एक संदिग्ध इको कार को पुलिस ने रुकने का इशारा किया, लेकिन तस्कर चालक कार को भगाकर ले जाने लगा। पुलिस ने पीछा कर कार को पकड़ लिया, लेकिन मौका पाकर तस्कर फरार हो गया। कार की तलाशी में लहसून के सील बन्द 17 कर्टन में भरा 266 किलो डोडा-चूरा बरामद किया है।

मांडलगढ़ थाना पुलिस ने डोडा-चूरा व कार जब्त की।

पुलिस ने तस्कर की कार और डोडा-चूरा को जब्त कर एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया है। वहीं पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में मौक़े से तस्कर के फरार होने पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

सड़क पर युवक की खून से सनी लाश मिली

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के गंगापुर थाना क्षेत्र में डेलाणा-काली मंगरी रोड पर युवक की खूनसनी लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फेल गई।

गंगापुर थाना थाना पुलिस के अनुसार डेलाणा से कालीमंगरी गांव की ओर जाने वाली रोड पर मंगलवार सुबह एक युवक की खूनसनी लाश व उसके पास बाइक पड़ी देखकर राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान कालीमंगरी का खेड़ा निवासी दशरथ सिंह (21)

- युवक सुबह आठ-नौ बजे खाना खाने डेलाणा जाने की कहकर निकला था

पुत्र केसर सिंह राजपूत के रूप में की। शव को पोस्टमार्टम के लिए गंगापुर अस्पताल भिजवा दिया गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि दशरथ, सोमवार सुबह आठ-नौ बजे खाना खाने डेलाणा जाने की कहकर निकला था। इसके बाद वह दिनभर डेलाणा में ही था। रात करीब साढ़े नौ बजे उसकी बात भाई अमर सिंह से हुई थी। इसके बाद फोन बंद हो गया था। अमरसिंह ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि दशरथ के घर लौटने के दौरान उसकी बाइक जानवर से टकरा गई। इससे वह सड़क पर जा गिरा और सिर में चोट लगने से उसकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महिला से सोने की चेन लूटी

उदयपुर, (निसं)। महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन करने के दौरान चोर महिला के गले से सोने की चेन छीन ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता बीना पत्नी धर्मनारायण त्रिपाठी निवासी श्रीनाथ नगर हिरणमगरी सेक्टर 9 ने अम्बामाता पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि 21 जुलाई को मैं महाकाल मंदिर दर्शन करने के लिए गई थी। जहां अज्ञात चोर मेरे गले से सोने की चेन छीन ले गया। बाहर निकालने पर इसका पता चलने पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया, जिसकी जांच एचसी महेन्द्रसिंह कर रहे हैं।

नगर विकास न्यास के मास्टर प्लान को लेकर विरोध तेज

भीलवाड़ा, (निसं)। नगर विकास न्यास के मास्टर प्लान को लेकर विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। जोनल प्लान ई-2 के विरोध में आठ गांवों के ग्रामीण सड़क पर उतर आए। आज पालड़ी, गोविन्दपुरा, इन्द्रपुरा, तेलीखेड़ा, देवखेड़ी, तस्वारिया सांगानेर के ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया।

पालड़ी के पूर्व सरपंच देवेंद्र सिंह के नेतृत्व में ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री व

- जोनल प्लान ई-2 के विरोध में आठ गांवों के ग्रामीण सड़क पर उतर आए
- ग्रामीणों ने पांच दिन में जोनल प्लान ई-2 कैंसल नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी

मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर जोनल प्लान ई-2 को वापस लेने की मांग की। पांच दिन में जोनल प्लान कैंसल नहीं हुआ तो पांच हजार ग्रामीणों के साथ यूआईटी पर धरने की चेतावनी भी दी। पूर्व सिंह ने बताया कि यूआईटी ने मास्टर प्लान

पालड़ी, गोविन्दपुरा, इन्द्रपुरा, तेलीखेड़ा, देवखेड़ी, तस्वारिया, सांगानेर के ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया।

2035 की अवहेलना कर एक जुलाई को जारी किए जोनल प्लान ई-2 में कई खामियां हैं। इस प्लान में 13 से भी अधिक राजस्व ग्राम पालड़ी, गोविन्दपुरा, इन्द्रपुरा, तेलीखेड़ा, देवखेड़ी, तस्वारिया, आरजिया, जाटों का खेड़ा, केशरपुरा, सोलबिघा, आकोला, सांगानेर, कीरखेड़ा इत्यादि आते हैं। यूआईटी ने 200 फीट रोड को हटाकर 1200 फीट बना दिया। इस रोड को वहां तक ले गए, जहां तक किसानों की जमीनें थी। इंद्रपुरा, तेलीखेड़ा, गोविंदपुरा व पालड़ी की जमीनें रोड में जा रही है। जहां सरकारी जमीनें आई, वहां रोड को 200 फीट कर दिया जो कि तर्कसंगत नहीं है। यूआईटी ने 2013 में बहुउद्देशीय योजना बनाई थी।

इसमें मिनी सचिवालय और हाईटेक सिटी बनना था, पर बहुउद्देशीय योजना को ही कैंसल कर दिया। आरजिया, तस्वारिया जैसे आठ राजस्व गांवों की लगभग 15 हजार बीघा जमीनों को नर्सरी और पार्क में कन्वर्ट कर दिया। ग्रामीणों ने मांग की कि जोनल प्लान ई-2 को निरस्त करें और पूर्व का प्लान ही इंप्लीमेंट हो। ग्रामीणों ने पांच दिन में जोनल प्लान ई-2 कैंसल नहीं होने पर उग्र आंदोलन को चेतावनी दी है।

'बच्चों के समग्र विकास हेतु समन्वय व संवेदनशीलता से कार्य करें'

महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला पोषण अभिसरण योजना समिति की बैठक का आयोजन

कोटपूतली, (निसं)। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को एडीएम ओमप्रकाश सहारण की अध्यक्षता में महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला पोषण अभिसरण योजना समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

एडीएम ने कहा कि बच्चों के समग्र विकास हेतु संबंधित विभाग समन्वय व संवेदनशीलता से कार्य करें। उन्होंने पोषाहार की गुणवत्ता की नियमित जांच करने, भंडारण की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। साथ ही पीएचईडी विभाग को आंगनबाड़ियों में नल कनेक्शन उपलब्ध करवाने को कहा। इस दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों

- एडीएम ने पोषाहार गुणवत्ता की जांच के निर्देश दिये

के माध्यम से दी जा रही सेवाओं एवं अन्य विभागों के साथ अभिसरण पर चर्चा कर सेवाओं के बेहतर क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये गये। आंनगाबाड़ी केन्द्रों पर शौचालय, पेयजल, विद्युत कनेक्शन जैसी आधारभूत सुविधायें सुनिश्चित करने हेतु संबंधित विभागों को निर्देश प्रदान किये गये। साथ ही आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पूरक पोषाहार की आपूर्ति एवं वितरण, बच्चों की वृद्धि निगरानी, टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच, शाला पूर्व शिक्षा एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत स्क्रीनिंग बढ़ाने एवं गर्भवती महिलाओं के समय पर ममता कार्ड बनाने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में उपनिदेशक, महिला एवं बाल विकास विभाग सतपाल यादव, जिला रसद अधिकारी शशि शेखर शर्मा, आरसीएचओ अरविन्द अग्रवाल, सहायक निदेशिक कृषि विभाग रामजीलाल यादव, जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक शिक्षा प्रकाश चन्द मीणा सहित जिले के समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी उपस्थित रहे।

इस साल 11 दिन जल्दी आएंगे त्योहार

जयपुर। इस साल 2025 में रक्षाबंधन से लेकर दीपावली तक सभी प्रमुख त्योहार पिछले वर्षों की तुलना में 11 दिन पहले आ रहे हैं। वहीं वर्ष 2026 में तीज-त्योहार 20 दिन देरी से मनाए जाएंगे। इसकी वजह पंचांग की चंद्र गणना और अधिकमास की व्यवस्था है। ज्योतिषाचार्य डॉ. महेंद्र मिश्रा ने बताया कि इस वर्ष 2025 में सावन मास की शुरुआत 11 जुलाई से हुई है, जो 30 दिन का रहेगा। इसमें चार सोमवार और चार मंगला गौरी व्रत होंगे। सावन के साथ ही मांगलिक और धार्मिक पर्वों की धारा शुरू हो गई है, जो दीपावली और छठ तक चलेगी। डॉ. मिश्रा ने बताया कि रक्षाबंधन 9 अगस्त, जन्माष्टमी 16 अगस्त, गणेश चतुर्थी 27 अगस्त, शारदीय नवरात्रि 22 सितंबर, दशहरा 2 अक्टूबर, दीपावली 20 अक्टूबर और देवउठनी एकादशी 1 नवंबर को मनाई जाएगी। यह सभी पर्व पिछले वर्षों की तुलना में लगभग 11 दिन पहले पड़ रहे हैं।

"हरियालो राजस्थान" अभियान और सामाजिक सुरक्षा शिविरों की प्रगति की समीक्षा की

जिला कलेक्टर नमित मेहता ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से उपखण्ड अधिकारी, विकास अधिकारी और जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए

उदयपुर, (निसं)। जिला कलेक्टर नमित मेहता की अध्यक्षता में मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का आयोजन किया गया, जिसमें सभी उपखण्ड अधिकारी, विकास अधिकारी और जिला स्तरीय अधिकारी शामिल हुए। बैठक में मुख्यमंत्री वृक्षारोपण अभियान "हरियालो राजस्थान" की प्रगति, तीज कार्यक्रम, सामाजिक सुरक्षा और वित्तीय समायोजन संतृप्तता शिविरों की प्रगति तथा मौसमी बीमारियों की रोकथाम को लेकर दिशा निर्देश दिए गए।

जिला कलेक्टर मेहता ने बताया कि जिले में मुख्यमंत्री वृक्षारोपण अभियान "हरियाळो राजस्थान" के तहत लगभग 38 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें से लगभग 23 लाख पौधे लगाए जा चुके हैं। सभी विभागों से 24 से 27 जुलाई तक ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर पर पौधरोपण को लेकर जागरूकता अभियान चलाने का आह्वान किया।

जिला कलेक्टर नमित मेहता ने अधिकारियों की बैठक लेकर निर्देश दिये।

मेहता ने विभागवार पौधरोपण के आवंटित लक्ष्यों की समीक्षा करते हुए पौधरोपण और जियो टैगिंग की गति बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने सभी विभागों को कार्ययोजना बनाकर 24 से 27 जुलाई तक पौधरोपण का लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। सभी ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर पर पौधरोपण की अच्छी फोटोग्राफी और प्रॉपर जियो टैगिंग सुनिश्चित करने पर बल दिया। बैठक में 1 से 31 जुलाई 2025 तक चल रहे सामाजिक सुरक्षा और वित्तीय समायोजन संतृप्तता शिविरों की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

जिला कलेक्टर ने बताया कि जिले में वर्तमान में 13 लाख जनधन खाता धारक हैं और 5 लाख नए जनधन खाते खोले जाने का लक्ष्य है। जिला कलेक्टर

- मुख्यमंत्री वृक्षारोपण अभियान "हरियाळो राजस्थान" की प्रगति, तीज कार्यक्रम, सामाजिक सुरक्षा और वित्तीय समायोजन संतृप्तता शिविरों की प्रगति की समीक्षा की

ने जिले में मौसमी बीमारियों की रोकथाम को लेकर एंटी-लार्वा गतिविधियों पर भी विस्तार से चर्चा की। आशा और एएनएम कार्यकर्ता घर-घर जाकर मच्छर जनित बीमारियों के प्रति लोगों को जागरूक करेंगे। जिला कलेक्टर ने डेंगू के मामलों को लेकर सतर्क बरतने पर जोर दिया। अगले चार दिनों तक शहर में सघन फॉगिंग करवाई जाएगी।

उदयपुर में नगर निगम ने दूसरे दिन भी अतिक्रमण हटाये

नगर निगम आयुक्त के निर्देश पर अतिक्रमियों को अतिक्रमण नहीं करने की हिदायत दी

उदयपुर, (निसं)। नगर निगम द्वारा शहर में अतिक्रमण के खिलाफ लगातार दूसरे दिन बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना के निर्देश पर अतिक्रमण ध्वस्त कर अतिक्रमियों को अतिक्रमण नहीं करने की सीधी हिदायत दी गई।

नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना ने बताया कि त्यौहारी समय को देखते हुए उदयपुर शहर में सार्वजनिक सड़कों से अतिक्रमण हटाने का विशेष अभियान चलाया गया है। अभियान के तहत मंगलवार को हिरण मंगरी सेक्टर 3 कनक हॉस्पिटल के सामने सार्वजनिक सड़क पर अतिक्रमण कर करीब 500 वर्गफीट क्षेत्र में टेंट लगाकर अवैध रूप से केपी राखी बाजार लगाया गया, प्रीति पत्नी भूपेन्द्र द्वारा लगाये गये उक्त राखी बाजार के टेंट को हटा टेंट के लोहे के स्ट्रक्चर को जब्त किया गया। उक्त टेंट अभिषेक टेन्ट हाउस हिरण मंगरी सेक्टर 4 से किराये पर लगवाकर राखी बाजार सड़क पर लगाया गया था। अतिक्रमण मामले में प्रीति व टेन्ट मालिक के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी।

नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना ने बताया कि सुभाष चौक के पास अहमदाबादी जायका फ्राई सेन्टर द्वारा नगर निगम की अनुज्ञा के बिना मांसाहार विक्रय किया जा रहा था। इसी के साथ सार्वजनिक सड़क पर भी अतिक्रमण किया गया था जिसकी शिकायत मिलने पर कार्यवाही की गई। अफसर आलम के अहमदाबादी जायका फ्राई सेन्टर दुकान के बाहर सार्वजनिक सड़क पर अतिक्रमण कर रखी गई पांच गैस की टंकी, दो स्टील काउन्टर, एक लोहे का काउन्टर, एक लोहे की कड़ाही, एक गैस भट्टी जब्त की गई। आयुक्त ने विशेष तौर पर सभी मांसाहार विक्रेता को नगर निगम से अनुज्ञा प्राप्त कर ही व्यवसाय करने की अपील की है।

नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना ने शहरवासियों से एक बार फिर सार्वजनिक स्थान पर अतिक्रमण नहीं करने की अपील की है। आयुक्त के कहा कि विगत कुछ समय से त्योहारों के समय सार्वजनिक सड़क पर टेन्ट लगाकर मिठाई के काउन्टर लगाने, पटाखे बेचने का काउन्टर लगाने, राखी बाजार लगाने का प्रचलन बढ़ा हैं। किराये पर टेंट लगाकर सड़क पर अतिक्रमण कर व्यवसायिक गतिविधिया की जा रही हैं। सार्वजिनक सड़क पर टेन्ट लगाकर व अन्य तरिके से अतिक्रमण से आम जनता को त्योहारों के समय यातायात बाधित होने से परेशानी का सामना करना पड़ता है। त्योहारों के समय आम जनता का आवागमन अधिक रहने से सड़कों पर यातायात का दबाव रहता है। त्योहारों के समय नगर निगम द्वारा सार्वजनिक सड़कों पर टेन्ट लगाकर व अन्य तरिके से व्यवसाय करने की कोई स्वीकृति /अनुज्ञा नहीं दी जाती हैं।

शानदार एफर्ट, यंगमैन! बहुत-बहुत बधाई और मुझे भरोसा है कि ये मैदान पर बेहतर और ज्यादा लगातार प्रदर्शन की ओर से जाएगा। मुझे बहुत अच्छा लगा कि आपने अपनी प्राथमिकताएं फिर से तय कीं। कोई प्लीज ये पृथ्वी शॉ को भी दिखा दे। - केविन पीटरसन

पूर्व इंग्लैंड खिलाड़ी, पृथ्वी शॉ व सरफराज की फिटनेस को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

वीनस विलियम्स

सात बार की मेजर चैंपियन वीनस विलियम्स एक साल से ज्यादा समय तक टेनिस से दूर रहने के बाद डीसी ओपन में टेनिस में वापसी के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। जब पत्रकारों ने उनसे सोशल मीडिया पर हाल ही में पोस्ट किए गए एक वीडियो के आधार पर उनकी बहन सेरेना की खेल में वापसी के बारे में पूछा, तो उन्होंने जवाब दिया, मेरा मतलब है, मैं अपनी टीम से कहती रहती हूँ : अगर वह यहां होतीं, तो यह सब बेहतर होता, जैसे हम हमेशा सब कुछ साथ करते थे, इसलिए मुझे उनकी याद आती है।

क्या आप जानते हैं ?... 123 साल के टेस्ट इतिहास में भारत को एजबेस्टन में अब तक एक भी जीत नसीब नहीं हुई है।

चोटों से जूझ रहे भारत की निगाहें सीरीज में बराबरी करने पर : गिल

मैनचेस्टर, 22 जुलाई। इंग्लैंड और भारत की टीमें बुधवार को जब ओल्ड ट्रैफर्ड के मैदान पर चौथे टेस्ट के लिए उतरेंगी, तो भारत का इरादा ना सिर्फ इस मैदान पर पहली जीत हासिल करने का बल्कि सीरीज में वापसी करने का होगा। भारतीय टीम फिलहाल चोटों से गुजर रही है और उनके मुख्य टीम के तीन से चार खिलाड़ी चोटिल हैं। हालांकि उनके लिए अच्छी खबर यह है कि उनके विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पूरी तरह फिट होते दिख रहे हैं, जो लॉर्ड्स टेस्ट में विकेटकीपिंग के दौरान चोटिल हो गए थे।

ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी घुटने की चोट के कारण पूरे सीरीज से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह शार्दुल ठाकुर वापसी कर सकते हैं, जो पहले टेस्ट में खेले थे। वहीं अर्शदीप सिंह बाएं हथेली की चोट के कारण इस टेस्ट से बाहर हैं, जबकि आकाश दीप को भी एक निगल है। ऐसे में टीम में बुलाए गए युवा तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज को जगह मिल सकती है।

वहीं इंग्लैंड की टीम लॉर्ड्स टेस्ट जीतकर आ रही है और उनका इरादा इस मैच को जीतकर पहले एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी पर कब्जा ज़माना होगा। पिछले मैच में अपनी उंगली तुड़वा बैठे ऑफ स्पिनर बशीर अहमद सीरीज से बाहर हैं और उनकी जगह लियाम डॉसन को अंतिम एकादश में जगह मिली है। इंग्लैंड ने मैच के दो दिन पहले ही अपने एकादश का ऐलान कर दिया है।

कप्तान शुभमन गिल ने बताया कि मैनचेस्टर टेस्ट में ऋषभ पंत विकेटकीपर के तौर पर खेलते नजर आएंगे। इस दौरान उन्होंने तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज के डेब्यू पर बात की। मैनचेस्टर टेस्ट में पंत करेंगे विकेटकीपिंग, पंत को लॉर्ड्स में इंग्लैंड की पहली पारी के दौरान अंगुली में चोट लगी थी जिससे वह मैच के ज्यादातर हिस्से में विकेटकीपिंग नहीं कर पाए थे। इस दौरान उनकी जगह ध्रुव जुरेल को विकेटकीपिंग करते देखा गया। पंत ने सोमवार को मैनचेस्टर में भारतीय टीम के दो घंटे से अधिक समय तक चले अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया था। गिल ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा, ऋषभ पंत मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में विकेटकीपिंग करेंगे।

चोट के कारण पंत ने तीसरे टेस्ट में केवल 35 ओवर के लिए विकेटकीपर की भूमिका निभाई थी, बाकी मैच में ध्रुव जुरेल ने यह जिम्मेदारी संभाली थी। जुरेल का विकेट के पीछे प्रदर्शन हालांकि निराशाजनक रहा था। उन्होंने 25 बाई रन दिए थे जबकि इंग्लैंड ने इस टेस्ट मैच को 22 रन से जीता था। भारतीय टीम को चौथे टेस्ट से पहले तीन झटके लगे। ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी पूरी सीरीज पहले ही बाहर हो गए।

इस दौरान गिल ने करुण नायर के निराशाजनक प्रदर्शन पर भी बात की। उन्होंने अब तक सीरीज में सधी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रहे नायर का बचाव करते हुए कहा कि वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। गिल ने आगे कहा, हमें लगता है कि वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। उन्हें शुरुआती मैच में अपने पसंदीदा क्रम पर बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला। उनकी बल्लेबाजी में कोई समस्या नहीं है। एक बार जब आप 50 रन तक पहुंचने में सक्षम हो जाते हैं और सही लय में आ जाते हैं तो बड़ा स्कोर खड़ा कर सकते हैं। नायर ने अब तक पहले तीन टेस्ट मैचों में 0, 20, 31, 26, 40 और 14 रन की पारियां खेली हैं। इंग्लैंड पांच मैचों की सीरीज में 1-2 से आगे है।

आकाश दीप कमर में चोट के कारण बाहर हुए

कमर में चोट के कारण मैनचेस्टर टेस्ट से बाहर हो गए। इसकी पुष्टि भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने की। ऐसे में उम्मीद है कि अंशुल कंबोज को उनकी जगह प्लेइंग 11 में मौका मिल सकता है। वह मैनचेस्टर टेस्ट में डेब्यू कर सकते हैं।गिल ने कहा, नीतीश रेड्डी पहले ही सीरीज से बाहर हो चुके हैं। अब आकाश दीप और अर्शदीप सिंह चौथे टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। लेकिन हमारी टीम में बेहतरीन खिलाड़ी हैं और हम 20 विकेट लेने पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

कम्बोज डेब्यू के करीब

तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और आकाश दीप भी इस मुकाबले का हिस्सा नहीं बन पाएंगे। दोनों चोटिल हैं। उनके कवर के तौर पर अंशुल कंबोज को टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, प्रसिद्ध कृष्णा भी अंतिम एकादश में जगह बनाने के दावेदार हैं। गिल से जब अंशुल कंबोज के डेब्यू को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, हमने उसका कौशल देखा है। हमें विश्वास है कि वह हमारे लिए मैच विजेता साबित हो सकता है। कंबोज कल अपना डेब्यू करने के करीब है।

हर हाल में सीरीज बचाने के लिए चाहिए जीत

इंग्लैंड ने लीड्स में खेले गए सीरीज के पहले मैच में जीत हासिल की थी, जबकि भारत ने दूसरे टेस्ट मैच को जीतकर सीरीज 1-1 से बराबर कर दी थी। लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में भारत ने दबदबा बनाया था, लेकिन पांचवें आसान सा लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी थी। इस हार के चलते भारत सीरीज में पिछड़ गया। अब उसे सीरीज में बने रहने के लिए चौथा मुकाबला हर हाल में जीतना होगा। भारत के लिए यह मैच काफी महत्वपूर्ण है, लेकिन खिलाड़ियों की चोट से उसकी मुश्किलें काफी बढ़ गई है।

बीसीसीआई राष्ट्रीय खेल विधेयक के दायरे में आएगा

नई दिल्ली, 22 जुलाई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को राष्ट्रीय खेल विधेयक के दायरे में लाया जाना तय है। राष्ट्रीय खेल विधेयक बुधवार को संसद में पेश किया जाना है। खेल मंत्रालय के एक सूत्र के अनुसार, इस विधेयक के पारित होने के बाद, बीसीसीआई को अन्य राष्ट्रीय खेल महासंघों की तरह देश के कानून का पालन करना होगा। क्रिकेट को 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक खेलों में शामिल किए जाने के बाद बीसीसीआई भी ओलंपिक आंदोलन का हिस्सा बन गया है।

खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने मंगलवार को बताया कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) बुधवार 23 जुलाई 2025 को संसद में पेश किए जाने वाले नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नन्स बिल में शामिल होगा। सूत्रों के अनुसार 'सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों की तरह, बीसीसीआई को भी इस विधेयक के अधिनियम बन जाने के बाद देश के कानून का पालन करना होगा।'

क्रिकेट को 2028 लॉस एंजेलिस खेलों में शामिल किए जाने के बाद, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड भी ओलंपिक आंदोलन का हिस्सा बन गया है। राष्ट्रीय खेल विधेयक समय पर चुनाव, प्रशासनिक जवाबदेही और खिलाड़ियों के कल्याण के लिए एक मजबूत ढांचे को संस्थागत रूप देने का प्रयास करता है।'

बीसीसीआई साल 1926 में इंपीरियल क्रिकेट सम्मेलन में शामिल हो गया था, जो बाद में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल बनी। बीसीसीआई एक स्वायत्त निजी संगठन है। बीसीसीआई भारत सरकार के राष्ट्रीय खेल महासंघ के दायरे में नहीं आता है। वह युवा मामले एवं खेल मंत्रालय से कोई अनुदान नहीं लेता है। हालांकि, साल 2020 में बीसीसीआई आरटीआई अधिनियम के दायरे में आया था। खेल विधेयक के लागू होने पर बीसीसीआई स्वचालित रूप से एक राष्ट्रीय खेल महासंघ बन जाएगा। तब बीसीसीआई पर खेल मंत्रालय के सभी नियम और विनियम लागू होंगे। राष्ट्रीय खेल विधेयक का उद्देश्य समय पर चुनाव, प्रशासनिक जवाबदेही और खिलाड़ियों के कल्याण के लिए एक मजबूत ढांचा स्थापित करना है। इस विधेयक का उद्देश्य राष्ट्रीय खेल महासंघ के जरिए 10 प्रमुख मुद्दों का करना है समाधान

राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) में अपारदर्शी शासन: निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही लाना।

शासन में एथलीट्स के प्रतिनिधित्व का अभाव: एथलीट समितियों के जरिए एथलीट्स को शामिल करना और उत्कृष्ट योग्यता वाले खिलाड़ियों (एसओएम) का प्रतिनिधित्व अनिवार्य करना।

एनएसएफ चुनावों पर बार-बार मुकदमेबाजी: अदालती मामलों को कम करने के लिए स्पष्ट चुनावी दिशानिर्देश और विवाद समाधान तंत्र स्थापित करना।

अनुचित या अपारदर्शी एथलीट चयन: चयन मानदंडों का मानकीकरण और योग्यता-आधारित चयन सुनिश्चित करने के लिए ट्रायल और नतीजों के प्रकाशन को अनिवार्य करना।

उत्पीड़न और असुरक्षित खेल वातावरण: शिकायतों के लिए सुरक्षित खेल तंत्र, पॉश अनुपालन और स्वतंत्र समितियों को अनिवार्य बनाना।

शिकायत निवारण माध्यमों का अभाव: एथलीट्स, प्रशिक्षकों और हितधारकों के लिए समर्पित, समयबद्ध शिकायत निवारण प्रणालियां स्थापित करना।

एथलीट्स के करियर को नुकसान पहुंचाने वाली लंबी कानूनी देरी: विवादों को शीघ्रता से सुलझाने के लिए फास्ट-ट्रैक मध्यस्थता या न्यायाधिकरण प्रणाली शुरू करना।

आयु हेरफेर और डोपिंग: कानूनी दायित्वों के रूप में सख्त सत्यापन, बायोमेट्रिक प्रणाली और डोपिंग रोधी अनुपालन को लागू करना।

पदाधिकारियों के बीच हितों का टकराव: हितों के टकराव के नियमों की स्पष्ट परिभाषाएं और प्रवर्तन शुरू करना।

एनएसएफ और आईओए के लिए कोई समान संहिता नहीं: सभी खेल निकायों को एक एकीकृत शासन संहिता और पात्रता मानदंडों के अंतर्गत लाना।

जर्मनी में पदक जीतकर पर भी विवादों में घिरी भारतीय बैडमिंटन टीम, 6 खिलाड़ी नहीं ले पाएंगे हिस्सा

नई दिल्ली, 22 जुलाई। जर्मनी के राइन-रूहर में चल रहे विश्व विश्वविद्यालय खेलों (डब्ल्यूयूजी) में मिश्रित टीम कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय बैडमिंटन टीम चयन को लेकर विवादों में घिर गई है क्योंकि चुने गए 12 खिलाड़ियों में से छह को कथित प्रशासनिक चूक के कारण भाग लेने से रोक दिया गया है। प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए 12 खिलाड़ियों का चयन किया गया था लेकिन केवल छह को ही प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति दी गई क्योंकि अधिकारी 16 जुलाई को प्रबंधकों की बैठक के दौरान सभी नामों को सही ढंग से प्रस्तुत करने में विफल रहे। बाहर की गई एक खिलाड़ी अलीशा खान ने इंस्टाग्राम पर लिखा, ''यह केवल कुप्रबंधन नहीं है- यह करियर को नुकसान पहुंचाने वाला है। हम जवाब, जवाबदेही और हमारी आवाज सुनी जाने की मांग करते हैं। हमने कोई मैच नहीं गंवाया - हमने भाग लेने का अपना अधिकार ही खो दिया।' उन्होंने लिखा, ''यह केवल एक गलती नहीं है। यह एआईयू और हमारी टीम के अधिकारियों द्वारा करियर को नुकसान पहुंचाने वाला है। हम न्याय की मांग करते हैं।'' सूत्रों के अनुसार बीवी राव और अजीत मोहन भारतीय विश्वविद्यालय संघ के अधिकारी थे जो बैठक में शामिल हुए थे। देश में विश्वविद्यालय स्तर के खेलों के लिए नोडल संस्था एआईयू ने इस घटना को स्वीकार किया है।

लुलु फॉरेक्स और लुलु फिनसर्व ने अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन के साथ हाथ मिलाया

नई दिल्ली, 22 जुलाई। विदेश मुद्रा विनिमय और पैसे भेजने की सेवाओं में एक भरोसेमंद नाम लुलु फॉरेक्स और माइक्रो लोन और वित्तीय सेवाएं देने वाली कंपनी लुलु फिनसर्व दोनों ने अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) के साथ साझेदारी की है। अब ये दोनों कंपनियां एएफए की रीजनल फिनटेक पार्टनर बन गई हैं। यह स्पॉन्सरशिप एक बड़े वैश्विक समझौते का हिस्सा है, जिसके तहत लुलु फाइनेंशियल होल्डिंग्स की अलग-अलग कंपनियां , जो 10 देशों में हैं, अपने-अपने क्षेत्रों में एएफए की आधिकारिक पार्टनर बनेंगी। भारत में लुलु फॉरेक्स और लुलु फिनसर्व मिलकर एएफए के आधिकारिक पार्टनर के रूप में ब्रांड का प्रतिनिधित्व करेंगे। वहीं, लुलु ग्रुप की दूसरी कंपनियां जैसे लुलु एक्सचेंज और लुलु मनी इस साझेदारी की भूमिका जीसीसी देशों (खाड़ी देशों), मलेशिया, फिलीपींस और सिंगापुर में निभाएंगी। यह साझेदारी, जो शुरुआत में मिड 2026 तक चलेगी, मंगलवार को दुबई में एक कार्यक्रम के दौरान आधिकारिक रूप से घोषित की गई। इस मौके पर अर्जेंटीना के वर्ल्ड कप जीतने वाले कोच लियोनेल स्कालोनी, लुलु फाइनेंशियल होल्डिंग्स के सीनियर लीडर्स और उनके साथ एएफए के अधिकारी मौजूद थे। यह समझौता फुटबॉल की दुनिया के एक अहम समय को कवर करता है, जो 2026 में अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में होने वाले फीफा वर्ल्ड कप तक जारी रहेगा, जहां मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना अपनी जीत को बचाने की पुरजोर कोशिश करेगा।

बुमराह टीम के लिए पूरी जान झोंक दें या फिर वर्कलोड मैनेजमेंट के लिए ठीक से आराम कर लें : इरफान पठान

नई दिल्ली, 22 जुलाई। इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में 23 जुलाई से भारतीय टीम चौथा टेस्ट मैच खेलेगी। इस मुकाबले से पहले टीम इंडिया के पूर्व खिलाड़ी इरफान पठान ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कड़ा संदेश दिया है। इरफान का कहना है कि बुमराह या तो टीम के लिए पूरी जान झोंक दें या फिर वर्कलोड मैनेजमेंट के लिए चुनिंदा मैच खेलने के बजाय ठीक से आराम कर लो।ओल्ड ट्रैफर्ड में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच से पहले पठान ने बुमराह के अविश्वसनीय गेंदबाजी कौशल की तारीफ की, लेकिन साथ ही उनसे जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त प्रयास करने की भी अपील की।

पठान ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि, मैं जसप्रीत बुमराह का बहुत बड़ा फैन हूं। मुझे उनके कौशल बेहद पसंद है। वह बेहतरीन हैं। हालांकि, मेरा मानना है कि जब आप भरात के लिए खेलते हैं तो आपको अपना सब कुछ देना होता है। जब आप पांच ओवर के स्पैल की बात करतें हैं तो जब रूट आते हैं तो आप छठा ओवर नहीं फेंक रहे होते। आपको अपना सब कुछ झोंकना होता है। या तो आप अपना सब कुछ झोंक देते हैं या फिर पूरी तरह आराम करते हैं। जब बात किसी देश या टीम की आती है जब आप किसी टीम के लिए खेलते हैं तो आप उनके लिए खेलते हैं। टीम हमेशा पहले आती है।

इंग्लैंड दौरे पर आने से पहले ही तय था कि बुमराह को दौरे पर पांच में से तीन टेस्ट मैच खेलने हैं। लेकिन भारत सीरीज में 1-2 से पीछे है और दो मैच अभी और खेलने हैं। पठान ने स्पष्ट किया कि वह बुमराह की टीम के प्रति प्रतिबद्धता पर किसी भी तरह से सवाल नहीं उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि, मैं ये सवाल नहीं उठा रहा कि उन्होंने प्रयास नहीं किया है। उन्होंने ओवर फेंके हैं इसमें कोई संदेह नहीं। हालांकि जब टीम के लिए अतिरिक्त प्रयास करने की बात आती है तो आपको ऐसा करना ही पड़ता है।

एच.एस. प्रणय चाइना ओपन के प्री-क्वार्टर फाइनल में

चांगझोउ, 22 जुलाई। एचएस प्रणय ने शानदार वापसी करते हुए चाइना ओपन 2025 के पुरुष एकल राउंड-ऑफ-16 में प्रवेश किया। यह बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट मंगलवार को चांगझोउ के ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर जिम्नेजियम में शुरू हुआ।

विश्व के 18वें नंबर के खिलाड़ी जापान के कोकी वतनबे का सामना करते हुए, प्रणय (विश्व के 35वें नंबर के खिलाड़ी) ने धीमी शुरुआत के बाद वापसी करते हुए महज एक घंटे के अंदर 8-21, 21-16, 23-21 से रोमांचक जीत दर्ज की। पहला गेम हारने के बाद, प्रणय ने दूसरे गेम में लय हासिल की और निर्णायक गेम में नाटकीय वापसी की - जहां वह नौ अंकों से पीछे थे और जीत हासिल करने से पहले उन्होंने पांच मैच पॉइंट बचाए। अब उनका सामना प्री-क्वार्टर फ़ाइनल में छठी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन से होगा।

अल्काराज मांसपेशियों की समस्या के कारण टोरंटो मास्टर्स में नहीं खेल पाएंगे

मैड्रिड, 22 जुलाई। फ्रेंच ओपन चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने घोषणा की है कि वह आगामी एटीपी 1000 टोरंटो मास्टर्स में भाग नहीं लेंगे। अल्काराज, जो एक हफ्ते पहले ही जैनिक सिनर से विंबलडन फाइनल में हार गए थे, ने बताया है कि वह 27 जुलाई से शुरू होकर 7 अगस्त तक चलने वाले इस टूर्नामेंट के लिए टोरंटो क्यों नहीं जा पाएंगे।

उन्होंने आज सोशल मीडिया पर लिखा, लगातार कई हफ्तों तक बिना आराम के प्रतिस्पर्धा करने के बाद, मैं इस साल टोरंटो में नहीं खेल पाऊंगा। मुझे मांसपेशियों में थोड़ी समस्या है और मुझे आगे के प्रदर्शन के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होने की जरूरत है। टूर्नामेंट और कनाडा में अपने प्रशंसकों से मुझे बहुत खेद है, मैं आपसे अगले साल मिलूंगा। सिनर और नोवाक जोकोविच ने भी पुष्टि की है कि वे मांसपेशियों की समस्या के कारण इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाएंगे, जबकि अल्काराज यूएस ओपन से पहले सिनसिनाटी में वापसी करेंगे, जिसका मुख्य ड्रॉ 24 अगस्त से शुरू होगा।

दिल्ली के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता को मिलेंगे सात करोड़

नई दिल्ली, 22 जुलाई। दिल्ली के ओलंपिक और पैरालंपिक स्वर्ण पदक के विजेता को 7 करोड़ रुपये की भारी भरकम पुरस्कार राशि दी जायेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा को आगे बढ़ाने व मेहनत का सम्मान करने के अलावा राजधानी के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को अधिक प्रतिभाशाली बनाने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। आज दिल्ली सचिवालय में कैबिनेट की बैठक में उन्होंने 'मुख्यमंत्री खेल प्रोत्साहन योजना' के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में पदक विजेताओं के लिए नकद पुरस्कार राशि में भारी बढ़ोतरी की है। अब दिल्ली देश का ऐसा पहला राज्य बन गया है, जो अंतरराष्ट्रीय विजेताओं को सर्वाधिक इनामी राशि देने जा रहा है। साथ की उन्हें ए क्लास का सरकारी अधिकारी बनाने का मार्ग भी प्रशस्त कर रहा है।

नायर की घर वापसी, कर्नाटक के लिए खेलेंगे घरेलू क्रिकेट

नयी दिल्ली, 22 जुलाई। भारतीय बल्लेबाज करुण नायर तीन सीजन बाद कर्नाटक टीम में वापसी करने जा रहे हैं। नायर पिछले दो सीजन से विदर्भ के साथ थे। उन्हें सोमवार शाम विदर्भ क्रिकेट संघ से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिला, जिससे वह अपनी मूल राज्य टीम के लिए फिर से खेल सकेंगे। नायर की कर्नाटक वापसी ऐसे समय में हो रही है जब उनके प्रदर्शन का स्तर पहले की तुलना में काफी ऊपर पहुंच चुका है। इस साल की शुरुआत में विदर्भ को तीसरा रणजी ट्रॉफी खिताब जिताने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने 16 पारियों में 53.93 की औसत से चार शतकों की मदद से 863 रन बनाए थे, जिसकी बदौलत उन्हें आठ साल बाद भारत की टेस्ट टीम में वापसी का मौका मिला। इनमें केरल के खिलाफ फाइनल में खेली गई विजयी शतकीय पारी भी शामिल है। दिलचस्प बात यह है कि 2021-22 में जब नायर को कर्नाटक टीम से बाहर किया गया था।

भारत-पाकिस्तान मैच पर नया बवाल

पाक चैम्पियंस टीम का भारत के साथ अंक बाटने से इंकार

नई दिल्ली, 22 जुलाई। वर्ल्ड चैंपियंस ऑफ लीजेंड्स में भारत और पाकिस्तान मैच रद्द होने के बाद भी विवाद गहराता जा रहा है।डब्ल्यूसीएलके सूत्रों का कहना है कि आयोजकों नेइंग्लैंडएंडवेल्सक्रिकेट बोर्ड को बताया कि मैच की मेजबानी नहीं कर सके। डब्ल्यूसीएलने स्पष्ट कर दिया कि भारतीय टीम ने मैच रद्द होने की जिम्मेदारी नहीं ली। भारत और पाकिस्तान के बीचबहुप्रतीक्षितमुकाबले से पहलेडब्ल्यूसीएलने आधिकारिक बयान जारी करकेएजबेस्टनमैच को रद्द करने की घोषणा की थी। कईरिपोर्ट्समें संकेत दिए गए कि कई पूर्व भारतीय खिलाड़ियों ने मैच में हिस्सा लेने से इनकार कर दिया था। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में आंतकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक और सीमा संबंधतनावपूर्णहैं। भारतीय खिलाड़ियों ने इसका ध्यान रखते हुए पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलने से इनकार कर दिया। डब्ल्यूसीएलसूत्रों के मुताबिक पाकिस्तानचैंपियंसटीम ने भारत के साथ अंक बाटने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान का मानना है कि मुकाबला भारतीय टीम के कदम पीछे करने के कारण रद्द हुआ।डब्ल्यूसीएलके एक सूत्र नेएएनआईसे बातचीत में जानकारी दी। डब्ल्यूसीएलनेईसीबीको जानकारी दी कि आयोजक होने के नातेवोइस मैच को आयोजित नहीं कर सके। इंडियाचैंपियंसटीम की गलती नहीं है। पाकिस्तान चैंपियंसटीम अंक नहीं बांटना चाहती क्योंकि उनका कहना है कि भारत ने कदम

झेंग किनवेन ने कोहनी की सर्जरी के बाद यूएस ओपन से नाम वापस लिया

वाशिंगटन, 22 जुलाई। चीन की ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ने कोहनी की सर्जरी के बाद इस साल के यूएस ओपन टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। आयोजकों ने आज इसकी घोषणा की। छठी रैंकिंग वाली झेंग, जो दो बार यूएस ओपन क्वार्टर फाइनलिस्ट रह चुकी हैं, ने पिछले शनिवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि उनकी दाहिनी कोहनी की सर्जरी सफल रही है और अब वह ठीक हो रही हैं। झेंग ने लिखा, हाल के प्रशिक्षण सत्रों और प्रतियोगिताओं के दौरान, मुझे अपनी दाहिनी कोहनी में लगातार दर्द की समस्या रही है। हालांकि मैंने कई हस्तक्षेपों के बावजूद दर्द को सहन किया, लेकिन दर्द का असर बना रहा। कोहनी विशेषज्ञों द्वारा निदान के बाद, उन्होंने मुझे और मेरी टीम को समस्या के पूर्ण समाधान के लिए जल्द से जल्द दाहिनी कोहनी की न्यूनतम इनवेसिव आर्थोस्कोपिक सर्जरी कराने की सलाह दी। उन्होंने आगे कहा, अपनी टीम के साथ गहन चर्चा के बाद, जल्द से जल्द सर्वश्रेष्ठ स्थिति में कोर्ट पर वापसी के लिए, हमने सर्जरी को सबसे अच्छा विकल्प चुना। मैंने कल सर्जरी पूरी कर ली, यह बहुत आसानी से हुई, और मैं अब रिकवरी में हूँ।

ब्रेट ली ने वर्ल्ड चैम्पियनशिप ऑफ लीजेंड्स में ऑस्ट्रेलिया की टीम को प्रमुखता से खड़ा किया

बर्मिंघम, 22 जुलाई। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज गेंदबाज ब्रेट ली वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) 2025 में एक प्रमुख आकर्षण हैं और उन्होंने कहा कि जीएफएस डेवलपमेंट्स द्वारा समर्थित ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस टीम के पास एक मजबूत टीम है, जो इस बार ट्रॉफी जीतने में पूरी तरह सक्षम है।

यह टूर्नामेंट 18 जुलाई से 2 अगस्त 2025 तक इंग्लैंड के चार प्रतिष्ठित स्थानों पर आयोजित किया जाएगा, जहां प्रशंसकों को पुरानी यादों, कड़ी प्रतिद्वंद्विता और विश्व स्तरीय मनोरंजन का एक अनूठा मिश्रण देखने को मिलेगा। डब्ल्यूसीएल 2025 इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा अनुमोदित एक भव्य ग्रीष्मकालीन आयोजन में बीते जमाने के नायकों को एक साथ लाता है।

ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस टीम का नेतृत्व दिग्गज गेंदबाज ब्रेट ली कर रहे हैं और इसमें कई ऑस्ट्रेलियाई सुपरस्टार शामिल हैं, जो अपने शानदार करियर में एक बार फिर से गौरव हासिल करने के लिए तैयार हैं। ब्रेट ली ने जीएफएस डेवलपमेंट्स और एएक्स कैपिटल के सदस्यों के साथ एक मुलाकात कार्यक्रम के दौरान कहा, हम इस साल निश्चित रूप से खिताब जीतने की कोशिश करेंगे। हमारी टीम ने पिछले सीजन में अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन हम खिताब से चूक गए थे। हालांकि, इस साल हम अच्छा प्रदर्शन करने और प्रशंसकों और जीएफएस डेवलपमेंट्स जैसे हमारे साथ जुड़े महान लोगों के लिए ट्रॉफी जीतने के लिए वास्तव में प्रेरित हैं।

उन्होंने आगे कहा, टीम अच्छी तरह से संतुलित दिख रही है। हमारे पास हर विभाग में अच्छी ताकत है और निश्चित रूप से मुझे अपनी टीम के सकारात्मक प्रदर्शन का पूरा भरोसा है। टूर्नामेंट में छह टीमें हैं: भारत चैंपियन, पाकिस्तान चैंपियन, इंग्लैंड चैंपियन, ऑस्ट्रेलिया चैंपियन, दक्षिण अफ्रीका चैंपियन और वेस्टइंडीज चैंपियन।

देवेंद्र 7 अंक हासिल करके ओवरऑल चैम्पियन बने

जयपुर, 22 जुलाई। अंकित, साक्षी और सुनील भार्गव मेमोरियल ओपन शतरंज टूर्नामेंट 19 और 20 जुलाई 2025 को जयपुर जिला शतरंज संघ और राजस्थान शतरंज संघ के तत्वावधान में ब्राइट फ्यूचर स्कूल, निर्माण नगर, जयपुर में आयोजित किया गया। राजस्थान भर से 250 से अधिक प्रतिभागियों के साथ, इस टूर्नामेंट में 8 गहन राउंड में अनुभवी और नवोदित शतरंज प्रतिभाओं ने हिस्सा लिया।

इस टूर्नामेंट में कुल पुरस्कार राशि 1,00,000 से अधिक थी, जिसमें ओपन, आयु, लिंग, वेटरन और रेटिंग श्रेणियों में नकद पुरस्कार, ट्रॉफी, प्रमाण पत्र और पदक शामिल थे। देवेंद्र कुमार 7 अंक हासिल करके ओवरऑल चैंपियन बने और 10,000 का नकद पुरस्कार और एक ट्रॉफी अपने नाम की। उनके ठीक बाद, उज्जवल दीप ने भी 7 अंक बनाए और 7,500 और एक ट्रॉफी के साथ उपविजेता का खिताब जीता। राजकपूर और सिद्धांत चतुर्वेदी दोनों ने 5-5 अंक बनाए और क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर रहे। देवेंद्र कुमार, जिन्होंने यह खिताब जीता, के अलावा सिद्धांत ही एकमात्र खिलाड़ी थे जो टूर्नामेंट में अपराजित रहे। टूर्नामेंट में ओपन, महिला, वेटरन (55), और रेटिंग-आधारित समूह (1400-1600, 1600-1800) सहित कई प्रतिस्पर्धी श्रेणियां शामिल थीं, साथ ही आयु-आधारित श्रेणियां (अंडर-7, अंडर-9, अंडर-11, अंडर-13 और अंडर-15) भी शामिल थीं। 45 वर्ष से अधिक आयु की महिला प्रतिभागियों और 13 वर्ष से कम आयु के युवा खिलाड़ियों को विशेष पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को अजमेर के केकड़ी में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास किया। इस अवसर उन्होंने एक हजार करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात भी दी।

धनखड़ का इस्तीफा मंजूर, नये उपराष्ट्रपति का चुनाव शीघ्र होगा

राज्यसभा के मानसून सत्र की कार्यवाही उपसभापति हरिवंश चलायेंगे

नई दिल्ली, 22 जुलाई। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है। बीते दिन ही धनखड़ ने राष्ट्रपति मुर्मू को पत्र भेजकर पद से इस्तीफे की बात कही थी। उन्होंने इस्तीफे के पीछे स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया था। मंगलवार को राज्यसभा को जगदीप धनखड़ के तत्काल प्रभाव से इस्तीफे के संबंध में गृह मंत्रालय की अधिसूचना (दिनांक 22 जुलाई) के बारे में सूचित किया गया। इस बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर धनखड़ के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने लिखा, जगदीप धनखड़ को भारत के उपराष्ट्रपति सहित कई भूमिकाओं में देश की सेवा करने का अवसर मिला है। मैं उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं।

- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर लिखी पोस्ट में जगदीप धनखड़ के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की और उनकी प्रशंसा की।**

उपराष्ट्रपति के पद छोड़ने के साथ ही राज्यसभा के सभापति पद भी स्वतः रिक्त हो गया। उपराष्ट्रपति उच्चसदन के पदेन सभापति होते हैं। ऐसे में अब, जब इस्तीफा मंजूर हो गया है तो मानसून सत्र में राज्यसभा की पूरी कार्यवाही उपसभापति हरिवंश चलाएंगे। इसके अलावा, राष्ट्रपति की ओर से अधिकृत सदस्य को भी यह जिम्मेदारी दी सकती है।

उपराष्ट्रपति पद का चुनाव जल्द से जल्द कराना होगा। संविधान के अनुसार, मृत्यु, त्यागपत्र या हटाए जाने या अन्य किसी कारण से उपराष्ट्रपति पद की रिक्ति भरने के लिए चुनाव यथाशीघ्र कराने का प्रावधान है।

कार्यकाल के दौरान इस्तीफा देने वाले धनखड़ तीसरे उपराष्ट्रपति हैं। वीवी गिरि ने 20 जुलाई, 1969 और आर वेंटकरमन ने 24 जुलाई, 1987 को पद से इस्तीफा दिया था, दोनों ने राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने के लिए यह कदम उठाया था। जबकि पूर्व उपराष्ट्रपति कृष्णकांत का कार्यकाल के दौरान निधन हो गया था।

मुख्यमंत्री ने केकड़ी में 1 हजार करोड़ के कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास किया

उन्होंने 5 साल के कार्यकाल में प्रदेश में 50 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया

अजमेर/जयपुर, 22 जुलाई। मंगलवार को अजमेर के केकड़ी में आयोजित विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण-शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सावन के पवित्र महीने में हो रही अच्छी बारिश प्रदेश में धन-धान्य, खुशहाली एवं समृद्धि आने का शुभ संकेत है। हमने पिछले वर्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरणा लेते हुए पिछले वर्ष हमने साढ़े सात करोड़ पौधे लगाए। अब इस वर्ष प्रदेश में 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि इस बार हरियाली तीज के दिन भी हम सघन वृक्षारोपण करने जा रहे हैं। हम 5 साल के कार्यकाल में प्रदेश में 50 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य लेकर काम कर रहे हैं।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने महीने में एक दिन ग्राम स्तर पर शिविर लगाने की घोषणा की, जिसमें आमजन के विभिन्न कार्य स्थानीय स्तर पर हो सकेंगे।**

उन्होंने कहा कि हम देश में अपनी तरह की पहली, पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना शुरू कर 10 हजार गांवों के बीपीएल परिवारों को गरीबी रेखा के ऊपर लाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में राज्य सरकार ग्राम पंचायत स्तर पर महीने में एक दिन शिविर लगाएगी, जिसमें आमजन के विभिन्न कार्य स्थानीय स्तर पर ही हो सकेंगे।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने केकड़ी विधानसभा क्षेत्र के लिए एक हजार करोड़ रु. से अधिक की महत्वपूर्ण बजट घोषणाएं की हैं, जो इस क्षेत्र को विकास के नए शिखर पर ले जाएंगी। मुख्यमंत्री ने केकड़ी में लगभग 423 करोड़ रुपये से जल जीवन मिशन के तहत केकड़ी-सरवाड़ क्षेत्र के लिए जल आपूर्ति प्रणाली का शिलान्यास किया। केकड़ी विधानसभा के 157 गांवों को शुद्ध पेयजल के लिए 300 करोड़ रुपये की लागत से क्लस्टर पंपिंग सिस्टम, ओवरहेड टैंक और वितरण प्रणाली स्थापित करने के कार्यों का भी आज शिलान्यास किया गया।

समारोह में मुख्यमंत्री ने 291 करोड़ रुपये की लागत से बीसलपुर बांध पैकेज-2 के अंतर्गत, बीसलपुर बांध से केकड़ी तक वर्षा जल की ट्रांसमिशन मुख्य प्रणाली और इनटेक पर इलेक्ट्रो-मैकेनिकल कार्य का भी शिलान्यास किया। (विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि सावन के पवित्र महीने में राज्य सरकार द्वारा हरियालो राजस्थान के तहत 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री एक विजन बनाकर पूरे प्रदेश के विकास के लिए काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने यहां रक्तदान शिविर का अवलोकन किया। इसके बाद उन्होंने परिसर में पीपल का पौधा भी लगाया। समारोह में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, अनेक जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी व बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

मुम्बई ट्रेन धमाकों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दी है। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने और सुनवाई करने का मंगलवार को अनुरोध किया। विशेष उल्लेख के दौरान मेहता ने पीठ के समक्ष यह कहते हुए कि विशेष अनुमति याचिका तैयार है, कृपया इसे कल सूचीबद्ध करें। यह अत्यावश्यक याचिका है। इस पर पीठ ने मामले को गुरुवार को सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई।

गौरतलब है कि मुंबई की लोकल ट्रेनों में 11 जुलाई, 2006 को सात बम विस्फोट हुए थे। इस दुखद घटना में 189 लोग मारे गए थे और 820 यात्री अपंग हो गए। शाम की भीड़भाड़ के दौरान बमों के रुक-रुक कर फटने की घटना ने ज़्यादा लोगों को नुकसान पहुँचाया।

मिग-21 की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बनाया था) को गिराया था। ये विमान रूस ने बनाया है कि लेकिन इसमें कई खामियों की वजह से ये क्रैश कर जाता है। इस विमान को रूस ने 1985 में रिटायर कर दिया था। यहां तक कि अफगानिस्तान और बांग्लादेश ने भी इस विमान को रिटायर कर दिया है।

श्री डूंगरगढ़ में दो कारों की भिड़ंत में पाँच की मौत

बीकानेर, 22 जुलाई (निसं)। श्रीडूंगरगढ़ के सिखवाल उपवन के पास नेशनल हाइवे-11 पर दो कारों की भिड़ंत में पांच लोगों की मौत हो गई और चार लोग गंभीर रुप से घायल हो गये। हादसा इतना भीषण था कि गाड़ियों में फंसे घायलों को निकालने के लिए गाड़ी को काटना पड़ा। जानकारी के अनुसार, एक कार में सवार चार लोग खाटूश्यामजी से दर्शन कर लौट रहे थे। हादसा श्रीडूंगरगढ़ के सिखवाल उपवन के पास सोमवार देर रात 11 बजे नेशनल हाइवे-11 पर हुआ। श्रीडूंगरगढ़ शहर के पास हुई इस दुर्घटना में दोनों कार पूरी तरह चकनाचूर हो गईं। पुलिस ने बताया कि एक-दो घायल कांच तोड़ते हुए सड़क पर आ गिरे। जानकारी के अनुसार एक कार में सवार अभयसिंह पुरा निवासी करण, बिग्गा निवासी दिनेश जाखड़ और

- **भिड़ंत इतनी तेज थी कि गंभीर रूप से घायल 4 लोगों को निकालने के लिए गाड़ी को काटना पड़ा।**

श्रीडूंगरगढ़ निवासी मदन सारण ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि बिग्गा निवासी मनोज जाखड़ की बीकानेर ले जाते समय मौत हो गई। ये सभी लोग खाटूश्याम मंदिर दर्शन करने गए थे।

दूसरी कार में बैठे नापासर निवासी मल्लू उर्फ महालचंद भार्गव ने भी हादसे में दम तोड़ दिया। इसी कार में सवार नापासर निवासी संतोष कुमार, नापासर निवासी सुरेन्द्र, जितेन्द्र, लालचंद घायल हो गए, जिन्हें पीबीएम अस्पताल रेफर किया गया।

199 करोड़ रु. के चंदे पर कांग्रेस को टैक्स देना ही होगा

नई दिल्ली, 22 जुलाई। कांग्रेस को पार्टी फंड में पड़े 199 करोड़ रुपये पर इनकम टैक्स देना होगा। इसके लिए पार्टी को राहत नहीं मिली है। आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण या आईटीएटी ने आयकर रिटर्न देर से दाखिल करने और नकद दान सीमा के उल्लंघन के कारण पार्टी के छूट के दावे को खारिज कर दिया है।

क्या जगदीप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याद दिला दें कि पिछले दिसंबर में कांग्रेस और विपक्षी दलों ने जगदीप धनखड़ के खिलाफ़ अविश्वास प्रस्ताव लाने की कोशिश की थी, लेकिन यह इसलिए खारिज हो गया क्योंकि जयराम ने उनका नाम गलत लिखा और 14 दिन की पूर्व सूचना भी नहीं दी गई।

यह बात "मैच फिक्सिंग" का सबसे खुला उदाहरण मानी गई।

राज्यसभा के सभापति के रूप में धनखड़ को पक्षपाती माना गया – विपक्ष के लिए अनुचित, नरेंद्र मोदी के प्रवक्ता की तरह व्यवहार करने वाला, और सरकार का खुला समर्थन करने वाला। इसलिए उनके खिलाफ़ अविश्वास प्रस्ताव लाने का निर्णय लिया गया था।

लेकिन अब हालात बदल गए हैं – अब सरकार ही उनके खिलाफ़ हो गई है। कहानी में नया मोड़ आ चुका है, और कहा जा रहा है कि अब कर्मों का फल मिल रहा है।

विधेयकों पर राज्यपाल की मंजूरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के विधेयक को रोके रखना) या "एब्सोल्यूट वीटो" (पूर्ण अस्वीकृति) की कोई अवधारणा नहीं है।

कोर्ट ने यह भी कहा कि कोई निष्क्रियता नहीं हो सकती, और जब भी कोई विधेयक राज्यपाल को प्रस्तुत किया जाता है, तो वह संविधान के तहत उपलब्ध तीन विकल्पों में से किसी एक को अपनाने के लिए बाध्य हैं – या तो सहमति दें, या असहमति जताकर विधेयक पुनर्विचार हेतु विधानसभा को लौटाएँ, या फिर राष्ट्रपति के विचारार्थ विधेयक को रिज़र्व करें।

अदालत ने आगे कहा कि यदि राज्यपाल असहमति जताते हैं, तो उन्हें अनुच्छेद 200 की पहली व्याख्या के अनुसार यथाशीघ्र विधेयक को संदेश के साथ पुनर्विचार हेतु विधानसभा को लौटाना होगा।

इसके लिए सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल के लिए तीन महीने की समयसीमा तय की।

राज्यपाल के पास कोई विकल्प नहीं होगा सिवाय इसके कि वह पुनर्विचार के बाद विधानसभा द्वारा दोबारा पारित विधेयक को अपनी सहमति दें। इस पर सहमति देने के लिए अदालत ने एक महीने की समयसीमा तय की।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था, "अनुच्छेद 200 की कोई भी ऐसी व्याख्या, जो अनिश्चितकालीन निष्क्रियता की अनुमति देती है, वह विधायी प्रक्रिया और जन-इच्छा को बाधित करेगी।"

15 मई, 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा दायर संदर्भ में अप्रैल 8 के निर्णय से उत्पन्न हुए 14 संवैधानिक प्रश्नों को चिन्हित किया गया।

इनमें प्रमुख सवाल थे: क्या न्यायपालिका राष्ट्रपति और राज्यपालों को विधेयकों पर सहमति देने के लिए समयबद्ध आदेश दे सकती है? क्या विलंब की स्थिति में संविधान में "स्वतः सहमति" की कोई अवधारणा है? क्या अनुच्छेद 200 और 201 की न्यायिक समीक्षा या आदेशों के लिए व्याख्या की जा सकती है?

संदर्भ का कहना है कि संविधान न्यायपालिका को ऐसा कोई स्पष्ट अधिकार नहीं देता और अप्रैल 8 के निर्णय ने एक ऐसा ढांचा बना दिया जो कार्यपालिका के स्वविवेक के अधिकार में हस्तक्षेप करता है।

मंगलवार की सुनवाई के दौरान, वरिष्ठ अधिवक्ता के.के. वेणुगोपाल (केरल की ओर से) और वरिष्ठ अधिवक्ता पी. विल्सन (तमिलनाडु की ओर से) ने इस संदर्भ का विरोध किया और इसकी वैधता पर सवाल उठाए। वरिष्ठ अधिवक्ता विल्सन ने कहा कि राष्ट्रपति के संदर्भ में उठाए गए सभी 14 प्रश्नों का उत्तर सुप्रीम कोर्ट पहले ही विभिन्न निर्णयों में, विशेष रूप से 8 अप्रैल, 2025 के तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि के मामले में दे चुका है।

भाजपा सरकार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकार उन्हें नजरअंदाज़ कर रही है और उन्हें वह सम्मान नहीं मिल रहा, जो मिलना चाहिए।

उन्होंने वरिष्ठ वकीलों और अन्य प्रमुख व्यक्तियों के साथ एक डिनर मीटिंग में यह साफ़-साफ कहा कि देश के मामलों को जिस तरीके से चलाया जा रहा है, उससे वे संतुष्ट नहीं हैं।

कहा जाता है कि जब उन्हें प्रस्तावित अविश्वास प्रस्ताव की जानकारी मिली, तो उन्होंने इस्तीफ़ा दे दिया। जब सरकार ने उनका इस्तीफ़ा सार्वजनिक नहीं किया, तो उन्होंने स्वयं रात 9:30 बजे अपने ट्विटर पर यह जानकारी साझा कर दी।

धनखड़ आरएसएस के करीबी माने जाते हैं और उसकी सिफारिश पर ही उन्हें पहले पश्चिम बंगाल का राज्यपाल और फिर उपराष्ट्रपति बनाया गया था।

धनखड किसानों और वंचित वर्गों की आवाज़ उठाते थे, जो मोदी सरकार को पसंद नहीं आया।

कोटा में कोचिंग सेंटरों में छात्रों की आत्महत्याओं पर उनकी सख्त टिप्पणी और शिक्षा की इन दुकानों (कोचिंग सेन्टरर्स) के काम करने के तरीक़े पर उनकी आलोचना से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला नाराज़ हो गए, जो खुद कोटा से हैं और माना जाता है कि वे खुद कई ऐसे संस्थानों से जुड़े हुए हैं।

बताया गया है कि उन्होंने अपने ग़ुस्से की जानकारी केन्द्रीय गृहमंत्री को दे दी थी, जिससे धनखड़ के साथ एक और टकराव हो गया।

इस समय, प्रधानमंत्री का आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से भी टकराव चल रहा है, तो क्या धनखड़ का मामला भी उसी का हिस्सा है?

वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि ऐसे बहुत से सवाल बहुत हैं।

ब्रिटिश नौसेना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तकनीकी खराबी के कारण यह उड़ान नहीं भर सका था। भारतीय वायुसेना ने भी विमान को जरूरी मदद मुहैया कराई। विमान में ईंधन भरा गया। इसके बावजूद यह उड़ान नहीं भर सका। आखिर में यूके रॉयल एअर फोर्स की एक टैक्नीकल टीम आई और हैंगर में फाइटर जेट को ठीक करने का काम शुरू हुआ। एफ-35 की वापसी पर ब्रिटिश उच्चायोग के प्रवक्ता ने भी भारत का शुक्रिया अदा किया है। उन्होंने कहा, "भारतीय एअरपोर्ट प्रशासन समेत पूरी टीम ने एफ-35 को ठीक करने में अहम योगदान दिया है। इस मदद के लिए ब्रिटेन हमेशा भारत का आभारी रहेगा।"

राजस्थान हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जा रहा है।

संदीप तनेजा वर्तमान में राज्य सरकार के अतिरिक्त महाधिवक्ता के तौर पर नियुक्त हैं और जयपुर पीठ में राज्य सरकार का पक्ष रखते हैं। वहीं, बिपिन गुप्ता, रवि चिरानिया और अनुरूप सिंघी भी जयपुर पीठ में नियमित वकालत करते हैं, जबकि बलजिन्दर सिंह व संजीत पुरोहित हाईकोर्ट की जोधपुर स्थित मुख्य पीठ में प्रैक्टिस करते हैं। न्यायिक अधिकारी संगीता शर्मा फिलहाल अजमेर में जिला एवं सत्र न्यायाधीश के तौर पर कार्यरत हैं। सात नए न्यायाधीशों की नियुक्ति के बाद राजस्थान हाईकोर्ट के काम की रफ्तार में काफी तेजी आएगी। फिलहाल हाईकोर्ट में करीब 6 लाख साठ हजार मुकदमे लंबित हैं। गौरतलब है कि हाईकोर्ट में जजों की नियुक्ति को लेकर साल 2025 बेहद अच्छा साबित हुआ है। हाईकोर्ट को इस साल अब तक करीब 15 जज मिल चुके हैं। जनवरी, 2025 में तीन, फरवरी माह में एक और मार्च माह में हाईकोर्ट जज के तौर पर चार नियुक्ति हो चुकी हैं। वैसे हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 50 है।

क्या वरिष्ठ जेडीयू नेता हरिवंश सिंह...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर विचार किया जा रहा है। हरिवंश, एक पत्रकार से राजनेता बने धीर-गंभीर व्यक्ति हैं, सभी दलों में उनकी अच्छी छवि है और उनका पदोन्नयन राज्यसभा में तनावों को कम करने में मदद कर सकता है।

एनडीए गठबंधन की दीर्घकालिक स्थिरता को सुनिश्चित करने के लिए, भाजपा कथित तौर पर यह विचार कर रही है कि उपसभापति का पद तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) को दिया जाए। वर्ष 2019 में हुए कटु विभाजन के बाद, टीडीपी अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू के एनडीए में लौटने के साथ, भाजपा रणनीतिकार मानते हैं कि संसद में, टीडीपी जैसे किसी सहयोगी दल को सशक्त बनाने से गठबंधन की स्थिरता का संकेत मिल सकता है, जो बिहार चुनाव और 2029 के लोकसभा चुनाव के मद्देनज़र महत्वपूर्ण हो सकता है।

लेकिन मौजूदा राजनीतिक हलचल केवल संसद तक ही सीमित नहीं है। भाजपा के भीतर अध्यक्ष पद को लेकर एक समानान्तर रस्साकशी चल रही है। जे.पी. नड्डा का बढ़ाया गया कार्यकाल जल्दी ही समाप्त हो रहा है, और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरंतरता और केन्द्रीयकृत नियंत्रण के पक्षधर माने जा रहे हैं। लेकिन आरएसएस इसका विरोध कर रहा है, वह पार्टी के इस शीर्ष पद के लिए अपनी सोच पर जोर दे रहा है।

इस संदर्भ में, संजय जोशी का नाम फिर से उभरकर सामने आया है, जो लंबे समय से आरएसएस के निष्ठावान कार्यकर्ता और एक समय भाजपा के प्रमुख संगठनकर्ता रहे हैं। मोदी ने एक दशक पहले आंतरिक प्रतिद्वंद्विता के कारण जोशी को दरकिनार कर दिया था, लेकिन संघ अब भी उन्हें उच्च सम्मान देता है। जोशी को भाजपा अध्यक्ष के रूप में प्रोजेक्ट करके, संघ यह संकेत दे सकता है कि वह पार्टी का वैचारिक नियंत्रण फिर से हासिल करना चाहता है, खासकर ऐसे समय, जब मोदी के खेमे में चुनावी गणित और रियलपॉलिटिक निर्णय लेने में महती भूमिका निभाना महत्वपूर्ण प्रतीत हो रहा है। संघ प्रमुख मोहन भागवत अपनी प्रतिष्ठा को पुनः स्थापित करने के लिए जोशी को भाजपा के सर्वोच्च पद पर देखना चाहते हैं।

इन सभी घटनाओं से यह स्पष्ट होता है कि धनखड़ का इस्तीफा सत्ता के एक बहुत बड़े मंथन की केवल एक सतही घटना है। चूँकि भाजपा और संघ, सत्ता के उत्तराधिकार, गठबंधन प्रबंधन और आंतरिक असहमति की जटिलताओं से जूझ रहे हैं, इसलिये आने वाले दिनों में और भी अप्रत्याशित घटनाक्रम देखने को मिल सकते हैं।

इस समय, सभी की नजरें राज्यसभा के नए अध्यक्ष और भाजपा के अगले अध्यक्ष पर हैं, ये दोनों ही निर्णय भारत की सत्तारूढ़ पार्टी के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण परिणाम लेकर आयेंगे।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908